@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 10 जुलाई 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 246 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

‘ग्रो मोर, अचीव मोर’ के मंत्र के साथ विकसित भारत की ओर बढ़ रहा देश : नरेंद्र मोदी

एजेंसी
मेलबर्न। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि 21वीं सदी का भारत ग्रो मोर, अचीव मोर के मंत्र के साथ विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत अब चंद्रयान की सफलता तक सीमित नहीं है बल्कि गगनयान मिशन और अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने के लक्ष्य पर भी काम कर रहा है। मेलबर्न में आयोजित भव्य प्रवासी भारतीय समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और जल्द ही विश्व की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक सपना पूरा होने के बाद भारत नया

सपना देखने और उसे साकार करने की क्षमता रखता है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया की आदिवासी परंपरा के पारंपरिक संरक्षकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए की। उन्होंने कहा कि सिडनी के बाद इस बार मेलबर्न आकर भारतीय समुदाय से मिलना उनके लिए विशेष खुशी का अवसर है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ की उपस्थिति के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहे हैं और इसमें भारतीय प्रवासी समुदाय की सबसे बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में जब वह पहली बार प्रधानमंत्री के रूप में ऑस्ट्रेलिया आए थे, तब 28 वर्षों बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यात्रा हुई थी। उन्होंने याद दिलाया कि तब उन्होंने वादा किया था कि अगली यात्रा के लिए 28 वर्ष का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। पिछले 12 वर्षों में यह उनकी तीसरी ऑस्ट्रेलिया यात्रा है, जो दोनों देशों के मजबूत होते संबंधों का प्रमाण है।

प्रधानमंत्री ने भारतीय समुदाय की सराहना करते हुए कहा कि वे ऑस्ट्रेलिया की प्रगति में योगदान दे रहे हैं लेकिन उनका मन और दिल भारत से हमेशा जुड़ा रहता है। उन्होंने कहा कि भारतीय जहां भी जाते हैं, वहां प्रेम, संस्कृति और अपने संस्कारों की खुशबू फैलाते हैं। उन्होंने कहा, आपके घरों में दूध ऑस्ट्रेलिया का हो सकता है लेकिन उससे बनने वाली चाय भारतीय होती है। भौगोलिकसंदर्भ

प्रधानमंत्री मोदी ने ऑस्ट्रेलिया की गवर्नर जनरल सैम मोस्टिन से मुलाकात की

मेलबर्न। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया की गवर्नर जनरल सैम मोस्टिन से मुलाकात कर भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी के विभिन्न आयामों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, शिक्षा, नवाचार और खेल सहयोग को और मजबूत बनाने पर सहमति व्यक्त की तथा कहा कि इन क्षेत्रों में बढ़ता सहयोग दोनों देशों के लोगों के लिए नए अवसर और ठोस लाभ लेकर आएगा।
प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार मेलबर्न में हुई इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी की लगातार बढ़ती गहराई और विविधता पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने दोनों देशों के बीच तेजी से मजबूत हो रहे आर्थिक संबंधों का स्वागत करते हुए विश्वास जताया कि व्यापार और निवेश के साथ-साथ शिक्षा एवं नवाचार के क्षेत्र में सहयोग को और विस्तार मिलेगा।

शिवसेना-यूबीटी सांसद अरविंद सावंत और पूर्व सांसद सुभाषिनी अली का सीजेपी को समर्थन

एजेंसी
नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद अरविंद सावंत और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की पूर्व सांसद सुभाषिनी अली ने गुरुवार को जंतर-मंतर पहुंच कर सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के पिछले 20 दिनों से जारी विरोध-प्रदर्शन के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। छुट्टियांव मौसमी आयोजन सीजेपी के प्रमुख अभिजीत दीपके ने एक्स पर लिखा, सांसद अरविंद सावंत और पूर्व सांसद सुभाषिनी अली का इस आंदोलन में शामिल होना छात्रों के संघर्ष को और मजबूती

देता है। छात्र समूह की तरफ से उन्हें धन्यवाद। उल्लेखनीय है कि देशभर के छात्र विभिन्न मुद्दों और प्रशासनिक विफलताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़े हुए हैं। विपक्ष के कई नेताओं का इस आंदोलन को समर्थन मिल रहा है। वहीं, पिछले 12 दिनों से अनशन पर बैठे पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक और यहां एकत्रित छात्र समूह का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं और जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग इस्तीफा नहीं देते, तब तक उनका यह शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

डॉक्टरों एवं स्वास्थ्यकर्मी पर हुए हिंसक हमले की फेम्स ने की कड़ी निंदा

दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

एजेंसी
नई दिल्ली। महाराष्ट्र के डोंबिवली स्थित शास्त्रीनगर अस्पताल में डॉक्टरों एवं स्वास्थ्यकर्मी पर हुए हिंसक हमले की फैकल्टी एसोसिएशन ऑफ एम्स (फेम्स) ने निंदा करते हुए शिवसेना के पार्षद और उनके समर्थकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में संगठन ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री को पत्र लिखकर स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय कानून बनाने की मांग की है। छुट्टियांव मौसमी आयोजन फेम्स के अध्यक्ष डॉ. अमरिंदर सिंह मल्ही ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि किसी भी स्वास्थ्यकर्मी के खिलाफ होने वाली हिंसा केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं है बल्कि यह पूरे देश के स्वास्थ्यकर्मियों पर हमला है। उन्होंने

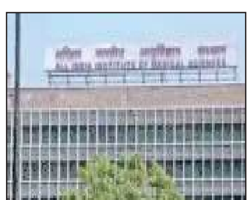

कहा कि वर्ष 2019 में विभिन्न चिकित्सा संगठनों ने स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ मिलकर सेंट्रल प्रोटेक्शन बिल का मसौदा तैयार किया था। इस प्रस्तावित कानून में स्वास्थ्यकर्मियों पर हिंसा से जुड़े मामलों को संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध घोषित करने का प्रावधान शामिल है, ताकि ऐसे अपराधों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। उन्होंने उम्मीद जताई कि यदि आगामी संसद सत्र में इस विधेयक को पारित किया जाता है तो इससे स्वास्थ्यकर्मियों को सुरक्षा मिलेगी और पूरे समाज को भी इसका लाभ होगा।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में 18 अगस्त को होगा ‘रामायणी सम्मान’: डॉ. देवदत्त शर्मा

नोएडा। भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और रामायण परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से रामायण रिसर्च काउंसिल द्वारा ‘रामायणी सम्मान-2026’ का आयोजन आगामी 18 अगस्त को बनारस के काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में किया जाएगा। यह आयोजन गोस्वामी तुलसीदास की जयंती के पावन अवसर पर होगा। यह जानकारी काउंसिल के ट्रस्टी एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी डॉ. देवदत्त शर्मा ने आज दी। डॉ. शर्मा ने बताया कि इस राष्ट्रीय आयोजन के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों तथा विदेशों में रामायण परंपरा के संरक्षण, संवर्धन, अनुसंधान, साहित्य सृजन, कथावाचन, संगीत, सांस्कृतिक जागरण और

सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विद्वानों, शोधकर्ताओं, कथावाचकों, साहित्यकारों एवं अन्य विशिष्ट व्यक्तित्वों को सम्मानित किया जाएगा। वहीं काउंसिल के महासचिव कुमार सुशांत ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य रामायण के व्यापक वाङ्मय और उसकी जीवंत परंपराओं को राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करना, भारतीय ज्ञान परंपरा के संवाहकों का सम्मान करना तथा नई पीढ़ी को रामायण साहित्य, संस्कृति और जीवन मूल्यों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि रामायण केवल एक महाकाव्य नहीं बल्कि भारतीय सभ्यता की नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का आधार है।

गलवान के बाद मोदी सरकार ने चीन के प्रति नरम रुख अपनाया, देश की आर्थिक निर्भरता बढ़ी : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार पर चीन के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि गलवान संघर्ष के छह वर्ष बाद भी भारत की अर्थव्यवस्था के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में चीन पर निर्भरता लगातार बढ़ी है। इससे देश के राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचा है। समयऔर कैलेंडर मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि गलवान में 20 भारतीय सैनिकों के बलिदान के बाद प्रधानमंत्री ने चीन को ‘क्लीन चिट’ दे दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया लेकिन केंद्र सरकार ने भारत के हितों के सामने समर्पण कर दिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 2025-26 तक चीन से भारत का आयात गलवान के बाद 101.81 प्रतिशत बढ़ गया और व्यापार घाटा बढ़कर 112.1 अरब डॉलर तक पहुंच गया। उन्होंने दावा किया कि भारत के एंटीबायोटिक आयात का 86 प्रतिशत हिस्सा चीन से आता है, जबकि एपीआई, बल्क ड्रग और ड्रग इंटरमीडिएट आयात में भी चीन की हिस्सेदारी लगभग 74 प्रतिशत है खरगे ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में भारत के 66 प्रतिशत ईवी कंपोनेंट चीन से आते हैं। इसके अलावा भारतीय ईवी में इस्तेमाल होने वाली लगभग 75 प्रतिशत लिथियम-आयन बैटरियां आयातित हैं और उनका अधिकांश हिस्सा चीन से आता है।

‘राम मंदिर दान प्रकरण’ के बाद राम मंदिर ट्रस्ट ने कर्मचारी आउटसोर्स नहीं किए’

इन कर्मचारियों को मुख्य रूप से हाउसकीपिंग स्टाफ के रूप में नियुक्त किया गया था।

एजेंसी
अयोध्या। राम मंदिर दान प्रकरण में आठ आरोपियों की गिरफ्तारी के विवाद के बाद मंदिर ट्रस्ट ने कोई नया आउटसोर्स कर्मचारी नियुक्त नहीं किया है। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के सूत्रों के अनुसार श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने पिछले वर्ष महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बाद एक आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से कर्मचारियों की भर्ती की थी। इन कर्मचारियों को मुख्य रूप से हाउसकीपिंग स्टाफ के रूप में नियुक्त किया गया था। राम मंदिर ट्रस्ट का प्राथमिक बैंक खाता एसबीआई शाखा में है, जहां जांचकर्ता मामले में बैंक अधिकारियों की संभावित भूमिका की जांच कर रहे हैं। पुलिस द्वारा शाखा प्रबंधक से पूछताछ करने और जांच के तहत उनका बयान दर्ज करने की संभावना है। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि भर्ती के लिए किसी विशेष योग्यता वाले कर्मियों

की आवश्यकता नहीं थी क्योंकि आउटसोर्स कर्मचारियों को नकदी गिनने का काम नहीं सौंपा गया था। बैंक सूत्रों ने यह भी बताया कि आउटसोर्स किए गए कर्मचारी कथित तौर पर केवल मुड़े हुए नोटों को सीधा करने और उन्हें उचित बंडलों में व्यवस्थित करने के लिए ही जिम्मेदार थे।

नकदी की वास्तविक गिनती एसबीआई बैंक के कर्मचारियों द्वारा की गई थी। उनकी भूमिका केवल दान पेटियों में डालने से पहले भक्तों द्वारा मोड़े गए नोटों को सीधा करने और व्यवस्थित करने तक सीमित थी। नकदी की गिनती एसबीआई कर्मियों द्वारा अत्याधुनिक मुद्रा गिनती मशीनों का उपयोग करके की गई थी। ये मशीनें 500 रुपए, 200 रुपए और 100 रुपए जैसे मिश्रित मूल्यवर्ग के नोटों को स्वचालित रूप से अलग कर सकती थीं, साथ ही नकली नोटों का पता भी लगा सकती थीं। सूत्रों ने बताया कि गिनती प्रभारी सुभाष श्रीवास्तव दान पेटी गिनती प्रक्रिया से संबंधित रिकॉर्ड रखते थे और पूर्व न्यासी अनिल मिश्रा के साथ निगरानी में हुई चूक के लिए जिम्मेदार ठहराए गए थे। वे भी एसबीआई कर्मचारी नहीं थे।

इसके अलावा, सूत्रों ने बताया कि एसबीआई के एक पूर्व प्रबंधक अयोध्या पुलिस की निगरानी में हैं। मंदिर के दान की गिनती में शामिल बैंक कर्मचारियों के साथ उनसे भी जल्द ही पूछताछ की जा सकती है। साथ ही, राम मंदिर के पूर्व न्यासी अनिल मिश्रा का बयान भी इस सप्ताह के अंत में दर्ज किया जा सकता है।

नगरपालिका भर्ती घोटाला

250 करोड़ के घोटाले में सुजीत बोस, बेटे समेत कई के खिलाफ चार्जशीट

एजेंसी
कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री सुजीत बोस के खिलाफ नगरपालिका भर्ती घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विशेष अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है। एजेंसी ने आरोप लगाया है कि लगभग 250 करोड़ के कथित भर्ती घोटाले में सुजीत बोस ने अकेले 20 करोड़ रुपये का अवैध लाभ अर्जित किया। इस मामले में उनके बेटे समुद्र बोस, दो निजी कंपनियों और तत्कालीन अधिकारी ज्योतिष्मान चट्टोपाध्याय को भी आरोपित बनाया गया है। ईडी के आरोपपत्र के अनुसार, सुजीत बोस ने धन के बदले 340 अभ्यर्थियों के नाम नियुक्ति के लिए अनुशंसित किए थे। इनमें से 284 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र मिला। जांच एजेंसी का दावा है कि प्रत्येक अभ्यर्थी से औसतन छह लाख रुपये वसूले गए। ईडी का आरोप है कि उस समय नगर एवं शहरी विकास विभाग के डायरेक्टरेट ऑफ लोकल बॉडीज के निदेशक रहे ज्योतिष्मान चट्टोपाध्याय ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए

भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं को बढ़ावा दिया और उससे आर्थिक लाभ भी प्राप्त किया। जांच के अनुसार, यह मामला पहले शिक्षा भर्ती घोटाले की जांच के दौरान सामने आया। कारोबारी अयन शील के साल्टलेक और हुगली स्थित ठिकानों पर छापेमारी में नगरपालिका भर्ती से जुड़े बड़ी मात्रा में दस्तावेज बरामद हुए।

केतन अग्रवाल हत्याकांड : पिता की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से न्याय की गुहार

फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई का आग्रह

एजेंसी
पुणे। केतन अग्रवाल हत्याकांड में पीड़ित परिवार ने शीघ्र न्याय की मांग करते हुए भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को भावुक पत्र लिखा है। केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने ईमेल के माध्यम से मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराने और दोषियों को कानून के अनुसार कड़ी से कड़ी सजा दिलाने का आग्रह किया है। अपने पत्र में विशाल अग्रवाल ने लिखा कि वह आग्रह किसी व्यवसायी या प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसे पिता के रूप में कर रहे हैं जिसने अपने बेटे को खो दिया है। उन्होंने कहा कि केतन की नृशंस हत्या के बाद उनका पूरा परिवार गहरे सदमे में है और हर दिन एक ही सवाल उन्हें परेशान करता है कि उनके बेटे को न्याय आखिर कब मिलेगा? उन्होंने पत्र में एक और व्यक्तिगत त्रासदी का जिक्र करते हुए बताया कि केतन की मौत के मात्र 20 दिनों के भीतर उनके पिता का भी निधन हो गया। उनके अनुसार, पोते की असमय मृत्यु का सदमा उनके पिता सहन नहीं कर सके और उनकी जान चली गई। उन्होंने कहा कि महज 20 दिनों के भीतर उन्होंने अपने बेटे और पिता, दोनों को खो दिया, जिससे पूरा परिवार बिखर गया। राष्ट्रपति को संबोधित पत्र में विशाल अग्रवाल ने

स्पष्ट किया कि उनका परिवार किसी विशेष रियायत या विशेषाधिकार की मांग नहीं कर रहा है। उनकी केवल यही मांग है कि मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराई जाए, ताकि न्याय में अनावश्यक देरी न हो और दोषियों को जल्द सजा मिल सके। उन्होंने कहा कि न्याय में होने वाली देरी पीड़ित परिवार के दर्द को और गहरा कर देती है। साथ ही, यह भी जरूरी है कि समाज में यह संदेश जाए कि कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है और अपराध करने वालों को समयबद्ध तरीके से सजा मिलती है। पत्र के अंत में विशाल अग्रवाल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मामले पर व्यक्तिगत ध्यान देने और शीघ्र न्याय सुनिश्चित करने की भावुक अपील की। उन्होंने लिखा कि उनका परिवार अपना सबकुछ खो चुका है और अब केवल न्याय ही उनकी अंतिम उम्मीद है। उन्होंने अनुरोध किया कि उनके बेटे के मामले को ‘सिर्फ एक और फाइल’ बनकर न रहने दिया जाए, बल्कि इसे संवेदनशीलता और प्राथमिकता के साथ देखा जाए।

रेल मंत्री से मिले पुष्कर सिंह धामी

नई रेल सेवाओं और लंबित परियोजनाओं में तेजी का किया आग्रह

मुंबई-देहरादून वंदे भारत सहित कई रेल प्रस्तावों पर रेल मंत्री का सकारात्मक रुख

एजेंसी
देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को रेल भवन नई दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर राज्य में रेल संपर्क के विस्तार,लंबित रेल परियोजनाओं में तेजी और नई रेल सेवाएं शुरू करने सहित विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की। रेल मंत्री ने प्रस्तावों पर सकारात्मक विचार करते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा, हरिद्वार, ऋषिकेश, कैंची धाम, जागेश्वर धाम तथा वर्ष 2027 में प्रस्तावित कुंभ के मद्देनजर राज्य में आधुनिक और सुदृढ़ रेल नेटवर्क का विस्तार आवश्यक है। उन्होंने मुंबई-देहरादून के बीच वंदे भारत अथवा सुपरफास्ट एक्सप्रेस शुरू करने और मुंबई-हरिद्वार और मुंबई-रामनगर रेल सेवाओं की आवृत्ति बढ़ाने का अनुरोध किया। साथ ही देहरादून-कोटा रेल सेवा को सूरत, वडोदरा और मुंबई तक विस्तारित करने तथा हरिद्वार-मुंबई एवं रामनगर-मुंबई रेल सेवाओं को नियमित अथवा सप्ताह में कम से कम तीन दिन संचालित करने का भी आग्रह किया। भौगोलिकसंदर्भ दोहरीकरण के तहत रायवाला-देहरादून खंड का लंबित कार्य शीघ्र पूरा करने और हरिद्वार, हर्रावाला, देहरादून, खटीमा, लक्सर, रुड़की, टनकपुर और बनबसा रेलवे स्टेशनों के सौंदर्यीकरण एवं विस्तार का भी मुद्दा उठाया। बैठक में मुख्यमंत्री ने

मुख्यमंत्री ने ऋषिकेश के पुराने रेलवे स्टेशन की भूमि राज्य सरकार को हस्तांतरित करने, किच्छा-सितारगंज-खटीमा नई रेल लाइन की पूरी लागत केंद्र सरकार की ओर से वहन करने और ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना पर शीघ्र रेल संचालन शुरू कराने का भी अनुरोध किया। उन्होंने हरिद्वार-देहरादून रेल लाइन के टनकपुर से संचालित त्रिवेणी एक्सप्रेस, मथुरा एक्सप्रेस और दौराई एक्सप्रेस का बनबसा स्टेशन पर अल्पकालिक ठहराव सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि भारत-नेपाल सीमा से सटे इस क्षेत्र में सेना की मौजूदगी और स्थानीय लोगों की सुविधा को देखते हुए यह आवश्यक है।

वन्यजीव संरक्षण के लिए समाधान आधारित नीतिगत हस्तक्षेप जरूरी: भूपेन्द्र यादव

बैठक में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड और उसकी स्थायी समिति की पिछली बैठकों में लिए गए निर्णयों की प्रगति की समीक्षा की गई।

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने गुरुवार को कहा कि वन्यजीव संरक्षण के लिए तकनीकी और सामाजिक अध्ययन तथा पारंपरिक ज्ञान के उपयोग के साथ समाधान आधारित नीतिगत हस्तक्षेप जरूरी है। राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति की 91वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि वन्यजीव संरक्षण भारत के पर्यावरणीय शासन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। वन्यजीव क्षेत्रों में और उनके आसपास विकास परियोजनाओं के निर्णय लेते समय वैज्ञानिक योजना, आवास संपर्क और प्रभावी शमन उपायों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण संरक्षण मुद्दों पर चर्चा हुई।

इनमें ग्रेटर वन-हॉर्न्ड राइनो (एक सींग वाले गैंडे) के लिए राइनो डीएनए इंडेक्सिंग सिस्टम आधारित दीर्घकालिक संरक्षण रणनीति, ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावण) के संरक्षण की भविष्य की रणनीति और पिग्मी हॉग को प्रजाति पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम में शामिल करने जैसे विषय प्रमुख रहे। इसके साथ इस बैठक में देशभर की 100 से अधिक विकास परियोजनाओं पर विचार किया गया। बैठक में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड और उसकी स्थायी समिति की पिछली बैठकों में लिए गए निर्णयों की प्रगति की समीक्षा की गई। इनमें सड़क और पुल निर्माण, रक्षा अवसंरचना, पेयजल आपूर्ति, संचार टावर, बिजली ट्रांसमिशन लाइन, ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क, पाइपलाइन, खनन, नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं, शैक्षणिक संस्थान और अन्य सार्वजनिक बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शामिल थीं। इन परियोजनाओं का मूल्यांकन वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत आवश्यक वन्यजीव स्वीकृति के लिए किया गया।

महाराष्ट्र में दोहरी मार : झमाझम बारिश के बीच लगे भूकंप के 4 झटके

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बीच बीते गुरुवार को मराठवाड़ा क्षेत्र के नांदेड़, हिंगोली और परभणी जिलों में भूकंप के चार हल्के झटके महसूस किए गए, जिसने आधी रात को धरती को कंपा दिया। एक अधिकारी ने बताया कि ये झटके रात 1.37 बजे से 3.23 बजे के बीच आए और रिक्टर स्केल पर इनकी तीव्रता 3.6 से 4.6 के बीच मापी गई। जिला आपातकालीन केंद्र को रात 01:37, 02:15, 02:17 और 03:23 बजे इन झटकों की सूचना मिली। पहले झटके की तीव्रता 4.6, दूसरे की 3.6, तीसरे की 3.9 और चौथे की 4.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र हिंगोली जिले के वसमत तालुका में शिरली गांव में स्थित था। राहत की बात यह रही कि जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली, जबकि इन झटकों के आने के समय ज्यादातर लोग अपने घरों में सो रहे थे। हिंगोली, नांदेड़ और परभणी के कई निवासियों ने इन तीव्र कंपनों को महसूस किया। पहले झटके का केंद्र हिंगोली जिले के वसमत तालुका में पांगरा शिंदे गांव के दक्षिण में शिरली गांव के पास था, जिसकी गहराई 10 किलोमीटर दर्ज की गई। बाद के दो झटकों के केंद्र पांगरा शिंदे गांव के उत्तर-पश्चिम में स्थित कवढ़ाधा गांव के पास थे और वे भी 10 किलोमीटर की गहराई पर आए। पिछले छह वर्षों में, हिंगोली जिले के औंधा नागनाथ, कलमनुरी और वसमत तालुका में 37 से अधिक हल्के भूकंप दर्ज किए गए हैं, लेकिन एक ही रात में चार झटके आना यह पहली बार दर्ज किया गया मामला है, जो स्थानीय लोगों के लिए चिंता का विषय बन गया है। भूकंप मुख्य रूप से पृथ्वी की बाहरी परत में मौजूद टेक्टोनिक प्लेट्स के खिसकने या हिलने-डुलने से आते हैं। हमारी पृथ्वी की क्रस्ट कई विशाल प्लेट्स में विभाजित है जो मैग्मा की ऊपरी परत पर तैरती रहती हैं। ये प्लेटें लगातार धीरे-धीरे एक-दूसरे से दूर या पास आती रहती हैं। जब इन प्लेटों की सीमाओं पर घर्षण बहुत अधिक बढ़ जाता है और वे अचानक फिसलती हैं, तो भारी मात्रा में ऊर्जा मुक्त होती है। इस ऊर्जा की लहरें पृथ्वी की सतह पर कंपन पैदा करती हैं, जिसे हम भूकंप के रूप में महसूस करते हैं। इसके अलावा, ज्वालामुखी गतिविधि, बड़े बांधों का निर्माण या खदानों में किए जाने वाले विस्फोट जैसी मानवीय गतिविधियां भी छोटे भूकंपों का कारण बन सकती हैं। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल से मापी जाती है और यह एक प्राकृतिक आपदा है जो जान-माल की भारी क्षति कर सकती है, इसलिए भूकंप-प्रतिरोधी भवन निर्माण और पूर्व चेतावनी प्रणालियों का विकास अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सीआरपीएफ जवान ने सर्विस राइफल से खुद को गोली मारी, मौत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना बुधवार को हुई। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है और अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान आंध्र प्रदेश निवासी वाई. चंद्रा रेड्डी के रूप में हुई है। वह दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन की एफ कंपनी में तैनात थे। घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। अधिकारियों ने बताया कि जवान ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, इसकी विस्तृत जांच की जा रही है। साथ ही उसके सहकर्मियों और संबंधित अधिकारियों से भी पूछताछ की जा रही है, ताकि घटना के पीछे के कारणों का पता लगाया जा सके।

हापुड़ की फैक्ट्री में आग : एक मजदूर की दर्दनाक मौत

हापुड (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में धौलाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक गद्दा फैक्ट्री में आज सुबह तड़के लगी भीषण आग ने एक मजदूर की जान ले ली और एक अन्य को गंभीर रूप से झुलसा दिया। यह दर्दनाक घटना औद्योगिक सुरक्षा मानकों और कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और तेजी से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। आग इतनी विकराल थी कि कई मजदूर फैक्ट्री के अंदर फंस गए थे, जिससे स्थिति और भी भयावह हो गई थी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अजय कुमार शर्मा के अनुसार, आज तड़के करीब 4 बजकर 13 मिनट पर फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली। यह सूचना मिलते ही तत्काल यूपीएसआईडीसी चौकी पर तैनात वाटर बाउजर को घटनास्थल पर रवाना किया गया। आग की गंभीरता को देखते हुए, अग्निशमन केंद्र पिलखुआ से दो और हापुड़ से तीन वाटर टेंडर प्रभारी अग्निशमन अधिकारी के साथ घटनास्थल पर भेजे गए। रास्ते में ही, स्थिति की विकरालता को भांपते हुए, जनपद गाजियाबाद से भी दो अतिरिक्त वाटर बाउजर की मांग की गई और इसकी सूचना फायर सर्विस मुख्यालय को दी गई। दमकल की सभी टीमों ने मिलकर फैक्ट्री को चारों ओर से घेरकर एक संयुक्त अभियान चलाया और कड़ी मशक्कत के बाद कुछ ही समय में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया।

तेज रफ्तार कार लॉरी से टकराई, 7 की मौत, दो गंभीर रुप से घायल

-कार में नौ लोग सवार थे वे सभी चिकमगलूर की यात्रा पर जा रहे थे

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में गुरुवार तड़के एक कार और लॉरी की आमने-सामने की टक्कर होने से सात लोगों की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक यह हादसा एनएच-52 पर अराबैल घाट इलाके में बालागारा क्रॉस के पास रात करीब 1.30 बजे हुआ। पुलिस ने बताया कि घायलों को पहले पास के अस्पताल ले जाया गया और बाद में हुबली रेफर कर किया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस के मुताबिक एमयूवी में ड्राइवर समेत नौ लोग सवार थे और वे धारवाड़ से धर्मस्थल और चिकमगलूर की यात्रा पर जा रहे थे। जानकारी से पता चला है कि गाड़ी का ड्राइवर एक फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म के साथ पार्ट-टाइम डिलीवरी एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम करता था। पुलिस ने बताया कि ड्राइवर संजीव तेज रफ्तार और लापरवाही से गाड़ी चला रहा था। वह सड़क के एकदम दाईं ओर चला गया और अंकोला की ओर से आ रही लॉरी से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मरने वाले सभी लोग धारवाड़ के रहने वाले थे। मृतकों की पहचान ड्राइवर संजय अंगड़ी (33), बसवराज (48), अभिषेक ईश्वर (28), अक्षय (26), अभिषेक (26) और मंजूनाथ चुलाकी (32) में हुई है।

दिल्ली को दहलाने वाली साजिश का बड़ा खुलासा

बस अड्डा, रेलवे स्टेशन और थाने समेत कई जगहों पर होने वाला था हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली को दहलाने की एक बड़ी आतंकी साजिश का दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने भंडाफोड़ किया है, जिसमें गिरफ्तार पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी और उसके नेटवर्क से जुड़े छह संदिग्धों से पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, इन संदिग्धों के निशाने पर दिल्ली की न्यू पुलिस लाइंस, आनंद विहार अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) और एक रेलवे स्टेशन जैसे महत्वपूर्ण स्थान थे। आरोपियों ने इन ठिकानों की बाकायदा रेकी की थी और इसके वीडियो भी उनके मोबाइल फोन से बरामद हुए हैं, जिन्हें पाकिस्तान में बैठे अपने हैंडलर को भेजा गया था।

स्पेशल सेल के अधिकारियों ने बताया कि अब तक की जांच में सामने आया है कि पकड़े गए संदिग्धों को पाकिस्तान में बैठा आईएसआई हैंडलर शहजाद भट्टी सीधे निर्देश दे रहा था। उसके निशाने पर केवल दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, बल्कि पूरा उत्तर भारत था, जिसमें कई बेहद महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठान और भीड़भाड़ वाले इलाके शामिल थे। भट्टी भारत में युवाओं को बरगलाने और अपने नेटवर्क में शामिल करने के लिए इंस्टा, फेसबुक, यूट्यूब और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सहारा लेता था। दिल्ली पुलिस ने इस गैंग से जुड़े करीब दर्जन भर आतंकी गिरोहों का भंडाफोड़ करते हुए पिछले एक साल में 60 से अधिक संदिग्धों को गिरफ्तार किया है और ऐसे 100 से अधिक संदिग्ध सोशल मीडिया अकाउंट्स और चैनलों को चिह्नित करके बंद करा चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार आतंकियों ने दिल्ली की न्यू पुलिस लाइंस (सिविल लाइंस), आनंद विहार अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी), एक रेलवे स्टेशन और दिल्ली के कई बेहद व्यस्त बाजारों की पूरी जानकारी जुटाने के लिए विस्तृत रेकी की थी। इन संवेदनशील स्थानों के रेकी वीडियो आरोपियों के मोबाइल फोन से बरामद हुए हैं, जिन्हें पाकिस्तान स्थित अपने आकाओं को भेजा गया था। स्पेशल सेल के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी दानिश उर्फ चांद मियां को दिल्ली में रेकी करने और पेट्रोल बम से हमला करने का जिम्मा सौंपा गया था, जिसके लिए भट्टी ने उसे 20 हजार रुपये का लालच दिया था। वहीं, सलमान को पेट्रोल बम हमले का वीडियो रिकॉर्ड करने की जिम्मेदारी दी गई थी ताकि उसे दुष्प्रचार के लिए इस्तेमाल किया जा सके। गिरफ्तार आरोपियों और भट्टी के बीच हुई बातचीत के अंश भी सामने आए हैं, जिसमें भट्टी दानिश से मटेरियल (सामान) शाम को डिलीवर हो जाएगा, कलेक्ट कर लो और क्या पूरा सामान मिल गया? जैसे निर्देश देता है। जवाब में दानिश सबकुछ कलेक्ट कर लिया कहता है और फिर अगला टास्क क्या है? पूछता है, जिस पर भट्टी मटेरियल को पूरी सुरक्षा के साथ तैयार रखो और अगला हुक्म मिलने का इंतजार करो का आदेश देता है। स्पेशल सेल की जांच में यह भी स्पष्ट हुआ है कि ये छह आरोपी केवल शहजाद भट्टी ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान में बैठे 10 अन्य संदिग्धों के भी लगातार संपर्क में थे, जो भट्टी नेटवर्क के लिए ही काम करते हैं। पुलिस अब इन सभी विदेशी हैंडलर्स की भूमिका और भारत में उनके बाकी स्लीपर सेल्स की तलाश में गहन जांच कर रही है, ताकि इस पूरे आतंकी नेटवर्क को जड़ से खत्म किया जा सके।

दिल्ली के रिज इलाके में सामान्य से दोगुनी बारिश, एक्यूआई 10 महीने में सबसे शुद्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में जुलाई की शुरुआत के साथ ही मानसून का आक्रामक रूप देखने को मिल रहा है। दिल्ली के रिज क्षेत्र में जुलाई के शुरुआती आठ दिनों में सामान्य से दोगुनी से भी ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। इस मूसलाधार बारिश ने जहां एक तरफ दिल्लीवालों को भीषण जाम और जलभराव की मुसीबत में डाल दिया, वहीं दूसरी तरफ शहर की हवा को पिछले 10 महीनों में सबसे साफ और शुद्ध बना दिया है। भारी बारिश के कारण शहर की सड़कों पर जलभराव और जाम के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। आईएमडी के मुताबिक रिज मौसम केंद्र में 1 जुलाई से 8 जुलाई सुबह 8.30 बजे तक 79.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि इस अवधि के लिए दीर्घकालिक औसत 31.2 मिमी है। बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में जलभराव और यातायात जाम की स्थिति पैदा हो गई। रोहतक रोड पर वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं, जहां पंजाबी बाग और शादीपुर के बीच कई घंटों तक यातायात ठप रहा। कम दृश्यता और जलभराव के कारण रिंग रोड, आउटर रिंग रोड और राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर यात्रियों को देरी का सामना करना पड़ा। शहर का 24 घंटे का एक्यूआई 59 दर्ज किया गया, जो 'संतोषजनक' श्रेणी में था। 4 सितंबर 2025 के बाद बुधवार को एक्यूआई सबसे कम रहा। उस दिन एक्यूआई 58 दर्ज किया गया था। सीपीसीबी के मुताबिक शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा' माना जाता है, जबकि 51 से 100 के बीच का एक्यूआई 'संतोषजनक' श्रेणी में आता है। आईएमडी ने गुरुवार के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है और आमतौर पर बादल छाए रहने के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के मुताबिक अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 30 डिग्री सेल्सियस और 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

एथनॉल उत्पादन पर निर्भर नहीं है गडकरी परिवार: नितिन गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भारत की एथनॉल नीति को लेकर जारी चर्चाओं के बीच अपनी स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने एथनॉल उत्पादन में अपनी हिस्सेदारी और इससे जुड़े आर्थिक लाभों के आरोपों पर खुलकर जवाब दिया। एक हालिया साक्षात्कार में, गडकरी ने उन दावों को सिरे से खारिज किया कि वह एथनॉल नीति से कोई बड़ा आर्थिक फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि एथनॉल के उत्पादन में उनकी भागीदारी अत्यंत छोटी है, जो मात्र 0.07 प्रतिशत है। इतनी कम हिस्सेदारी के साथ किसी भी बड़े आर्थिक लाभ की बात को उन्होंने निराधार बताया और यह भी कहा कि 0.07 प्रतिशत हिस्सेदारी वाला व्यक्ति देश की इतनी महत्वपूर्ण नीति को अपने निजी लाभ के लिए प्रभावित नहीं कर सकता।

मंत्री ने जोर देकर कहा कि वह हमेशा वैकल्पिक ईंधन के प्रबल समर्थक रहे हैं, न कि केवल एथनॉल के। उनके अनुसार, एथनॉल का व्यापक उपयोग किसानों के लिए अत्यधिक लाभकारी है। उन्होंने बताया कि एथनॉल नीति का निर्णय अकेले उनके द्वारा नहीं लिया गया है, बल्कि यह पेट्रोलियम मंत्रालय, कैबिनेट और गहन वैज्ञानिक अनुसंधान के बाद एक सामूहिक प्रक्रिया का परिणाम है। उन आरोपों का भी उन्होंने जवाब दिया जिनमें कहा गया था कि उनके परिवार के सदस्यों की चीनी मिलें एथनॉल उत्पादन में शामिल हैं और इसलिए वे एथनॉल-मिश्रित पेट्रोल को बढ़ावा दे रहे हैं। गडकरी ने स्पष्ट किया कि उनके परिवार की चीनी मिलें एथनॉल उत्पादन पर निर्भर नहीं हैं। उन्होंने यह भी बताया कि देश में एथनॉल की अधिकता के कारण मक्के से एथनॉल बनाने का कदम उठाया गया, जिससे उत्तर प्रदेश और बिहार के किसानों को 45,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय हुई। गडकरी ने आंकड़े देते हुए बताया कि जब यह निर्णय लिया गया, तब मक्के की बाजार कीमत 1,200 रुपये प्रति क्विंटल थी, जबकि न्यूनतम समर्थन मूल्य 1,800 रुपये प्रति क्विंटल था। इस नीति के परिणामस्वरूप, मक्के की कीमत बढ़कर 2,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गई, जिससे किसानों को सीधा आर्थिक लाभ मिला। ई20 ईंधन के इस्तेमाल से वाहनों को नुकसान पहुंचने की अफवाहों पर भी गडकरी ने मंगलवार को कड़ा रुख अपनाया था। उन्होंने चुनौती दी कि कोई भी एक ऐसी कार का नाम बताए जिसमें ई20 पेट्रोल के कारण कोई समस्या आई हो। उन्होंने आरोप लगाया कि एथनॉल-मिश्रित पेट्रोल को लेकर गलत बातें फैलाई जा रही हैं और यह एक पैसे से चलाया जा रहा अभियान है।

मणिपुर में नगा-कुकी संघर्ष ने बढ़ाई चिंता, पांच माह में 25 की मौत

असम राइफल्स पर हमले में शहीद जवानों को राजकीय सम्मान के साथ श्रद्धांजलि अर्पित

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर में मई 2023 से जारी मैतेई-कुकी जातीय हिंसा के बीच अब नगा और कुकी समुदायों के बीच संघर्ष ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। राज्य के उखरुल और आसपास के क्षेत्रों में इस वर्ष फरवरी से शुरू हुए ताजा संघर्ष में अब तक 25 लोगों की जान जा चुकी है। हाल के महीनों में हिंसा की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है, जिससे राज्य में शांति बहाली की कोशिशों को झटका लगा है।

इस तनाव का असर सुरक्षा बलों पर भी पड़ा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को भारत-म्यांमार सीमा की निगरानी कर रहे असम राइफल्स के एक काफिले पर हमला किया गया, जिसमें उत्तराखंड के दो जवान शहीद हो गए। गुरुवार को इंफाल हवाई अड्डे पर दोनों शहीदों को पूरे राजकीय सम्मान के साथ श्रद्धांजलि दी गई। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें अंतिम विदाई दी। इसके बाद दोनों जवानों के पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए उनके पैतृक गांव भेज दिए गए।

नगा समुदाय ने असम राइफल्स पर भारत-म्यांमार की लगभग 398 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा की प्रभावी निगरानी नहीं कर पाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सीमा पार से सक्रिय सशस्त्र संगठन 'कुकी नेशनल आर्मी (बर्मा)' के सदस्य म्यांमार से भारतीय सीमा में प्रवेश कर नगा बहुल गांवों पर हमले कर रहे हैं। नगा संगठनों का आरोप है कि सुरक्षा बलों का रवैया कुकी समुदाय के प्रति अपेक्षाकृत नरम रहा है, जिससे सीमा पार गतिविधियों को बढ़ावा मिला है। नगा समुदाय में नाराजगी उस समय और बढ़ गई जब 10 जून को छह अगवा किए गए नगा लोगों के क्षत-विक्षत शव बरामद हुए।

इसके अलावा कामजोंग जिले में नगा गांवों में आगजनी की घटनाओं ने तनाव को और गहरा कर दिया। इन घटनाओं के बाद दोनों समुदायों के बीच अविश्वास बढ़ा है और स्थानीय स्तर पर स्थिति लगातार संवेदनशील बनी हुई है। सुरक्षा एजेंसियां प्रभावित इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात कर हालात पर नजर रखे हुए हैं। प्रशासन ने हिंसा पर नियंत्रण और दोनों समुदायों के बीच तनाव कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाने की बात कही है, जबकि सीमा क्षेत्रों में निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है।

अखिलेश ने शंकराचार्य से लिया आशीर्वाद, दोनों ने मंदिर घोटाले को लेकर बीजेपी पर साधा निशाना

लखनऊ(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने गुरुवार सुबह लखनऊ में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। यह 30 मिनट की मुलाकात, जिसमें अखिलेश जमीन पर बैठे दिखाई दिए, चार माह में दोनों नेताओं की दूसरी बैठक थी। इस भेंट के बाद अखिलेश यादव ने बताया कि शंकराचार्य गौमाता को राष्ट्रीय सम्मान दिलाने को लेकर बेहद चिंतित हैं और इस दिशा में काम कर रहे हैं। वहीं, शंकराचार्य ने मंदिर में हुए कथित घोटाले पर खुलकर बात की, मुख्यमंत्री पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाकर इतना तक कह दिया कि जब नया मुख्यमंत्री आएगा, तब तगड़ी कार्रवाई करेगा। शंकराचार्य, जो गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए 81 दिवसीय गोरक्षार्थ-धर्मयुद्ध यात्रा पर हैं, ने अखिलेश से हुई बातचीत में कहा कि भले ही लोग गाय को माता मानते हों, लेकिन सरकार गाय को पशु मानती है। सपा प्रमुख अखिलेश ने शंकराचार्य के आरोपों का समर्थन कर राम मंदिर चढ़ावे की चोरी को महापाप बताया और सीधे तौर पर भाजपा पर निशाना साधा, कहते हुए कि इन्होंने ही यह महापाप किया है। उन्होंने दावा किया कि मामले के सामने आने के बाद भाजपा में भगदड़ मच गई है और बहुत से लोग अभी से उनसे संपर्क साध रहे हैं, जबकि मौजूदा एसआईटी जांच को उन्होंने लीपापोती करार दिया। सपा प्रमुख यादव ने कहा कि यदि मंदिर परिसर में काम करने वाले लोगों की सीडीआर निकाली जाए, तब 99 प्रतिशत लोग भाजपा के ही निकलेंगे। जिसके बाद पार्टी में ऐसी भगदड़ मचेगी जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती, और उन्होंने इंगित किया कि एसआईटी के एक सदस्य पर 420 का मुकदमा है, जो इस जांच की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

निज्जर हत्याकांड पर नए घटनाक्रम के बीच बयानबाजी तेज

-पूर्व विदेश सचिव ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा में खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की 2023 में हुई हत्या के मामले में हालिया जांच संबंधी घटनाक्रम के बाद भारत-कनाडा संबंधों को लेकर एक बार फिर राजनीतिक और कूटनीतिक बहस तेज हो गई है। कनाडा की पुलिस ने हाल में कहा है कि मौजूदा संगठित अपराध संबंधी जांच और दायर आरोपों में भारतीय सरकारी अधिकारियों की संलिप्तता का कोई साक्ष्य सामने नहीं आया है।

इसी घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिका के क्रिस्टोफर क्लैरी ने सोशल मीडिया पर टिप्पणी की कि कनाडाई अधिकारी इस मुद्दे पर सीधे जवाब देने से बच रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आधिकारिक बयान विवाद के मूल प्रश्न से ध्यान हटाने का प्रयास प्रतीत होता है। इस टिप्पणी पर भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने कड़ा जवाब दिया है।

उन्होंने कहा कि यदि जांच एजेंसियां यह कह रही हैं कि उपलब्ध जांच और आरोपों में भारतीय सरकार से जुड़ा कोई साक्ष्य नहीं मिला है, तो इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इस घटनाक्रम से पूर्व में लगाए गए आरोपों पर नए सिरे से चर्चा की आवश्यकता महसूस होती है।

कनाडा की जांच एजेंसियों का कहना है कि हालिया कार्रवाई मुख्य रूप से संगठित अपराध गिरोहों के खिलाफ की गई है। इसी क्रम में अमेरिका ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके सहयोगियों पर निज्जर हत्या की साजिश रचने के आरोप लगाए हैं। हालांकि, अमेरिकी अभियोग में भी भारतीय सरकार पर प्रत्यक्ष आरोप नहीं लगाया गया है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में तत्कालीन कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता का आरोप लगाया था, जिसे भारत ने शुरू से ही निराधार बताते हुए खारिज किया था। हालिया घटनाक्रम के बाद दोनों देशों के बीच इस मामले को लेकर बहस एक बार फिर चर्चा में है, जबकि जांच से जुड़े अन्य पहलुओं पर संबंधित एजेंसियों की कार्रवाई जारी है।

ममता बनर्जी ने घर के बाहर पार्टी कार्यकर्ताओं को जड़े थप्पड़

-टीएमसी की रैली में हुआ था जोरदार हंगामा

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में बुधवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की विरोध रैली के दौरान उस समय तनावपूर्ण स्थिति बन गई, जब रैली पर कथित तौर पर अंडे फेंके गए और भाजपा तथा टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। इस घटनाक्रम के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने आवास के बाहर मौजूद भीड़ पर नाराज होती दिखाई दीं और धक्का-मुक्की के दौरान उन्होंने अपनी ही पार्टी के तीन कार्यकर्ताओं को थप्पड़ जड़ दिए। इस घटना के वीडियो फुटेज अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। टीएमसी ने यह रैली बारुईपुर में 11 वर्षीय बच्ची के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या की घटना के विरोध में निकाली थी। पार्टी को इस रैली के लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय से अनुमति मिली थी। रैली बालीगंज फाड़ी से हाजरा क्रॉसिंग तक निकाली जा रही थी। इसी दौरान कुछ लोगों ने रैली में शामिल कार्यकर्ताओं पर अंडे फेंके और 'चोर-चोर' के नारे लगाए, जिसके बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। टीएमसी ने आरोप लगाया कि हंगामा भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया। पार्टी का कहना है कि विरोध प्रदर्शन के दौरान भाजपा समर्थकों ने रैली में व्यवधान डालने का प्रयास किया और मारपीट की घटनाएं भी हुईं। वहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि राज्य में अराजकता फैलाने की कोशिश की जा रही है और पुलिस भाजपा कार्यकर्ताओं की तरह व्यवहार कर रही है। रैली के दौरान बालीगंज स्थित मुख्यमंत्री के आवास के पास भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प बढ़ गई, जिसके बाद पुलिस ने स्थिति नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज भी किया। घटना के बाद बड़ी संख्या में टीएमसी कार्यकर्ता पूर्व मुख्यमंत्री के घर के बाहर पहुंच गए। भीड़ और धक्का-मुक्की के बीच ममता बनर्जी लोगों को पीछे हटने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए कहती नजर आईं। इसी दौरान उन्होंने सामने मौजूद तीन लोगों को कथित तौर पर थप्पड़ मारे, जिसका वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। उल्लेखनीय है कि बारुईपुर में 11 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में मुख्य आरोपी प्रभास मंडल पुलिस मुठभेड़ में मारा जा चुका है, जबकि फरार आरोपी कबीर मोल्ला को गिरफ्तार कर लिया गया है।

तबाही मचाने आ रहा है महातूफान बावी, कई देशों में हाई अलर्ट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रशांत महासागर में उठा फ्रांस के आकार का महाविनाशकारी टाइफून बावी अब ताइवान और चीन की ओर तेजी से बढ़ रहा है। 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाले इस शक्तिशाली तूफान के कारण ताइवान, चीन और जापान में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। गुरुवार को यह तूफान ताइवान के दक्षिण-पूर्व में पहुंच गया है, हालांकि रात भर में इसकी हवाओं की गति में मामूली कमी आई है, लेकिन इसका खतरा अभी भी बहुत बड़ा है। प्रशासन ने इसे कई वर्षों में सबसे शक्तिशाली तूफान बताते हुए निवासियों से अपील की है कि वे जरूरी सामानों का स्टॉक कर लें और किसी भी आपात स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार रहें। मौसम विज्ञान के आंकड़ों के अनुसार, टाइफून बावी का भारत पर सीधा कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। दरअसल, यह महातूफान प्रशांत महासागर में बना है और इसका ट्रैक उत्तर-पश्चिम की ओर, यानी ताइवान, पूर्वी चीन और दक्षिणी जापान की ओर है, इसलिए भारत के किसी भी तटीय इलाके में इसके टकराने की कोई आशंका नहीं है। हालांकि, मौसम विज्ञान के नजरिए से प्रशांत महासागर के इतने विशाल तूफानों का एशियाई मौसम प्रणालियों पर अप्रत्यक्ष असर जरूर देखने को मिलता है। ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, टाइफून बावी के विशाल घेरे के कारण फिलीपींस और दक्षिण-चीन सागर के आसपास चलने वाला दक्षिण-पश्चिम मॉनसून (हबागाट) काफी तीव्र हो गया है। बावी के असर से वहां भारी बारिश और बाढ़ का अलर्ट जारी किया गया है। इसका मतलब है कि तूफान ने उस क्षेत्र के मानसून को अतिरिक्त ऊर्जा दे दी है, जो आमतौर पर भारतीय सिस्टम से नमी को दूर ले जाता है।

1,000 किमी के क्षेत्र में फैला

वर्तमान में, यह तूफान अपने सबसे चौड़े बिंदु पर लगभग 1,000 किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है, जो आकार में लगभग फ्रांस देश की चौड़ाई के बराबर है। चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्वानुमान के अनुसार, यह तूफान ताइवान के उत्तरी हिस्से को छूते हुए शनिवार शाम को चीन के पूर्वी फुजियान प्रांत के तटों से टकराएगा। ताइवान के केंद्रीय मौसम प्रशासन के अधिकारी जेसन चांग ने बताया कि आकार के लिहाज से यह 1987 के बाद ताइवान से टकराने वाला सबसे बड़ा तूफान है, और हाल के वर्षों में इतने बड़े आकार के तूफानों का आना बहुत दुर्लभ रहा है।

चीन और जापान व ताइवान का हाल

भारत के पड़ोसी देश चीन और जापान व ताइवान जैसे देश जलवायु परिवर्तन के कारण लगातार विनाशकारी मौसमी घटनाओं का सामना कर रहे हैं। वैज्ञानिकों के लिए यह साल विशेष चिंता का विषय है क्योंकि अल नीनो प्रभाव के उभरने की उम्मीद है, जिसके कारण समुद्र का तापमान बढ़ता है और इस तरह के टाइफून अधिक बार तथा कहीं ज्यादा विनाशकारी रूप में आते हैं। एक्यूवेदर के अनुसार, अगर टाइफून बावी अपनी मौजूदा ताकत बनाए रखता है, तो यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 2024 में आए सुपर टाइफून कोंग-रे के बाद सबसे शक्तिशाली तूफान बन जाएगा।

बीच सड़क टैक्सी ड्राइवर की गुंडागर्दी, कार टकराई और डंडा उठाया

नई दिल्ली। दिल्ली में द्वारका एक्सप्रेसवे टनल में बीती शाम रोडरेज की एक घटना सामने आई। पुलिस को इस संबंध में एक पीसीआर कॉल मिली। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसकी वैगनआर कार की एक सफेद मारुति अर्टिगा टैक्सी से हल्की टक्कर हो गई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, टक्कर के बाद टैक्सी चालक ने डंडे से हमला करने का प्रयास किया। बचाव में शिकायतकर्ता ने टैक्सी चालक को धक्का दिया। इससे टैक्सी चालक पास खड़ी एक किआ सेल्टोस कार से टकरा गया। किआ सेल्टोस को मामूली नुकसान हुआ। घटना के बाद टैक्सी चालक मौके से फरार हो गया। इस घटना में कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ। शिकायतकर्ता ने इस मामले में कोई कानूनी कार्रवाई नहीं चाही है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। फरार टैक्सी चालक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस को मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना द्वारका एक्सप्रेसवे टनल के भीतर हुई। टक्कर के बाद टैक्सी चालक का आक्रामक व्यवहार रोडरेज का कारण बना। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। हालांकि, तब तक टैक्सी चालक वहां से जा चुका था। पुलिस ने शिकायतकर्ता का बयान दर्ज किया है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से टैक्सी के नंबर और चालक की पहचान की जा रही है। इस तरह की घटनाएं सड़क सुरक्षा के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में रोडरेज के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। द्वारका एक्सप्रेसवे जैसी नई और व्यस्त सड़कों पर ऐसी घटनाएं चिंताजनक हैं। पुलिस इन मामलों को गंभीरता से ले रही है। सड़क पर संयम और धैर्य बनाए रखना महत्वपूर्ण है। यातायात नियमों का पालन न करने और आक्रामक ड्राइविंग से ऐसी घटनाएं होती हैं। पुलिस लोगों से अपील करती है कि वे ऐसी घटनाओं की तुरंत सूचना दें। इससे अपराधियों को पकड़ने में मदद मिलेगी और सड़क पर सुरक्षा बढ़ेगी।

ड्रोन से बनेगा दिल्ली का सबसे सटीक डिजिटल नक्शा, विकास परियोजनाओं को मिलेगी नई रफ्तार

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। दिल्ली जल्द ही देश के सबसे आधुनिक डिजिटल मैपिंग सिस्टम वाले शहरों में शामिल होने जा रही है। सर्वे ऑफ इंडिया ने दिल्ली लार्ज स्केल मैपिंग प्रोजेक्ट के तहत राजधानी की हाई-रिजॉल्यूशन ड्रोन मैपिंग शुरू कर दी है। इस परियोजना के तहत करीब 1750 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का हवाई सर्वे किया जाएगा। इसके आधार पर ऐसा डिजिटल बेसमैप तैयार होगा, जिसकी सटीकता पांच सेंटीमीटर तक होगी। अधिकारियों के अनुसार, यह डिजिटल नक्शा भविष्य में सड़क, फ्लाईओवर, सीवर लाइन, ड्रेनेज, मास्टर प्लान, भूमि प्रबंधन और अन्य सरकारी विकास परियोजनाओं की योजना बनाने का साझा आधार बनेगा। इससे सभी सरकारी विभाग एक ही मानक और सटीक नक्शे का इस्तेमाल कर सकेंगे। परियोजना के तहत लगभग 1500 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र की ग्रिड आधारित और 250 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र की पैच आधारित ड्रोन मैपिंग की जाएगी। अत्याधुनिक ड्रोन और नादिर कैमरों की मदद से ली गई तस्वीरों के आधार पर ऑर्थो रेक्टिफाइड इमेजरी (ओआरआई) और डिजिटल सरफेस मॉडल (डीएसएम) तैयार किए जाएंगे। ओआरआई तकनीक से भवन, सड़क, पार्क, नाले और अन्य ढांचों की वास्तविक स्थिति और सही माप दिखाई देगा। वहीं डीएसएम के जरिए जमीन, इमारतों और पेड़ों की ऊंचाई का त्रि-आयामी (3डी) स्वरूप उपलब्ध होगा। अधिकारियों ने बताया कि मैपिंग की ग्राउंड सैंपल डिस्टेंस अधिकतम पांच सेंटीमीटर होगी। यानी डिजिटल तस्वीर का हर पिक्सेल जमीन पर केवल पांच सेंटीमीटर क्षेत्र को दर्शाएगा। इससे तैयार होने वाला डेटा सामान्य सैटेलाइट तस्वीरों की तुलना में कहीं अधिक स्पष्ट और उपयोगी होगा। डिजिटल सरफेस मॉडल की ऊंचाई संबंधी सटीकता 25 सेंटीमीटर तक रखी गई है। इस परियोजना का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि राजधानी के सभी सरकारी विभागों के पास एक समान और अत्यधिक सटीक डिजिटल बेसमैप उपलब्ध होगा। फिलहाल कई विभाग अलग-अलग नक्शों और सर्वे के आधार पर काम करते हैं, जिससे योजनाओं में अंतर दिखाई देता है। नया बेसमैप बनने के बाद विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा और विकास कार्यों की योजना अधिक सटीक तरीके से बनाई जा सकेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि हाई-रिजॉल्यूशन डिजिटल मैपिंग से शहरी नियोजन को नई मजबूती मिलेगी। इसके जरिए जलभराव वाले क्षेत्रों की वैज्ञानिक पहचान, भूमि उपयोग में होने वाले बदलाव की निगरानी और विकास परियोजनाओं की प्रगति का आकलन पहले की तुलना में अधिक तेज, सटीक और प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा।

शादी से दो दिन पहले मंगेतर बना हैवान, फेशियल कराने के बहाने बुलाया

अंबेडकरनगर। यूपी के अंबेडकरनगर में मंगेतर पर शादी से दो दिन पहले युवती पर धारदार हथियार से हमला करने का आरोप है। चेहरे पर कई वार होने से युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। उधर, वारदात को अंजाम देकर आरोपी मौके से भाग गया। बताया गया कि मालीपुर थाना क्षेत्र के अल्लीपुर कोड़रा निवासी ज्योति (24) की शादी 06 जुलाई को इब्राहिमपुर क्षेत्र के बराहिमपुर निवासी मृत्युंजय से होनी थी। दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध था। पूर्व में कोर्ट मैरिज भी हो चुकी है। बाद में दोनों परिवारों की सहमति से सामाजिक रीति-रिवाज से विवाह की तिथि तय हुई थी। परिजनों के अनुसार, शनिवार को मृत्युंजय ने ज्योति को फोन करके फेशियल कराने के बहाने बुलाया। बेटी को अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के फत्तेपुर ककरडीला के पास ले गया। वहां किसी बात को लेकर दोनों पर कहासुनी हो गई। इस पर मृत्युंजय ने हसिये से ज्योति के चेहरे पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवती को स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने जिला अस्पताल पहुंचाया। शादी समारोह में खूनी संघर्ष डांस के दौरान बरात पक्ष के युवकों ने चलाए चाकू, दो युवकों पर हमला कर घायल किया प्रभारी निरीक्षक संतोष सिंह ने बताया कि युवती का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। आरोपी की तलाश में पुलिस टीम लगाई गई है।

पहले जमकर खाया खाना, पैसे देने की आई नौबत तो कर दिया बवाल

मथुरा। मथुरा के थाना नौहझील क्षेत्र में एक ढाबे पर खाना खाने के बाद पैसे मांगने को लेकर दबंगों द्वारा जमकर उत्पात मचाया। उन्होंने ढाबे में तोड़फोड़ की और वहां खड़ी संचालक की गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया। विरोध करने पर ढाबा कर्मचारियों के साथ लाठी-डंडों व सरियों से मारपीट भी की। पीड़ित ढाबा संचालक की तहरीर पर स्थानीय पुलिस ने दो नामजद आरोपियों सहित उनके अन्य साथियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव नावली निवासी वृजेश कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह गांव मकरन्दगढ़ी-चांदपुर कलां मार्ग पर अपना ढाबा चलाते हैं। बीते 22 जून 2026 की शाम करीब 8 बजे पालखेड़ा निवासी विन्नो और दिलीप उनके ढाबे पर खाना खाने आए थे। खाना खाने के बाद जब ढाबे के कर्मचारी ने उनसे खाने के पैसे मांगे तो दोनों दबंगई दिखाने लगे। उन्होंने गाली-गलौज करनी शुरू कर दी। ढाबा संचालक वृजेश कुमार ने बीच-बचाव करते हुए मामला शांत कराने का प्रयास किया। आरोप है कि इसके बाद आरोपियों ने फोन करके अपने कुछ अज्ञात साथियों को मौके पर बुला लिया। इसके बाद आरोपियों ने ढाबे में जमकर तोड़फोड़ की। दबंगों ने ढाबे के पास खड़ी संचालक की गाड़ी को भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया। विरोध करने पर कर्मचारियों सतवीर और दीपक पर लाठी, डंडों और लोहे के सरियों से हमला कर दिया, जिससे वे घायल हो गए। जाते-जाते आरोपी पीड़ित पक्ष को जान से मारने की धमकी भी दे गए। घटना के बाद पीड़ित ने तुरंत डायल 112 पर फोन कर पुलिस को मामले की सूचना दी। सीओ अमरनाथ यादव ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच पड़ताल शुरु कर दी गई है।

महात्मा गांधी जीवन दर्शन संस्थान जयपुर में डॉ. विवेक सदस्य मनोनीत

जयपुर। महात्मा गांधी जीवन दर्शन संस्थान जिला जयपुर में डॉ.

विवेक शर्मा को सदस्य पद पर नियुक्त किया गया है। डॉ. विवेक वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ हैं। जिला संयोजक कुसुम लता जैन ने उनकी नियुक्ति पत्र जारी करते हुए डॉ. विवेक को बधाई दी। पत्र में लिखा है कि सभी सदस्य महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, सेवा, सद्भाव और मानवता के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। संस्थान समय-समय पर गांधीवादी विचारधारा के प्रचार-प्रसार, सामाजिक जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, ग्राम विकास और जनहित से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा, जिनमें सदस्यों से सक्रिय भागीदारी और सहयोग की अपेक्षा की गई है।

झाड़ियों में मिला देर रात से लापता हॉस्टल मालिक का शव

सीतापुर। यूपी में सीतापुर के महमूदाबाद में शनिवार को सुबह हॉस्टल मालिक का शव झा?ियों में पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके घटना की जानकारी ली। परिजनों के अनुसार, रमकुंडा चौराहा निवासी मनोज शुक्ला (52) शुक्रवार रात करीब 8 बजे घर से हॉस्टल जाने के लिए निकले थे। देर रात तक वापस नहीं आए। परिजनों ने तलाश शुरू की। तड़के उनकी बुलेट गाड़ी हॉस्टल से 300 मीटर दूर पड़ी मिली। वहीं पर मनोज का शव भी पड़ा था। सिर पर चोट के निशान मिले हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की और साक्ष्य जुटाए।

निर्माण स्थलों पर धूल प्रदूषण रोकने के लिए डस्ट पोर्टल 2.0 लॉन्च

नई दिल्ली। दिल्ली में निर्माण और तोड़-फोड़ कार्यों से होने वाले धूल प्रदूषण पर सख्ती बढ़ाने के लिए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने डस्ट पोर्टल 2.0 लॉन्च किया है। नए पोर्टल के जरिए निर्माण स्थलों की ऑनलाइन निगरानी की जाएगी और नियमों का पालन नहीं करने पर कार्रवाई भी होगी। डीपीसीसी के अनुसार, 500 वर्ग मीटर या उससे अधिक क्षेत्रफल वाले सभी निर्माण और डिमोलिशन प्रोजेक्ट्स का इस पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। परियोजना संचालकों को हर 15 दिन में नियमों के पालन की सेल्फ-ऑडिट रिपोर्ट जमा करनी होगी। नए पोर्टल के तहत निर्माण स्थलों पर पीएम 2.5 और पीएम10 की निगरानी के लिए एयर क्वालिटी सेंसर लगाने होंगे। साथ ही, साइट की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए लाइव सीसीटीवी कैमरे भी लगाने होंगे, जिनकी फीड डीपीसीसी को उपलब्ध करानी होगी। सेल्फ-ऑडिट में 12 प्रमुख बिंदुओं की जांच होगी। इनमें साइट के चारों ओर ग्रीन नेट लगाना, नियमित पानी का छिड़काव, निर्माण सामग्री को ढककर रखना, वाहनों के टायर धोने की व्यवस्था, एंटी-स्मॉग गन का उपयोग, कचरे का सही निपटान और श्रमिकों को जागरूक करना शामिल है। पोर्टल में जीआईएस तकनीक के जरिए निर्माण स्थल की डिजिटल मैपिंग की सुविधा भी दी गई है। इसके आधार पर यह तय होगा कि किसी साइट पर कितनी एंटी-स्मॉग गन लगानी जरूरी है। 5,000 से 10,000 वर्ग मीटर क्षेत्र वाले प्रोजेक्ट में कम से कम एक एंटी-स्मॉग गन और 20,000 वर्ग मीटर से बड़े प्रोजेक्ट में चार एंटी-स्मॉग गन लगाना अनिवार्य होगा। डीपीसीसी के एक अधिकारी के अनुसार, अधूरी जानकारी देने या समय पर रिपोर्ट जमा नहीं करने पर संबंधित परियोजना को कारण बताओ नोटिस जारी किया जा सकता है। उनका कहना है कि डस्ट पोर्टल 2.0 तकनीक आधारित निगरानी को मजबूत करेगा। साथ ही, निर्माण कार्यों से होने वाले धूल प्रदूषण को कम करने में मदद करेगा। इससे दिल्ली की वायु गुणवत्ता सुधारने और प्रदूषण नियंत्रण के उपायों को प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी।

डीयू के एनसीवेब में दाखिले शुरू, 24 तक करें आवेदन

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉन कॉलिजिएट वूमेन एजुकेशन बोर्ड (एनसीवेब) में शैक्षणिक सत्र 2026-27 में दो स्नातक प्रोग्राम (बीए प्रोग्राम कॉम्बिनेशन व बीकॉम) की लगभग 15, 200 सीटों पर दाखिले का इंतजार खत्म हो गया है। एनसीवेब में दाखिले के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया बुधवार शाम से शुरू हो गई है। इसमें केवल दिल्ली निवासी छात्राएं 24 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। दाखिले बारहवीं के अंकों के आधार पर जारी होने वाली कट ऑफ से होंगे। इसके लिए पांच कट ऑफ निकाली जाएंगी, एक स्पेशल कट ऑफ व एक स्पेशल ड्राइव होगा। दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन https://admission.uod.ac.in पर होगा। एनसीवेब में दाखिले डीयू के 26 कॉलेज सेंटर पर होते हैं, जहां बीए प्रोग्राम (कॉम्बिनेशन) और बीकॉम की पढ़ाई होती है। यहां केवल दिल्ली की उन लड़कियों को ही दाखिला मिलता है

NAME CHANGE

I, RAMA CHANCRA PANDA is legally father of No. 15202081A Rank- BHM Name- MIHIR RANJAN PANDA UNIT 284 FD REGT presently residing at TORANIAPAL, TORANIAPAL, TORANIAPAL KENDUJHAR, ODISHA-758025 have changed my name from RAMA CHANCRA PANDA to RAMACHANDRA PANDA for all future purposes. Vide affidavit dated 09/07/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, Shivani Jolly, W/O Ankush Pahwa, R/O HNO- 66, Block AE, Shalimar Bagh, Delhi have changed my name to Shivani Pahwa for all future purposes

NAME CHANGE

I, Hemlata W/O, Inder Pal Saberwal, R/O WZ-171 Gali No 2 Sri Nagar, Shakur Basti, Delhi-110034 have changed my name to Hem Lata Saberwal for all further purposes.

NAME CHANGE

I MOHSIN KHAN S/O MOHD AHSAN KHAN R/O 927 GALI CHAH SHREEN, FARASH KHANA DELHI-110006 HAVE CHANGE MY NAME TO MOHD MOHSIN KHAN FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I,hithertoknownas Rajan alias Raju Shukla S/O Prem Narayan Shukla, R/O House No-D-64. Street No-1 D Block, Bank Colony Road Mandoli Extn, Nand Nagri, North East Delhi Delhi-110093, have changed my name and shall hereafter be known as Raju Shukla.

NAME CHANGE

I PRAVEEN KUMAR S/O KARMBEER SINGH R/ O RZF-222/63, GALI NO.31, SADH NAGAR 2 PALAM COLONY, South West Delhi, Delhi- 110045, have changed the name of my minor Son TANSHIK KUMAR aged 17 years and he shall hereafter be known as TANISH KUMAR.

NAME CHANGE

I, ANURADHA DEVI wife of No.-15414151K, Rank-HAV, Name-PANKAJ KUMAR PANDEY residing at VILL-KASHIYARI, PO-KONI, TEHSIL-JAWA, DIST-REWA, MADHYA PRADESH-486447, have changed my name from ANURADHA DEVI to ANURADHA PANDEY for all future purposes vide Affidavit dated 09/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, ARJUN S/o SANTOSH RAM R/o Rc – 61 , B – Block , Tali Walan Basti , Anand Parbat , PO : Karol Bagh , Dist : Central Delhi , Delhi-110005, declare that name of mine has been wrongly written as ARJUN KUMAR in my SC Certificate No. 90510000112508. The actual name of mine is ARJUN, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, SAHIL S/o Farukh R/o 06, Mukhya Abadi, Muradwas, PO. Sarheta, Dist. Khairthal-Tijara, Rajasthan-301411 have changed my name to SAHIL KHAN permanently

PUBLIC NOTICE

It is for general information that, I Mukesh Kumar Bhaskar S/o Chandrma Singh R/o House no B-197, Gali no.2, near Shiv Mandir, Chhajarsi Colony, Sector 63, Noida, Gautam Buddha Nagar, U.P. 201307, declare that name of mine and wife has been wrongly written as MUKESH and BEBY in my minor son namely RAM ANUJ KUMAR SINGH aged 15 years in his Birth Certificate No.100271102991. name of my minor son has been wrongly written as MAYANK RAJ in my minor son namely RAM ANUJ KUMAR SINGH aged 15 Years in his Aadhar Card no.588779058619. The actual name of mine, my Wife and my minor son is Mukesh Kumar Bhaskar, Baby Singh and Ram Anuj Kumar Singh . which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Divesh Kumar Singhal, S/O SH Shivnath Singhal, R/O C-284A 4th Floor, Sushant Lok-I, C-Block, Sector-43, Chakarpur, Gurgaon, Haryana-122002 have changed my name to Divesh Singhal for all further purposes.

NAME CHANGE

I, Navmeet Kaur Makkar, D/O Gurdeep Singh Makkar, R/O 30-D, Palam Vihar B.D Mil Ambala Cantt, Ambala,Haryana-133001 have changed my name to Navmeet Kaur for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Nitin S/O Gangeshwar Nath R/O H No-293/1, Gali No-8, New Railway Road, Adarsh Nagar Gurgaon Haryana 122001 I, Have Changed My name To Nitin Tiwari

NAME CHANGE

I, HARISH KUMAR Son of ROOP CHAND, residing at FLAT NO-006, TOWER-C, GREEN ARCH SOCIETY, TECHZONE-4, GREATER NOIDA WEST, BISHRAKH, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201306, have changed the name of my minor daughter ARNIMA, aged 10 years and she shall hereafter be known as ARNIMA SAMYAK. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

NAME CHANGE

It is for general information that I, HARISH KUMAR Son of ROOP CHAND, residing at FLAT NO-006, TOWER-C, GREEN ARCH SOCIETY, TECHZONE-4, GREATER NOIDA WEST, BISHRAKH, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201306, declare that name of my minor daughter has been wrongly written as HARSHIKA KARDAM in my minor daughter HARSHIKA SAMYAK aged 8 years in her School Records and Birth Certificate No-B-2018-6-90213-006017. The actual name of my minor daughter is HARSHIKA SAMYAK, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

NAME CHANGE

I, DIPANSHU, LEGALLY SON OF NO.14651422F, RANK HAVILDAR, NAME SURESH KUMAR KUMHAR OF UNIT 247 FD WKSP COY, PIN-906247, C/O 99 APO, resident of VILL-BAGOR, PO. KHETRI, DIST JHUNJHUNU, STATE RAJASTHAN, PIN 333503, have changed my name from DIPANSU to DIPANSHU for all future purposes, Vide affidavit dated 01/04/2026 before Notary, Siliguri, Darjeeling.

NAME CHANGE

I SITA RAM, S/O SHIV NARAYAN, R/O H NO 83 FIRST FLOOR G PLUS 3 SOCIETY, SECTOR 15, OMAXE CITY, PO: Bahadurgarh, District: Jhajjar, State: Haryana, PIN Code: 124507 have changed my name to SITA RAM GOYAL for all future purposes.

NAME CHANGE

I, No. 21005086Y, Rank-L/NK Name- KUMARESAN M residing at 2/172, VANIYAR STREET, SRIKALIKAPURAM, TIRUVALLUR, PALLIPATTU, TAMIL NADU-631302, have changed my wife's name from JAMUNA KUMARESAN M to JAMUNA S for all future purposes vide Affidavit dated 09/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I AASHIQ ALI S/O MASUM ALI R/O H NO-222 GALI NO-12 SHASTRI PARK SEELAMPUR BHAJAN PURA DELHI-110053 have changed my name to ASHAQ ALI for all future purpose.

NAME CHANGE

I, hitherto known as AKSHYAA D/O THANGARAJ R/O T-313/17, 3RD FLOOR, BALJEET NAGAR, BALMIKI MANDIR, WEST PATEL NAGAR, DELHI-110008 have changed my name and shall hereafter be known as AKSHYAA THANGARAJ. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, SHIVANI JASWAL D/o RATAN CHAND R/o QTR NO. P-73, ANUJ VIHAR, SHANKAR VIHAR, NEW DELHI, DELHI-110010, have changed my name from SHIVANI KACHHWAHA to SHIVANI JASWAL for all future purposes.

NAME CHANGE

I, JAMUNA KUMARESAN M wife of No.-21005086Y, Rank-L/NK, Name-KUMARESAN M residing at 2/172, VANIYAR STREET, SRIKALIKAPURAM, TIRUVALLUR, PALLIPATTU, TAMIL NADU-631302, have changed my name from JAMUNA KUMARESAN M to JAMUNA S for all future purposes vide Affidavit dated 09/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I,Mohammad Imran S/o Mohammad Sultan R/o 5954, Gali Babbu Khan, Ballimaran, Near By Chandni Chowk, Delhi-110006 declare that Mohd Imran and Mohammad Imran are one and the same person.

NAME CHANGE

I, Poonam Devi D/o Ram Avtar R/o Sunshine Apartment C-6, Second Floor, Rajpur Khurd Extension, Chhattarpur, Delhi-110068 have changed my name to Poonam Katheria for all future purposes.

NAME CHANGE

I SHAMEENA PARVEEN W/O JARIF AHAMAD R/O WARD N0-5 BLOCK COLONY, GADARPUR, UDHAM SINGH NAGAR, UTTARAKHAND-263152 HAVE CHANGE MY NAME TO SHAMIM PARVEEN FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, SALMA W/O MOHAMMAD SARFARAJ R/O GAJARPUR(166), POST OFFICE - GHASERA, NUH MEWAT, HARYANA 122103, declare that my husband's name has been wrongly recorded as SARFARAJ MOHD in my passport. His correct and actual name is MOHAMMAD SARFARAJ for all future purposes.

NAME CHANGE

I, MOHD ABID IQBAL S/o, MODH IQBAL, R/o, H.NO. 28, GALI NO. 4-D, DAYAL PUR, DELHI-110094, have changed my name to ABID IQBAL PERMANENTLY.

NAME CHANGE

I, AVINASH RANI ARORA W/o, SHORI LAL BUDHIRAJA, R/o, D-1/17, RAJOURI GARDEN, DELHI-110027, have changed my name to AVINASH RANI permanently.

NAME CHANGE

I, VIJAY KUMAR S/o, MUNSI RAM ARORA, R/o, E-37A FLAT NO. 05, E-BLOCK RAJOURI GARDEN, DELHI-110027, have changed my name to VIJAY KUMAR ARORA permanently

Public Notice

It is for general information that I, Vipin Kala S/o Brij Mohan R/o 2-E-93, B, Kamna Sector -2, Vaishali, I.E. Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201010 declare that name of my minor daughter has been wrongly written as Garima Kala in my minor daughter namely Gareema Kala aged 14 years in her School Records. The actual name of my minor daughter is Gareema Kala

NAME CHANGE

I VIKAS S/O KRISHNA LAL R/O 1797 SOHAN GUNJ LEELA GAS AGENCY SUBZI MANDI MALKA GANJ DELHI-110007 have changed my name to VIKAS ARORA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, RAMAN KUMAR NARULA, S/O ANAND SARUP NARULA, R/O 1313,SECTOR-6, BAHADURGARH, JHAJJAR, HARYANA-124507, HAVE CHANGED MY NAME TO RAMAN NARULA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I,MOHAMMAD RIZWAN S/O SHAFIQUL REHMAN R/O 6502, MAIN ROAD BARA HINDU RAO NORTH DELHI 110006, CHANGED MY NAME TO MOHD RIZWAN.

NAME CHANGE

I GHAZALA R/O. H NO-339, 2ND FLOOR, KATRA BUDHAN RAI, DARYA GANJ BAZAR, DELHI GATE, Delhi -110002 have changed my name to GAZALA.

NAME CHANGE

I, POOJA RANI W/O FIRDOUS R/O. H NO-4, E-BLOCK, NEW SEELAMPUR, Delhi -110053 have changed my name to ALIFA.

NAME CHANGE

I, ASHRAF ALI S/O SAMIULLA R/O. H. NO-A/190, GALI NO-2/1, OLD MUSTAFABAD Delhi -110094 have changed my name to MO ASHARF ALI.

NAME CHANGE

I, RENU W/O SANJEEV KUMAR R/O H NO-C-134, ASHOKA ENCLAVE PART-2, SECTOR-37, SARAI KHAWAJA, FARIDABAD, HARYANA -121003. HAVE CHANGED MY NAME TO RENU MALIK.

NAME CHANGE

I, MOHD SALEEM S/O ABDUL HAKIM residing at A-15/113, DDA FLATS, INDER LOK, DELHI-110035 have changed my name to MOHD SALIM for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Rishi Bansal & Mrs. Babita Bansal, Mrs. Saloni Bansal & Mrs. Kanupriya Saxena** is/are purchasing Unit No: Floor No: Building Name: SECTOR 11, Project Name: Revenue Record No: NA, Plot No :148, Nearby Vidya Bal Bhawan Sr Sec School, Ghaziabad, Sector- 11, Vasundhara, Ghaziabad, Uttar Pradesh. from Mrs. Niti Kulshreshtha & Mrs. Riti Kulshreshtha who are the owners of the property vide Settlement/Compromise dated 22-01-2026 Passed by Civil Judge, Etah In the matter of title as Mr. Joy Kulshrestha V/s. Niti Kulshrestha & Reeti Kulshreshta Order & Mutation Certificate dated 06-04-2026 issued by UPAVP in favour of Mrs. Niti Kulshreshtha & Mrs. Riti Kulshreshtha and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Nakul Kohli** is purchasing the Third Floor (with roof/terrace rights) (referred to as "said floor"), part of Plot No. 71 (D-71), in Block-D, having land area measuring 125 sq. yds., pertaining to the Khasra No. 33/5, situated in the colony known as East Uttam Nagar, in the area of village Possangipur, New Delhi from Mr. Kimti Lal & Mrs. Sarita Nayyer who are the owners of the property vide 2 different GPA, Agreement to Sale & WILL dated 26.02.2003 AND also executed 2 Registered Declaration Deeds dated 30-04-2024 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mrs. Barkha** is the owner of **Bearing Property No.436/5, admeasuring 400 Sq. yards i.e. 334.44 Sq. Meters, out of Khasra No. 3516/974/436, 3517/974/436 & 973/436. Situated at in the area of Village Chandrawali, in the abadi of G.T. Road. Shahdara, illaqa Shahdara, Delhi.** vide **Gift Deed dated 29.04.2025 which is registered as doc. no. 2026/23/I/5588,** book no.1, vol. no. 7309, page no. 41 to 64, on 09.07.2026, SRO-Shadara-IV-A. and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Capital Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 7 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT BACK CHAIN OF "PLOT OF LAND AREA MEASURING 51.05 SQ.YDS. I.E. 43.05 SQ. MTRS., PART OF KHASRA NO. 716, SITUATED AT VILLAGE CHHAPRAULA, PARGANA AND TEHSIL DADRI, DISTT: GAUTAM BUDH NAGAR, U.P. (SAID PROPERTY)" I.E. ORIGINAL SALE DEED DT. 25.03.2015 EXECUTED BY MR. SATYAVIR MAVI IN FAVOUR OF MR. BRIJESH IN RESPECT OF THE SAID PROPERTY (DOC. NO. 6282) HAS BEEN LOST OR NOT AVAILABLE WITH OWNER MR. SONU BABU. SUBJECT PROPERTY IS MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL SALE DEED IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEED WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

सार्वजनिक सूचना

श्रीमती कौशल्या, पत्नी श्री जय देव, 192 वर्ग मीटर के भूखंड के लिए मेसर्स कैन फिन होम्स लिमिटेड से ऋण मांग रही हैं। गज, खेवट संख्या 2982मिन, खाता संख्या 3345मिन, मुस्तकिल संख्या 143 किला संख्या 9/2(418), 10/2(4-1), 11(8-0), 12/1(4-13), 20(8-0), 21(8-0), मुस्तकिल संख्या 144, किला संख्या 7(3-9), 14/2(2-16), 15(8-13), 16(6-6), 17/1(3-2), 25(6-7), मुस्तकिल संख्या 156 किला संख्या 5(1-7), मुस्तकिल संख्या 157 किला संख्या 1/1(5-17) में स्थित, शिव कॉलोनी बेरी गेट नामक कॉलोनी में, नगर निगम की सीमा के भीतर, तहसील और जिले वका सिवाना मौजा झज्जर में स्थित है। झज्जर (हरियाणा); जिसे इसके बाद उक्त संपत्ति कहा जाएगा; श्रीमती कौशल्या, पत्नी श्री जय देव ने हमें बताया है कि उन्होंने निम्नलिखित दस्तावेज, अर्थात् विक्रय विलेख वासिका संख्या 10415 दिनांक 16.12.2011, श्री विजय कुमार और श्री नरेश कुमार, दोनों पुत्र श्री मोहर सिंह के पक्ष में, खोई हुई रिपोर्ट संख्या 132570292600827 के तहत, कहीं खो दिया है या कहीं रख दिया है, जो न तो मिल रहा है और न ही खोजी जा सकती है। यदि किसी व्यक्ति का उपरोक्त दस्तावेजों पर कानूनी वारिसों, गिरवी, उपहार, पट्टा, उत्तराधिकार, ग्रहणाधिकार या किसी अन्य रूप से कोई दावा है या कोई आपत्ति है, तो उसे उपरोक्त दस्तावेजों के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए दिल्ली कार्यालय के पते पर लिखित रूप में इसकी सूचना देनी होगी। ऐसे दावों को अमान्य घोषित कर दिया जाएगा और यदि कोई दावा है तो उसे माफ कर दिया जाएगा। ऐसा न करने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में किसी तीसरे पक्ष के दावे/आपत्तियां/विवाद न होने की स्थिति में उपरोक्त मालिकों के साथ बिक्री लेनदेन को पूरा किया जाएगा और उसके बाद किसी भी दावे/आपत्तियां/विवाद पर विचार नहीं किया जाएगा।

मेसर्स पास एंड एसोसिएट्स , एलएलपी
बी-132, मालवीय नगर,
नई दिल्ली-110017
मोबाइल नंबर - 09991119392

NAME CHANGE

I Bhopal Singh S/O. Babu Ram R/O. 17, Bulward Road , Near Batlar School, Tis Hazari, Delhi - 110054 have changed my name to Bhupal Singh.

NAME CHANGE

I, KRISHNA KUMAR S/O RAMPAL SINGH R/O H.NO. 807/18A, R.R. BLOCK, NAVEEN SAHADARA, SHAHDARA, PO-SHAHDARA, DIST-SHAHDARA, DELHI-110032, have changed the name of my minor daughter SHRASHTI alias SHRISHTY BARWALA aged 14 years and she shall hereafter be known as SHRISHTY BARWALA.

NAME CHANGE

I NAFEESA BEGUM W/O SHABBIR MALIK, R/O H NO-87/1 GALI NO-2 OLD MUSTAFABAD DELHI, 110094, HAVE CHANGED MY NAME TO NAFEES BEGUM FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I MOHAMMAD SABBIR S/O MOHAMMAD SADDIQ, R/O H NO-87/1 GALI NO-2 OLD MUSTAFABAD DELHI, 110094, HAVE CHANGED MY NAME TO SHABBIR MALIK FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I ALI SAGIR S/O MIRZA RAJAB ALI, R/O H NO-F-184 TOP FLOOR GALI NO-7 CHAND BAGH MUSTAFABAD DELHI, 110094, HAVE CHANGED MY NAME TO MIRZA ALI SAGIR FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, NIRANJAN AGARWAL S/O SHANKAR LAL AGARWAL, R/O OMM ABASAN, 4TH FLOOR, BLOCK B, FLAT-4D, 188/1, G.T ROAD, BALLY, HOWRAH, WEST BENGAL-711201 have changed my name to NIRANJAN KUMAR AGARWAL Permanently for all Future purposes

NAME CHANGE

I, SARASWATI AGARWAL W/O NIRANJAN KUMAR AGARWAL, R/O OMM ABASAN, 4TH FLOOR, BLOCK B, FLAT-4D, 188/1, G.T. ROAD, BALLY, HOWRAH, WEST BENGAL-711201 have changed my name to SARASWATI DEVI AGARWAL Permanently for all Future purposes

NAME CHANGE

I ARUN S/O DHARAM SINGH R/O H.NO 2504 BAGICHI RAGHUNATH SADAR THANA ROAD GALI MUNDE WALI DELHI-110006 I have changed my name to ARUN KUMAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I AMRUDEEN S/O ALLADIN R/O H.NO M C F 3637 GALI NO 19 SANJAY COLONY SECTOR 23 FARIDABAD HARYANA 121005 have changed my name to AMRUDDIN Permanently for all Future purpose

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, ABHAY KUMAR JHA S/o BANKETSH JHA R/o C-114 A, Sector-15, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, declare that name of mine has been wrongly written as ABAY KUMAR JHA in my minor son namely KARTIK JHA aged 13 years in his School Record. The actual name of mine is ABHAY KUMAR JHA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I Amit Kumar S/o Roopchand R/o 594, Dujana, Dadri, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203207 have changed the name of my minor daughter Avani aged 13 years and she shall hereafter be known as Anvi Nagar.

NAME CHANGE

I Yogendra Kumar S/o Rajan R/o Sahpur, Bamheta, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 have changed the name of my minor daughter Bhavna Yadav aged 16 years and she shall hereafter be known as Raunak Yadav.

NAME CHANGE

I hitherto known as Arnav Rajput S/o Yashpal Singh R/o House Number 871, Sector 2B, Vasundhara, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201012 have changed my name and shall hereafter be known as Arnav Singh.

NAME CHANGE

I hitherto known as HARSHA W/O RAJNISH DEV R/O H-19/10, Sector-7, Rohini West Metro Station, North West Delhi, Delhi-110085 have changed my name and shall hereafter be known as HARSHA DEV.

NAME CHANGE

I,Ravi Kant S/O Nawab Singh R/O C-104 First floor, Tower C, Mehak Jeevan , Rajnagar Extension, Shahpur Nij Morta , PO: Morta , Dist : Ghaziabad, Uttar Pradesh -201003, have changed the name of my minor daughter Alexa Baghel aged 04 years and she shall hereafter be known as Ishita Singh

NAME CHANGE

I,hitherto known as Sandesh Khatri S/O: Thakur Das, R/O 566/59, Jai Prakash Nagar, Alambagh, Lucknow Uttar Pradesh- 226005, have changed my name and shall hereafter be known as SANDESH KUMAR.

NAME CHANGE

I hitherto known as GANGA PAL S/O JANSHALI PAL R/O 133, Saeed Pyarelal Colony, Sahibabad, Po-Sahibabad, Dist-Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005, have changed my name and shall hereafter be known as JAGRUP.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Vijay Kumar S/o Late Mr. Gajraj Singh is the owner of Freehold Residential Third Floor, with roof rights, Left Side Portion, Built-on Property No. 8 (RZ-B-8), area measuring 100 Sq. Yds., out of Khasra No. 189, Situated in the Revenue Estate of Village Bindapur, Delhi Estate Delhi, area Abadi Known as Colony B Block, Indra Park, Uttam Nagar, New Delhi 110059. by virtue of Notarized GPA, Notarized ATS & Will dated 24.10.2015. now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mr. Rahul Kumar and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

चंडीगढ़ में हरियाणा के सरकारी मकानों पर लगेंगे रूफटॉप सोलर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों तथा मुख्य प्रशासकों को निर्देश दिए हैं कि चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा आवंटित सरकारी मकानों में रहने वाले राज्य सरकार के कर्मचारी रूफटॉप सोलर ऊर्जा प्रणाली के उपयोग से संबंधित अपना विकल्प/अंडरटेकिंग फॉर्म 10 जुलाई, 2026 तक अनिवार्य रूप से जमा कराएं। ये निर्देश चंडीगढ़ प्रशासन की हाउस अलॉटमेंट कमेटी से प्राप्त पत्र के बाद जारी किए गए हैं। केंद्र सरकार की पहल के तहत सरकारी आवासीय भवनों में रूफटॉप सोलर प्रणाली की शत-प्रतिशत स्थापना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि पात्र कर्मचारी निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपने-अपने विभागाध्यक्षों के माध्यम से निर्धारित प्रारूप में सहमति प्रपत्र जमा करें, ताकि उन्हें आगे की कार्यवाही के लिए हाउस अलॉटमेंट कमेटी, चंडीगढ़ के कार्यालय को समय पर भेजा जा सके। चंडीगढ़ प्रशासन के अनुसार, सोलर उपयोगकर्ता शुल्क (यूजर चार्जेज) के संबंध में सरकारी कर्मचारियों से प्राप्त प्रतिवेदनों के बाद यह प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके तहत कर्मचारियों को अंडरटेकिंग फॉर्म में निर्धारित विकल्पों में से एक का चयन करना होगा।

रिटायर्ड कर्मचारी महासंघ भी आंदोलन में कूदा, सांझा संघर्ष समिति को दिया खुला समर्थन

हिसार। हरियाणा रोडवेज हिसार डिपो में कर्मचारियों के लंबित वित्तीय लाभों को लेकर चल रहा आंदोलन अब और व्यापक होता जा रहा है। आंदोलन के चलते हरियाणा रोडवेज रिटायर्ड कर्मचारी महासंघ ने भी आंदोलनरत सांझा संघर्ष समिति के समर्थन में खुलकर मैदान में उतरते हुए महाप्रबंधक कार्यालय का घेराव किया। महासंघ ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कर्मचारियों और पेंशनरों की लंबित मांगों का समाधान नहीं हुआ तो 9 जुलाई को महाप्रबंधक कार्यालय के घेराव और 10-11 जुलाई की प्रस्तावित हड़ताल में सेवानिवृत्त कर्मचारी भी पूरी ताकत के साथ भाग लेंगे। महासंघ की ओर से बलबीर देशवाल की अध्यक्षता में आयोजित घेराव के दौरान सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लंबे समय से लंबित वित्तीय लाभ, मेडिकल भत्ता, महंगाई भत्ता (डीए), रात्रि ठहराव भत्ता सहित अन्य देयकों का तत्काल भुगतान करने की मांग उठाई गई। प्रदर्शन के दौरान राजपाल नैन, एमएल सहगल, नरेश गोयल, राजबीर सिंधु, महेंद्र स्याहड़वा, विजय सिवाच, रूप सिंह बोस व रघबीर बड़सी ने कर्मचारियों को संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अपने वैध अधिकारों के लिए बार-बार आंदोलन का रास्ता अपनाने पर मजबूर होना पड़ रहा है, जो प्रशासन की उदासीन कार्यप्रणाली को दर्शाता है।

डीटीपी टीम ने अग्रोहा क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों की सड़कें उखाड़ी

हिसार। जिले के अग्रोहा क्षेत्र में प्रशासन ने अवैध कॉलोनियों के खिलाफ कार्रवाई की। जिला नगर योजनाकार विभाग की टीम ने गांव चिकनवास में बन रही अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाकर उनकी आंतरिक सड़क नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान लगभग पांच घंटे तक चले इस अभियान में जेसीबी मशीनों की मदद से सड़क नेटवर्क उखाड़ा गया और नींव भरकर तैयार की गई प्लॉट की बाउंड्री वॉल भी तोड़ दी गई। प्रशासन का कहना है कि बिना मंजूरी विकसित की जा रही कॉलोनियों के खिलाफ आगे भी ऐसी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। यह कार्रवाई चिकनवास-ठसका रोड पर की गई, जहां बिना विभागीय स्वीकृति के कॉलोनियां विकसित किए जाने की सूचना मिलने पर जिला नगर योजनाकार विभाग की टीम मौके पर पहुंची। अभियान के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन की ओर से ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में बिजली निगम अग्रोहा के एसडीओ माणिक मौजूद रहे। वहीं जिला नगर योजनाकार दिनेश कुमार और विभाग के जेई हरि मोहन के नेतृत्व में पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई।

देश की स्वतंत्रता, एकता, स्वाभिमान व लोकतांत्रिक चेतना का प्रतीक है तिरंगाः शील मधुर

गुरुग्राम। हरियाणा के पूर्व पुलिस महानिदेशक और सादर इंडिया मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शील मधुर ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया है कि 22 जुलाई को विधिवत रूप से राष्ट्रीय ध्वज दिवस घोषित किया जाए। इसे पूरे देश में राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जाए। तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं है। यह देश की स्वतंत्रता, एकता, अखंडता, स्वाभिमान और लोकतांत्रिक चेतना का सर्वोच्च प्रतीक है। यह बात उन्होंने यहां पत्रकार वार्ता में कही। पूर्व डीजीपी शील मधुर ने कहा कि 22 जुलाई 1947 भारतीय इतिहास का गौरवपूर्ण दिन है। इसी दिन संविधान सभा ने स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में वर्तमान स्वरूप वाले तिरंगे को स्वीकार किया था। इसी दिन को वे तिरंगा दिवस घोषित करने की मांग कर रहे हैं। आज से 22 जुलाई तक यानी 15 दिन तक वे तिरंगे के सम्मान में अलग-अलग कार्यक्रम करेंगें। उन्होंने देशवासियों से अपील की कि आगामी 22 जुलाई को पूरे उत्साह, गरिमा और राष्ट्रीय भावना के साथ राष्ट्रीय ध्वज दिवस मनाया जाए। उन्होंने कहा कि हर नागरिक तिरंगे को सलामी दे। विद्यालय, कॉलेज, सामाजिक संस्थाएं, आवासीय समितियां और व्यापारिक संगठन तिरंगे के गौरव और इतिहास पर कार्यक्रम आयोजित करें।

प्राकृतिक खेती विकसित भारत का सबसे मजबूत स्तंभ : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज एक बड़ा ऐलान किया है, उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्रकृति श्री अन्न प्रेरक किसान कमेटी बनाई जाएगी, यह कमेटी हर जिला में होगी। इस कमेटी का मुख्य कार्य किसानों से संपर्क करना, उनके फार्म पर जाना और सरकार से सामंजस्य करवाकर प्राकृतिक खेती के साथ जोड़ने का कार्य होगा। यह एक तरह से प्राकृतिक खेती के प्रेरक एम्बेस्डर होंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पंचकूला में हरियाणा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा आयोजित प्राकृतिक खेती संवाद को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान किसानों से संवाद भी किया, मुख्यमंत्री ने किसानों से मिले सुझावों को जल्द पूरा करवाने की दिशा में काम करने का आश्वासन भी दिया। साथ ही उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राकृतिक खेती करने वाले जिन किसानों ने गाय खरीदने के लिए सब्सिडी के लिए आवेदन किया है, उन्हें सब्सिडी जारी कर दी जाए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्राकृतिक खेती केवल खेती करने का एक तरीका नहीं, बल्कि किसान, प्रकृति और समाज के बीच टूट चुके

संबंधों को फिर से मजबूत करने का अभियान है। यह धरती माता की सेवा, खेती की लागत कम करने, जल और मिट्टी के संरक्षण तथा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का माध्यम है। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती के ब्रांड एंबेसडर बनने का आह्वान करते हुए कहा कि अब केवल चिंतन नहीं, बल्कि अमल करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का समय है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार समय-समय पर किसानों से सीधा संवाद करेगी और प्राकृतिक खेती के इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राकृतिक खेती पर प्रत्येक माह इसी प्रकार के संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि बड़े सेमिनारों में गुजरात के राज्यपाल आचार्य श्री देवव्रत को भी आमंत्रित किया जाएगा ताकि किसान उनके अनुभवों से लाभान्वित हो सकें। उन्होंने कहा कि आज का सेमिनार केवल प्राकृतिक खेती की तकनीक सीखने का अवसर नहीं है, बल्कि किसान और प्रकृति के बीच सदियों पुराने अटूट रिश्ते को फिर से मजबूत करने का अभियान है। पहले खेती का संबंध धरती माता और गौ माता से था। यही संबंध किसान के जीवन में समृद्धि और खुशहाली लेकर आता था, लेकिन समय के साथ यह रिश्ता कमजोर हुआ और आज प्राकृतिक आपदाएं तथा पर्यावरणीय संकट हमारे सामने बड़ी चुनौती बनकर खड़े हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव ने विकास तो किया है, लेकिन कहीं न कहीं धरती का अत्यधिक दोहन भी किया है। आज सवाल यह नहीं है कि खाद और कीटनाशकों की कमी है, बल्कि यह है कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसी धरती और कैसा पर्यावरण छोड़कर जा रहे हैं। हमारे पूर्वज हमें भरपूर भूजल और उपजाऊ मिट्टी देकर गए थे।

पीएम मोदी की 17 जुलाई जींद रैली को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी तेज, मुख्यमंत्री नायब सैनी ने दिए दिशा-निर्देश

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 17 जुलाई की जींद रैली को ऐतिहासिक और अभूतपूर्व बनाने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा की प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने पार्टी पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में रैली की तैयारियों, संगठनात्मक व्यवस्थाओं, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों तथा जनसंपर्क अभियान को लेकर मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष ने जरूरी दिशा निर्देश दिए। बैठक में रैली के संयोजक एवं राज्यसभा सांसद संजय भाटिया, सह संयोजक एवं प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, विधानसभा उपाध्यक्ष कृष्ण मिड्ढा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, मंत्री रणबीर गंगवा, मंत्री कृष्ण पंवार, राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, विधायक राम कुमार गौतम, विधायक योगेंद्र राणा विधायक, पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा, पूर्व मंत्री कमल गुप्ता सहित पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत और कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। रैली से जुड़े सभी पहलुओं पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने विस्तार से समीक्षा की। पदाधिकारियों को उनके दायित्वों के अनुसार जिम्मेदारियां सौंपी गई। बैठक में सभी नेताओं व पदाधिकारियों ने सीएम और प्रदेश को भरोसा जताया कि प्रधानमंत्री मोदी की रैली ऐतिहासिक और भव्य होगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने बैठक में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियो से वन-टू-वन बातचीत की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 17 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी का जींद आगमन हरियाणा के विकास की दिशा में एक नया अध्याय जोड़ने वाला होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री प्रदेशवासियों को हजारों करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे, जिससे हरियाणा के आधारभूत ढांचे, परिवहन और विकास को नई गति मिलेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को जींद से हरी झंडी दिखाया जाना हरियाणा के लिए गौरव का विषय है। यह केवल प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन व्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से आग्रह किया कि वे पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ रैली की तैयारियों में जुटें तथा अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करें। प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी शक्ति है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा को सफल एवं ऐतिहाहिसक बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि रैली स्थल तक लोगों के आवागमन, पार्किंग, बैठने की व्यवस्था तथा अधिक से अधिक लोग रैली में आए इस पर विशेष ध्यान दिया जाए।

मंत्री श्रुति चौधरी ने कर्मचारियों की लंबित मांगों के शीघ्र समाधान के दिए निर्देश, पदोन्नति मामलों के तत्काल निस्तारण पर दिया जोर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ने आज सिंचाई विभाग के कर्मचारियों की मांगों एवं सेवा संबंधी समस्याओं के समाधान को लेकर हरियाणा सरकार पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन (पंजीकरण संख्या-41), मुख्य कार्यालय चरखी दादरी के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

बैठक में कर्मचारियों की लंबित मांगों, पदोन्नति, सेवा संबंधी मामलों एवं अन्य प्रशासनिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी बिंदुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श करने के उपरांत सिंचाई मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कर्मचारियों द्वारा उठाए गए सभी लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की न्यायोचित मांगों के समाधान में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न की जाए। मंत्री ने पदोन्नति से संबंधित सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने तथा इस संबंध में आवश्यक निर्देश तत्काल जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र कर्मचारियों को समय पर पदोन्नति का लाभ मिलना चाहिए, जिससे विभागीय कार्यप्रणाली और अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बन सके।

बैठक में निर्णय लिया गया कि जिन मामलों में नीतिगत निर्णय अपेक्षित हैं, उन्हें आवश्यक कार्रवाई के लिए तत्काल मानव संसाधन विभाग एवं वित्त विभाग को भेजा जाएगा, ताकि संबंधित मामलों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित किया जा सके।

बैठक में सिंचाई विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल, विभाग के सभी इंजीनियर-इन-चीफ तथा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैंक घोटाले में लेबर वेलफेयर बोर्ड के दो अधिकारी गिरफ्तार

एजेंसी

चंडीगढ़। बैंक घोटाले की जांच कर रही सीबीआई ने अब जांच के दायरे को बढ़ाते हुए हरियाणा लेबर वेलफेयर बोर्ड के अकाउंट्स ऑफ़िसर और एक अकाउंटेंट को गिरफ़्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों को बुधवार देर शाम अदालत में पेश करके सीबीआई ने दो दिन के रिमांड पर लिया है। आरोपितों पर हरियाणा लेबर वेलफ़ेयर बोर्ड के बैंक अकाउंट से 50.05 करोड़ रुपये के गबन का आरोप है, जो इसी बैंक घोटाले का हिस्सा है। सीबीआई के अनुसार दोनों आरोपितों अकाउंट्स ऑफ़िसर जुगल किशोर और अकाउंट्स क्लर्क अमित कुमार- को पंचकूला में सीबीआई की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उन्हें दो दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया।

सीबीआई के अनुसार जुगल किशोर 21 अगस्त, 2024 से लेबर वेलफ़ेयर बोर्ड में अकाउंट्स ऑफ़िसर के तौर पर काम कर रहे थे। वह बोर्ड के सभी फ़ाइनेंस से जुड़े मामलों के लिए जिम्मेदार थे। आईडीएफसी फ़र्स्ट बैंक, सेक्टर 32, चंडीगढ़ में खुले बैंक अकाउंट के अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता (ऑथराइज़्ड सिग्नेटरी) थे। उन्होंने बैंकों को शॉर्टलिस्ट करने के लिए एक कमेटी बनाने का प्रस्ताव दिया

था। बैंकों के साथ सभी लेटर, चेक और बातचीत से जुड़े कागज़ात पर साइन किए थे। पकड़ा गया दूसरा आरोपित अमित कुमार 1 जनवरी 2019 से लेबर वेलफेयर बोर्ड में अकाउंट्स क्लर्क के तौर पर काम कर रहा था। उन्होंने बोर्ड के फंड को फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश करने के लिए नोट-शीट तैयार की और बैंकों से कोटेशन मंगाने और फिक्स्ड डिपॉजिट खोलने के लिए लेटर का ड्राफ्ट बनाया। सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि बैंक में अनऑथराइज्ड सेविंग्स अकाउंट खोलने और 50 करोड़ रुपये से ज़्यादा के फ्रॉड को छिपाने में उनकी अहम भूमिका थी। अमित कुमार के वकील यवनीत ढाकला ने कहा कि वह सिर्फ़ एक क्लर्क थे, न कि ऑथराइज्ड सिग्नेटरी। उन्होंने कहा कि घोटाले में उनकी कोई भूमिका नहीं थी, उनकी कस्टडी का विरोध किया। अब सीबीआई यह पता लगाना चाहती है कि बिना किसी डिपार्टमेंटल रिकॉर्ड या मंजूरी के बैंक अकाउंट कैसे और किसके कहने पर खोला गया और आरोपित को मिली अवैध रकम के बारे में भी जानकारी जुटाना चाहती है।

डीएमसी के औचक निरीक्षण में बंद मिला ईओ कार्यालय, नोटिस जारी

एजेंसी

कैथल,। जिला पालिका आयुक्त (डीएमसी) कपिल शर्मा ने नगर परिषद कार्यालय का अचानक निरीक्षण कर विभिन्न शाखाओं के कामकाज का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रॉपर्टी आईडी शाखा, प्रॉपर्टी टैक्स काउंटर, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण-पत्र शाखा तथा अकाउंट शाखा सहित कई कार्यालयों का दौरा किया।

निरीक्षण के दौरान जब डीएमसी कार्यकारी अधिकारी (ईओ) के कार्यालय पहुंचे तो ईओ संदीप सोलंकी कार्यालय में मौजूद नहीं मिले। इस पर डीएमसी ने उनकी अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए कारण बताओ नोटिस जारी करने और नियमानुसार विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। बताया जा रहा है कि ईओ के नियमित रूप से कार्यालय में उपलब्ध नहीं रहने की शिकायतें काफी समय से जिला प्रशासन और डीएमसी के संज्ञान में आ रही थीं। निरीक्षण के दौरान भी कई नागरिकों ने डीएमसी को बताया कि ईओ की अनुपस्थिति के कारण आम लोगों के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। लोगों का कहना था कि वरिष्ठ अधिकारी के कार्यालय में नहीं रहने से अन्य कर्मचारी भी समय पर अपनी सीटों पर नहीं मिलते, जिससे नागरिकों को बिना

काम करवाए लौटना पड़ता है। डीएमसी ने प्रॉपर्टी आईडी शाखा का निरीक्षण कर वहां मौजूद लोगों से सीधे बातचीत की। नागरिकों ने बताया कि कई मकानों और दुकानों की प्रॉपर्टी आईडी में गंभीर त्रुटियां हैं, जिन्हें ठीक कराने के लिए उन्हें बार-बार कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं। कुछ लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि त्रुटियां दूर कराने के नाम पर अनावश्यक परेशान किया जाता है। इस पर डीएमसी ने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि सभी मामलों का निपटारा पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि कोई कर्मचारी किसी भी प्रकार की अवैध मांग करता है तो उसकी तत्काल शिकायत करें, दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान डीएमसी ने अकाउंट शाखा के कार्यों की समीक्षा करते हुए वित्तीय प्रक्रियाओं में पूर्ण पारदर्शिता और निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से आइकिया इंडिया के सीईओ ने की मुलाकात

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से चंडीगढ़ स्थित संत कबीर कुटीर में आइकिया इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पैट्रिक एंटोनी के नेतृत्व में आए स्वीडन के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। बैठक में हरियाणा और आइकिया के बीच सहयोग को और सुदृढ़ बनाने तथा हरियाणा में भविष्य के निवेश अवसरों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान पैट्रिक एंटोनी ने हरियाणा में आइकिया की परियोजनाओं के निर्माण कार्यों तथा अन्य संबंधित प्रक्रियाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन में राज्य सरकार द्वारा दिए गए निरंतर सहयोग के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने मुख्यमंत्री कार्यालय, विदेश सहयोग विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों द्वारा नियमित स्वीकृतियों में तेजी लाने और कंपनी की आवश्यकताओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए दिए गए सहयोग की भी सराहना की। उल्लेखनीय है कि आइकिया स्वीडन की अग्रणी होम फर्निशिंग कंपनी है। भारत कंपनी के सबसे महत्वपूर्ण विकासशील बाजारों में शामिल है। साथ ही, कंपनी की संपूर्ण वैल्यू-चेन उपस्थिति के लिहाज से भी भारत का विशेष महत्व है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा में आइकिया द्वारा निवेश करने संबंधी प्रस्ताव का स्वागत

करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में निवेश करने वाली कंपनियों को बेहतर अवसर और सुविधाएं उपलब्ध करवा रही है। भविष्य की विस्तार योजनाओं के लिए कंपनी को हरसंभव सहयोग प्रदान किया जायेगा। बैठक में पैट्रिक एंटोनी ने मुख्यमंत्री को अगले वर्ष गुरुग्राम में आइकिया स्टोर के निर्माण कार्य पूरा होने के बाद उसके उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने हरियाणा के प्रति आइकिया की प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह परियोजना वैश्विक कंपनियों के लिए हरियाणा को एक पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में और अधिक सुदृढ़ करेगी। उल्लेखनीय है कि इस स्टोर की आधारशिला हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने रखी थी। कंपनी वर्तमान में गुरुग्राम में अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना के माध्यम से हरियाणा में लगभग 3,500 से 4,000 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है, जिससे प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 10,000 रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है।

हरियाणा में बिजली निगम लगाएंगे ई-व्हीकल चार्जिंग स्टेशन

एजेंसी

चंडीगढ़। भविष्य में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अब प्रदेश में बिजली निगमों द्वारा ई-व्हीकल चार्जिंग स्टेशन लगाए जाएंगे। इससे पहले सरकार बिल्डिंग कोड में बदलाव करके मेट्रो शहरों में नई बनने वाली सोसायटियों में भी ईवी चार्जिंग प्वाइंट की स्थापना को मंजूरी दे चुकी है। हरियाणा सरकार की तरफ से भी नए वाहनों की खरीद के समय भी इलेक्ट्रिक वाहनों को प्राथमिकता दिए जाने के निर्देश जारी किए जा चुके हैं। अब इन वाहनों के लिए चार्जिंग प्वाइंट का जाल बिछाया जाएगा। भारत सरकार के भारी उद्योग मंत्रालय की पीएम ई-ड्राइव योजना को प्रदेश में लागू किया जाएगा। इसके लिए उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) को राज्य की नोडल एजेंसी बनाया गया है। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम तथा हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह ने बताया कि इस योजना को धरातल पर उतारने के लिए प्रदेशभर में उपयुक्त सरकारी जमीनों की पहचान शुरू कर दी गई है। सभी सरकारी विभागों, बोर्डों, निगमों और एजेंसियों से खाली पड़ी जमीनों का ब्योरा मांगा गया है। बिजली निगम अपने खुद के कार्यालय परिसरों और भवनों में भी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करेगा। इसके लिए ऐसे स्थानों को शॉर्टलिस्ट किया जा रहा है, जहां मुख्य सडक़ से कनेक्टिविटी अच्छी हो और कम से कम 60 वर्गमीटर खाली जगह उपलब्ध हो। सभी मुख्य अभियंताओं (चीफ इंजीनियर्स) को समय रहते इसकी रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। सरकारी दफ्तरों, आवासीय परिसरों, अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों और राजमार्गों के नजदीक खाली सरकारी जमीन को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रस्तावित चार्जिंग स्टेशन आम जनता के लिए उपलब्ध रहेंगे। यहां फास्ट चार्जिंग की सुविधा मिलेगी, जिससे दोपहिया, तिपहिया, चारपहिया वाहनों के साथ-साथ बस और ट्रक भी चार्ज हो सकेंगे। खास बात यह है कि ये स्टेशन आम जनता के लिए बिना किसी पाबंदी के चौबीसों घंटे खुले रहेंगे। इससे प्रदेश में कार्बन उत्सर्जन कम करने और ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने में बड़ी मदद मिलेगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने बीस करोड़ के विकास कार्यों का किया उद्घाटन

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने अटेली विधानसभा क्षेत्र के धन्यवादी दौरे के दौरान विभिन्न गांवों में करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समान विकास, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और आधुनिक आधारभूत ढांचे के निर्माण के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।

स्वास्थ्य मंत्री ने गांव करीरा में वीर सैनिक पार्क, राजा राव तुलाराम जिम तथा एससी चौपाल के नवीनीकरण का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उप स्वास्थ्य केंद्र का शिलान्यास, बीपीएल कॉलोनी के रास्तों तथा बीसी चौपाल का उद्घाटन भी किया गया। उन्होंने मुख्यमंत्री किसान खेत-खलिहान सड़क योजना के तहत करीरा से गोठड़ा काकड़ संपर्क मार्ग के निर्माण की आधारशिला भी रखी। उन्होंने घोषणा की कि कनीना के सामान्य अस्पताल में जल्द ही डायलिसिस सुविधा शुरू की जाएगी, जिससे क्षेत्र के मरीजों को राहत मिलेगी। इसके अलावा हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के माध्यम से करीरा-गोठड़ा और करीरा-लिसान

संपर्क मार्गों का निर्माण कराया जाएगा। वहीं लोक निर्माण विभाग द्वारा मुख्य सड़क से जवाहर नवोदय विद्यालय तक सड़क चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, गांव से श्मशान घाट तक सड़क निर्माण तथा एससी चौपाल से स्कूल तक सड़क मजबूत करने के कार्य भी किए जाएंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री किसान एवं खेतीहर मजदूर जीवन सुरक्षा योजना के तहत मार्केट कमेटी कनीना की ओर से पात्र किसान परिवारों को आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए गए। गांव ईसराना के मोहित को 37 हजार 500 रुपये, खैराना की सरजीत कुमारी को पति की मृत्यु पर पांच लाख रुपये तथा ईसराना के उदय सिंह को खेत में दुर्घटना में घायल होने पर एक लाख 25 हखार रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया।

केंद्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. रवि पाण्डेय को मिली 19 लाख की शोध परियोजना

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग के सहआचार्य डॉ. रवि प्रताप पाण्डेय को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से 19 लाख रुपये की शोध परियोजना स्वीकृत हुई है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. पाण्डेय को बधाई देते हुए इसे समाजोपयोगी और शिक्षा जगत के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया। यह शोध परियोजना रोल ऑफ योगिक प्रैक्टिसिज एंबेडेड इन श्रीमद्भगवद्गीता फॉर एन्हांसिंग द वेलबीइंग ऑफ स्कूल गोइंग एडोलेसेंट्स शीर्षक से स्वीकृत हुई है। परियोजना का मुख्य उद्देश्य श्रीमद्भगवद्गीता में वर्णित योगिक अभ्यासों के माध्यम से विद्यालयी किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और मनोवैज्ञानिक दृढ़ता का वैज्ञानिक अध्ययन करना तथा उनके समग्र विकास के लिए साक्ष्य-आधारित उपाय विकसित करना है। इस परियोजना का संचालन डॉ. रवि प्रताप पाण्डेय के नेतृत्व में किया जाएगा। इसमें जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली के प्रो. शांतेश कुमार सिंह सह-अन्वेषक के रूप में सहयोग करेंगे। दोनों शिक्षाविद भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक मनोवैज्ञानिक शोध को जोड़ते हुए किशोरों के कल्याण पर अध्ययन करेंगे। डॉ. रवि प्रताप पाण्डेय ने इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करने पर आईसीएसएसआर का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अध्ययन के निष्कर्ष विद्यालयों में मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाने के साथ-साथ भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित वैज्ञानिक हस्तक्षेप विकसित करने में भी सहायक सिद्ध होंगे। इससे किशोरों के समग्र व्यक्तित्व विकास को नई दिशा मिलेगी।

खाड़ी संकट गहराया, कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल

ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर के करीब, वैश्विक बाजारों पर भी असर

मुंबई।

मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के चलते कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर तेज उछाल देखने को मिल रहा है। 9 जुलाई को ब्रेंट क्रूड की कीमतें 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई हैं। बाजार पर अमेरिका द्वारा ईरान पर नए सैन्य हमलों की चेतावनी और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में हुए तेल टैंकरों पर हमलों का सीधा असर दिखाई दे रहा है। निवेशकों को आशंका है कि अगर हालात और बिगड़े, तो वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, जिससे कीमतें और तेजी से बढ़ेंगी। इस बढ़ते तनाव का असर केवल कच्चे तेल तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया भर के शेयर बाजारों पर भी दिख रहा है। हालांकि, कई एक्सपर्ट्स का मानना है कि फिलहाल कच्चे तेल की कीमतों के 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जाने का अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी। उनका कहना है कि वैश्विक तेल बाजार ने संकट के दौरान उम्मीद से बेहतर मजबूती दिखाई है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में शुरुआत में प्रतिदिन 2 करोड़ बैरल तेल की कमी का डर था, लेकिन वैकल्पिक सप्लाई रूट के कारण अब वास्तविक कमी लगभग 1.22 करोड़ बैरल प्रतिदिन रहने का अनुमान है।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट का मेगा आईपीओ 14 जुलाई से खुलेगा

कंपनी ने तय किया प्राइस बैंड, एसबीआई और एमुंदी बेचेंगे हिस्सेदारी

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट (एसबीआई एफएम) अपना बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लेकर आ रही है। कंपनी ने इसके लिए प्राइस बैंड और अन्य महत्वपूर्ण तारीखों की घोषणा कर दी है, साथ ही रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी) पास अपना रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) भी दाखिल कर दिया है। यह आईपीओ 14 जुलाई से निवेशकों के लिए खुलेगा। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने एक्सचेंज फाइलिंग में जानकारी दी है कि उसकी एसेट मैनेजमेंट कंपनी, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट, अपना आईपीओ ला रही है। कंपनी ने अपने आईपी ओ के लिए प्रति शेयर 545 से 574 रुपये का प्राइस बैंड निर्धारित किया है। खास बात यह है कि कंपनी अपने कर्मचारियों को प्रति शेयर 54 रुपये का विशेष डिस्काउंट भी प्रदान करेगी। निवेशकों को न्यूनतम 26 शेयरों के लिए बोली लगानी होगी, जिसके बाद वे 26 के गुणकों में आवेदन कर सकेंगे। यह आईपीओ निवेशकों के लिए 14 जुलाई, मंगलवार को खुलेगा और 16 जुलाई, गुरुवार को बंद होगा। एंकर निवेशक 13 जुलाई को, यानी इश्यू खुलने से एक दिन पहले ही बोली लगा सकेंगे। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए बोली लगाने की अंतिम तारीख भी 16 जुलाई ही रहेगी। कंपनी ने पहले की एक सूचना में क्यूआईबी के लिए 15 जुलाई की तारीख का उल्लेख किया था, जिसे अब सुधार कर 16 जुलाई कर दिया गया है। यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल है, जिसका अर्थ है कि कंपनी को इस इश्यू से कोई पूंजी नहीं मिलेगी।

टीसीएस नतीजों से पहले आईटी शेयरों में गिरावट

नई दिल्ली।

भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को आईटी सेक्टर की शुरुआत कमजोर रही। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के जून तिमाही के नतीजे घोषित होने से पहले निवेशकों ने आईटी शेयरों में मुनाफावसूली की। इसके चलते निफ्टी आईटी सूचकांक सुबह के कारोबार में करीब 1 फीसदी गिर गया, जो 27,311.30 अंक पर कारोबार करता दिखा। प्रमुख आईटी शेयरों में गिरावट देखी गई, जिसमें इंफो सिस का शेयर करीब 1.78 फीसदी और खुद टीसीएस का शेयर 1.04 फीसदी टूटा। एचसीएल टेक में भी 0.81 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। बाजार की नजर पूरी तरह टीसीएस के नतीजों पर टिकी है, जो कारोबार बंद होने के बाद जारी होंगे। इन्हीं नतीजों से पूरे सेक्टर के आउटलुक का अंदाजा लगाया जाता है। ब्रोकरेज फर्मों का मानना है कि टीसीएस के लिए जून तिमाही बहुत मजबूत नहीं रहने वाली है। आय में मामूली बढ़ोतरी या स्थिरता और कर्मचारियों की वेतन वृद्धि व कमजोर आईटी खर्च से मुनाफे के मार्जिन पर दबाव रह सकता है। जेएम फाइनेंस सियल ने पश्चिम एशिया में तनाव और एआई से बढ़ते प्राइसिंग प्रेशर को देखते हुए वित्त वर्ष 2027 की धीमी शुरुआत की आशंका जताई है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ ही 95.50 पर बंद हुआ। रुपया गुरुवार के कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में चार पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.52 पर आ गया।

पश्चिम एशिया में फिर से तनाव उत्पन्न होने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल से वैश्विक स्तर पर निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई और वैश्विक व्यापार को लेकर अनिश्चितताओं की आशंका बढ़ गई। हालांकि, घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख ने रुपये को समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.52 प्रति डॉलर पर खुला जो उसके पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट है।

रुपया बुधवार को 52 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.48 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 फीसदी की गिरावट के साथ 100.98 पर रहा।

फोर्ड ने कोयंबटूर में खोला तीसरा वैश्विक केंद्र, भारत में तकनीक और डेटा पर जोर

600 से अधिक कर्मचारियों के साथ यह कार्यालय वैश्विक परिचालन मजबूत करेगा

नई दिल्ली।

अमेरिका की फोर्ड मोटर कंपनी की सहायक इकाई फोर्ड बिजनेस सॉल्यूशंस (एफबीएस) ने भारत में अपने तीसरे वैश्विक क्षमता केंद्र का कोयंबटूर में उद्घाटन किया है। यह नया केंद्र फोर्ड के वैश्विक परिचालन को मजबूत करेगा और चेन्नई स्थित एफबीएस केंद्र के लिए एक समर्पित बिजनेस कंटिन्यूटी केंद्र (बीसीपी) के तौर पर काम करेगा, जो वैश्विक लेखांकन, क्रेडिट और कारोबारी परिचालन टीमों को सेवाएं देगा। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, भविष्य में भारत में फोर्ड की लगभग 50 फीसदी वृद्धि तकनीक, डेटा साइंस और डेटा एनालिटिक्स के क्षेत्रों से आएगी। कोयंबटूर केंद्र में शुरुआती चरण में 600 से अधिक कर्मचारियों सहित करीब 800 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। यह एसबीबीपी टेक पार्क में 82,000 वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र में तीन मंजिलों में फैला है। एफबीएस इंडिया की प्रमुख और प्रबंध निदेशक गंगाप्रिया चक्रवर्ती ने कहा, यह केंद्र हमारी बिजनेस कंटिन्यूटी रणनीति का अहम हिस्सा है, जो मौसम या अन्य कारणों से चेन्नई के कामकाज प्रभावित होने पर भी वैश्विक बाजारों को निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित करेगा। अगस्त 2022 में फोर्ड द्वारा भारत में अपने विनिर्माण संयंत्र बंद करने के बावजूद, एफबीएस इंडिया में फिलहाल 12,000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। चेन्नई का ग्लोबल टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस सेंटर फोर्ड के वैश्विक सफल मॉडलों के डिजाइन व विकास में महत्वपूर्ण रहा है, जबकि बेंगलुरु में भी एक तकनीकी इनक्यूबेशन सेंटर है। कोयंबटूर कार्यालय को सहयोगात्मक और हाइब्रिड कार्य प्रणाली के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें 230 से अधिक वर्कस्टेशन, मीटिंग रूम और फोकस रूम जैसी आधुनिक सुविधाएं हैं।

अदाणी अमेरिकी कोर्ट में दाखिल करेंगे हलफनामा

आरोपों की वापसी पर देनी होगी जानकारी

नई दिल्ली।

उद्योगपति गौतम अदाणी इस सप्ताह अमेरिकी अदालत में एक महत्वपूर्ण हलफनामा दाखिल कर सकते हैं। यह कदम अदालत के उस निर्देश के बाद उठाया जा रहा है, जिसमें उन्हें अभियोग वापस लेने से जुड़े किसी संभावित समझौते, प्रस्ताव या लाभ की जानकारी का खुलासा करने को कहा गया है। अमेरिकी न्याय मंत्रालय ने पहले कहा था कि उसने प्रतिभूति मामले को कानूनी आधार न होने के कारण वापस ले लिया था।

न्याय मंत्रालय के अधिकारी मैककॉइन ने उन मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया था जिनमें आरोप वापस लेने के बदले अमेरिका में निवेश की बात कही गई थी। हालांकि, न्यायाधीश ने सरकार के इस पक्ष पर संदेह व्यक्त किया और आशंका जताई कि किसी प्रकार की अघोषित सहमति या व्यवस्था रही हो सकती है। अदालत ने अदाणी को 15 जुलाई तक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 238, निफ्टी 81 अंक ऊपर आया

मुम्बई।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनियां भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। आज जहां प्रमुख सूचकांक हरे निशान पर खुले और पूरे दिन मजबूत बने रहे। हालांकि, कारोबारी सत्र के अंतिम पलों में थोड़ी बिकवाली देखने को मिली पर इसके बाद भी बाजार ने अपनी तेजी बरकरार रखी। दिन के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 238 अंक उछलकर 76,741 के स्तर पर बंद हुआबंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 81 अंकों की मजबूती के साथ ही 23,962 के स्तर पर बंद हुआ, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल बना रहा। यह प्रदर्शन वैश्विक बाजारों से मिल रहे मिश्रित संकेतों के बावजूद भारतीय बाजार की आंतरिक मजबूती को दर्शाता है।

यह तेजी केवल मुख्य सूचकांकों तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी जबरदस्त उछाल रहा। , जिसने बाजार की सकारात्मक भावना को और मजबूत किया। निवेशकों ने छोटे और मझोले आकार की कंपनियों में खासा उत्साह दिखाया। निफ्टी स्मॉलकैप 100 में प्रभावशाली 1.80 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई, जबकि निफ्टी मिडकैप 100 ने भी 1.38 फीसदी की शानदार रैली दिखाई। यह व्यापक बाजार में आत्मविश्वास बढ़ने और निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता में वृद्धि का संकेत है।

निफ्टी 50 के भीतर, कुछ कंपनियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया और बाजार को ऊपर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें सन फार्मा सबसे आगे रहा, जिसने 2.68 फीसदी की बढ़त हासिल की। इसके बाद, भारती एयरटेल में 2.28 फीसदी, बजाज

फिनसर्व में 2.17 फीसदी और इंटरग्लोब में 2.06 फीसदी की शानदार तेजी दर्ज की गई।

हालांकि, बाजार की इस समग्र तेजी के बीच, कुछ शेयरों को नुकसान भी उठाना पड़ा। निफ्टी 50 की कंपनियों में डॉ रेड्डीज सबसे अधिक प्रभावित हुआ, जिसमें 5.90 फीसदी की बड़ी गिरावट देखी गई। इसके बाद, इंफोसिस में 1.74 फीसदी, मारुति सुजुकी में 1.60 फीसदी, एनटीपीसी में 1.44 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जिसने बाजार के कुछ क्षेत्रों पर दबाव बनाया। इससे पहले आज सुबह के शुरुआती कारोबार में निफ्टी 50 भी 111.35 अंकों की बढ़त के साथ ही 23,993.40 के स्तर पर पहुंचा, जो जल्द ही 24,000 के मनोवैज्ञानिक आंकड़े के करीब पहुंच गया। वहीं सेंसेक्स भी 342 अंक बढ़कर 76,845.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सरकार ने किया काम, अब उद्योग की बारी, सीईए का एआई चुनौती पर जोर

एआई से निपटने को कौशल और नवाचार में निवेश जरूरी

नई दिल्ली।

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने गुरुवार को उद्योगों से कृत्रिम मेधा (एआई) से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए कौशल विकास, क्षमता निर्माण और नवाचार में निवेश करने का आग्रह किया। सीआईआई जीसीसी शिखर सम्मेलन में बोलते हुए, उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार ने बजट में वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) को समर्थन देकर अपना काम कर दिया है, अब उद्योग की बारी है। नागेश्वरन ने बताया कि केंद्रीय बजट में जीसीसी के लिए ट्रांसफर प्राइसिंग सेफ हार्बर व्यवस्था को सरल बनाकर और छोटे शहरों तक विस्तार को प्रोत्साहित कर सरकार ने उद्योग की लंबे समय से लंबित मांग पूरी की है। हालांकि, उन्होंने जोर दिया कि एआई ने पुराने कारोबारी मॉडल को चुनौती दी है, जिससे नियमित और दोहराए जाने वाले कार्य प्रभावित होंगे। उन्होंने आगाह किया कि केवल कम लागत पर आधारित मॉडल जोखिम में हैं, और उद्योगों को लागत-आधारित मॉडल से क्षमता-आधारित मॉडल तथा निष्पादन से नवाचार की ओर बढ़ना होगा। सीईए ने उद्योगों से क्षमता निर्माण और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह करते हुए कहा कि सरकार रनवे तैयार कर सकती है, लेकिन विमान नहीं उड़ा सकती। उन्होंने चेतावनी दी कि सफलता से आत्मसंतोष नहीं होना चाहिए, क्योंकि प्रतिस्पर्धी देश अपनी क्षमताएं बढ़ा रहे हैं, लागत बढ़ रही है और कुशल प्रतिभा की

उपलब्धता लगातार चुनौतीपूर्ण होती जा रही है। भारत को दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त इसी पर निर्भर करेगी कि वह एआई के लिए स्वयं को कितना तैयार करता है।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को मिलेगी गति, प्रमुख कलपुर्जों पर सीमा शुल्क समाप्त

केंद्र सरकार ने डिस्प्ले असेंबली, लिथियम-आयन सेल जैसे सामानों पर बीसीडी हटाई

नई दिल्ली।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस. कृष्णन ने गुरुवार को सरकार के उस महत्वपूर्ण फैसले का स्वागत किया, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में उपयोग होने वाले प्रमुख कलपुर्जों पर बुनियादी सीमा शुल्क (बीसीडी) को समाप्त कर दिया गया है। कृष्णन ने इस कदम को देश की मूल्य श्रृंखला को और मजबूत बनाने तथा घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा उद्योग को बढ़ावा देने वाला महत्वपूर्ण बदलाव करार दिया। एक कार्यक्रम से इतर बातचीत में सचिव कृष्णन ने बताया कि यह निर्णय उद्योग जगत की ओर से लगातार किए गए अनुरोधों का परिणाम है। वित्त मंत्रालय के समक्ष मामला उठाने के बाद अब इस संबंध में अधिसूचनाएं जारी हो चुकी हैं। उनका मानना है कि यह पहल विशेष रूप से देश के इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा उद्योग के लिए एक बड़ी राहत और प्रोत्साहन होगी।

सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के व्यापक उद्देश्य से यह छूट प्रदान की है। इसके तहत डिस्प्ले असेंबली, लिथियम-आयन सेल और इंडक्टर कॉयल मॉड्यूल जैसे प्रमुख कलपुर्जों के उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले सामान पर बुनियादी सीमा शुल्क समाप्त कर दिया गया है।

खाद्य तेलों की कीमतें बढ़ेंगीं रसोई बजट पर दोहरी मार

महंगे आयात और घरेलू उत्पादन में संभावित गिरावट से फिलहाल राहत की उम्मीद कम

मुंबई।

आयातित खाद्य तेलों की लगातार बढ़ती कीमतें और कमजोर मानसून के कारण घरेलू तिलहन उत्पादन पर मंडराते खतरे के चलते आने वाले महीनों में रसोई का बजट और बढ़ सकता है। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक बाजार में महंगी खरीद और घरेलू उत्पादन में संभावित गिरावट के कारण उपभोक्ताओं को तत्काल राहत की संभावना नहीं है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के अनुसार सरसों, सोयाबीन और पाम तेल की औसत खुदरा कीमतें पिछले वर्ष की तुलना में 10-12 प्रतिशत अधिक हैं। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन के मुताबिक बढ़ती परिवहन लागत, कमजोर रुपया और प्रमुख उत्पादक देशों द्वारा खाद्य तेल का बायोडीजल में बढ़ता उपयोग आयात लागत को बढ़ा रहा है। इंडोनेशिया का नया बी50 बायोडीजल कार्यक्रम वैश्विक बाजार में पाम तेल की उपलब्धता को और कम करेगा, जिससे कीमतें और बढ़ सकती हैं। वहीं इस वर्ष कमजोर और असमान

मानसून का असर घरेलू तिलहन उत्पादन, विशेषकर सोयाबीन और मूंगफली पर पड़ने की आशंका है। गुजरात और मध्य प्रदेश जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में बुवाई का रकबा पिछले वर्ष की तुलना में काफी पीछे चल रहा है। इंडियन वेजिटेबल ऑयल प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन का अनुमान है कि इन चुनौतियों के कारण भारत की खाद्य तेल आयात पर निर्भरता और बढ़ेगी, जो वर्ष 2025-26 तक 16.8 मिलियन टन तक पहुंचने का अनुमान है।

एडीबी ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर किया 6.6 प्रतिशत

मुद्रास्फीति भी बढ़ी फिर भी भारत सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण ऊर्जा कीमतों में संभावित उछाल को देखते हुए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को घटा दिया है। एडीबी ने गुरुवार को जारी अपनी एशियाई विकास परिदृश्य रिपोर्ट में चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। हालांकि, इस कटौती के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊर्जा की ऊंची कीमतों से वास्तविक आय पर पड़ने वाले दबाव के कारण यह संशोधन किया गया है। इसके विपरीत, वित्त वर्ष 2027-28 के लिए वृद्धि दर का अनुमान 7.3 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। एडीबी ने 2026-27 के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान भी बढ़ा दिया है, जो अप्रैल के 4.5 प्रतिशत से बढ़कर अब 5.2 प्रतिशत हो गया है। 2027-28 के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान चार प्रतिशत पर स्थिर रखा गया है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भी पिछले महीने 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अपना अनुमान 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत किया था। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी 2026-27 के लिए भारत की वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो पहले के 6.5 प्रतिशत से कम है।

देश के आठ शहरों में प्रीमियम घरों का दबदबा किफायती खंड पिछड़ा

जनवरी-जून 2026 में 8 शहरों में कुल बिक्री मामूली बढ़कर 1.71 लाख इकाई

नई दिल्ली।

रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी नाइट फ्रैंक इंडिया की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार देश के आठ प्रमुख शहरों में जनवरी-जून 2026 की अवधि में आवासीय बिक्री में 0.7 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज की गई, जो 1.71 लाख इकाई तक पहुंच गई। इस अवधि में प्रीमियम मकानों की मांग में उल्लेखनीय उछाल देखा गया, जिनकी कुल बिक्री में 54 प्रतिशत की प्रभावशाली हिस्सेदारी रही। नाइट फ्रैंक इंडिया द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक कुल बिक्री 1,71,471 इकाई रही, जो पिछले साल की 1,70,201 इकाई से मामूली अधिक है। इस वृद्धि में एक करोड़ रुपये से अधिक कीमत वाले मकानों की मुख्य भूमिका रही। वहीं, किफायती (50 लाख रुपये से कम) मकानों की बिक्री 15 प्रतिशत घटकर 32,063 इकाई (कुल बिक्री का 19 फीसदी) रह गई, जबकि मध्यम आय वर्ग (50 लाख से 1 करोड़ रुपये) के मकानों की बिक्री पांच प्रतिशत घटकर 46,490 इकाई (कुल बिक्री का 27 फीसदी) रही। आठ शहरों में से दिल्ली-एनसीआर को छोड़कर सभी जगह आवास बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई, जहां सालाना आधार पर सात प्रतिशत की गिरावट आई।

इस वर्ष की पहली छमाही में नए आवासों की पेशकश चार प्रतिशत बढ़कर 1,87,350 इकाई हो गई। नाइट फ्रैंक इंडिया ने कहा कि बाजार के बुनियादी कारक मजबूत हैं। उन्होंने बताया कि घरेलू आय में वृद्धि, खरीदारों की बदलती आकांक्षाएं और गृह स्वामित्व में बढ़ता विश्वास प्रीमियम खंड को बल दे रहा है। शहरीकरण, बुनियादी ढांचा निवेश व स्थिर आर्थिक माहौल आवासीय बाजार को निरंतर सहारा दे रहे हैं।

तेल बाजार में विरोधाभास यूएस में कच्चे तेल का भंडार बढ़ा पर पेट्रोल-डीजल का घटा

पश्चिम एशिया में तनाव से कच्चे तेल में उछाल, डॉलर भी मजबूत

नई दिल्ली।

अमेरिका के ऊर्जा बाजार से मिले नए आंकड़े मिले-जुले संकेत दे रहे हैं। जहां एक ओर कच्चे तेल का भंडार बढ़ा है, वहीं पेट्रोल और डीजल के स्टॉक में अप्रत्याशित गिरावट दर्ज की गई है। इसी बीच पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक तनाव ने कच्चे तेल की कीमतों और डॉलर दोनों को मजबूती दी है। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन (ईआईए) के अनुसार 3 जुलाई को समाप्त सप्ताह में कच्चे तेल का भंडार 29.98 लाख बैरल बढ़कर 41.13 करोड़ बैरल हो गया, जो 10 हफ्तों की गिरावट के बाद पहली बार बढ़ा है। हालांकि, बाजार की उम्मीदों के विपरीत, पेट्रोल का भंडार 19.04 लाख बैरल घटकर 21.21 करोड़ बैरल और डीजल का स्टॉक 49.8 लाख बैरल घटकर 10.36 करोड़ बैरल पर आ गया। शुद्ध आयात में वृद्धि ने कच्चे तेल के भंडार को बढ़ाया। इन विरोधाभासी आंकड़ों के बावजूद गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में करीब 1 फीसदी की तेजी देखी गई। ब्रेंट क्रूड 78.81 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 74.26 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। यह तेजी पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव (अमेरिका-ईरान सैन्य कार्रवाई की पुष्टि), आपूर्ति अनिश्चितता और महंगाई की चिंताओं का परिणाम है। तनाव बढ़ने से डॉलर इंडेक्स भी 101 के करीब मजबूत हुआ है, क्योंकि निवेशक सुरक्षित निवेश की ओर रुख कर रहे हैं।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें वैश्विक महंगाई की चिंताओं को बढ़ा रही हैं, जिससे अमेरिकी फेडरल रिजर्व पर ब्याज दरों में जल्द कटौती न करने का दबाव बढ़ गया है। बाजार 2026 तक फेड की ओर से एक बार ब्याज दर बढ़ने की संभावना देख रहा है। निवेशक अब अमेरिका के बेरोजगारी दावों और हाउसिंग डेटा पर नजर बनाए हुए हैं।

हिंद-प्रशांत में भारत का बढ़ता सामर्थ्य एवं साझेदारियां

ललित गर्ग

भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता है। वर्षों तक भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक माना जाता था, लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल रही है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान ने रक्षा उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल, आकाश वायु रक्षा प्रणाली, पिनाका रॉकेट सिस्टम, तेजस लड़ाकू विमान और अत्याधुनिक रक्षा उपकरण आज विश्व के अनेक देशों का विश्वास जीत रहे हैं।

भारत आज केवल विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति ही नहीं, बल्कि एक उभरती हुई वैश्विक महाशक्ति के रूप में अपनी नई पहचान स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने जिस आत्मविश्वास, स्पष्टता और दूरदृष्टि का परिचय दिया है, उसने अंतरराष्ट्रीय राजनीति की दिशा बदल दी है। कभी जो भारत अपनी रक्षा आवश्यकताओं के लिए विदेशी हथियारों पर निर्भर था, वही भारत आज आधुनिक मिसाइलों, रक्षा प्रणालियों और सैन्य उपकरणों का निर्यात करने वाला विश्वसनीय राष्ट्र बन चुका है। यह परिवर्तन केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक, वैज्ञानिक, सैन्य और कूटनीतिक शक्ति का भी प्रमाण है। हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया सहित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ हुई उच्चस्तरीय वार्ताएं इस नई विदेश नीति की सफलता का सशक्त उदाहरण हैं। रक्षा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, तकनीक और रणनीतिक सहयोग के क्षेत्रों में हुए समझौते यह स्पष्ट करते हैं कि भारत अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक स्थिरता और सुरक्षा का महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है।

भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता है। वर्षों तक भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक माना जाता था, लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल रही है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान ने रक्षा उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल, आकाश वायु रक्षा प्रणाली, पिनाका रॉकेट सिस्टम, तेजस लड़ाकू विमान और अत्याधुनिक रक्षा उपकरण आज विश्व के अनेक देशों का विश्वास जीत रहे हैं। भारत की स्वदेशी अस्त्र मिसाइल और ब्रह्मोस मिसाइल आज केवल भारतीय सेना की शक्ति का प्रतीक नहीं हैं, बल्कि विश्व के अनेक देशों की सुरक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम भी बन रही हैं। पाकिस्तान के विरुद्ध आतंकवाद विरोधी अभियानों में इन हथियारों की प्रभावशीलता ने विश्व का ध्यान आकर्षित किया है। यही कारण है कि इंडोनेशिया जैसे महत्वपूर्ण देश अपने सुखोई लड़ाकू विमानों के लिए अस्त्र मिसाइल प्राप्त करना चाहते हैं तथा ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली खरीदने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह भारत के रक्षा उद्योग के प्रति बढ़ते वैश्विक विश्वास का प्रमाण है।

इंडोनेशिया हिंद-प्रशांत क्षेत्र का अत्यंत महत्वपूर्ण देश है। मलक्का जलडमरूमध्य जैसे विश्व के सबसे व्यस्त समुद्री

मार्ग पर उसकी रणनीतिक स्थिति वैश्विक व्यापार के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। भारत और इंडोनेशिया के बीच बढ़ता रक्षा सहयोग केवल दो देशों के संबंधों को मजबूत नहीं करता, बल्कि पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को भी नया आयाम देता है। समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद विरोध, रक्षा तकनीक, साइबर सुरक्षा और संयुक्त सैन्य अभ्यासों के माध्यम से दोनों देशों का सहयोग क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि भारत अब किसी पर निर्भर होकर नहीं, बल्कि समान साझेदारी और परस्पर सम्मान के आधार पर संबंध स्थापित कर रहा है। भारत किसी देश पर अपनी शक्ति थोपने में विश्वास नहीं रखता। उसकी विदेश नीति का मूल मंत्र है-'वसुधैव कुटुम्बकम्', 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' और 'विश्व बंधुत्व'। यही कारण है कि भारत जहां अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप के साथ रणनीतिक संबंध मजबूत कर रहा है, वहीं दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका, पश्चिम एशिया और वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ भी विश्वासपूर्ण साझेदारी विकसित कर रहा है।

आज हिंद-प्रशांत क्षेत्र विश्व राजनीति का केंद्र बन चुका है। चीन का विस्तारवादी रवैया, दक्षिण चीन सागर में उसका सैन्यीकरण, छोटे देशों पर दबाव बनाने की नीति तथा आर्थिक प्रभुत्व स्थापित करने के प्रयास विश्व समुदाय के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। भारत ने इन परिस्थितियों में संतुलित, शांतिपूर्ण लेकिन दृढ़ रणनीति अपनाई है। भारत किसी के विरुद्ध युद्ध नहीं चाहता, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता से कोई समझौता भी नहीं करता। यही संतुलित दृष्टिकोण भारत को विश्व का विश्वसनीय साझेदार बनाता है। भारत की बढ़ती रक्षा क्षमता चीन और पाकिस्तान जैसे देशों के लिए स्पष्ट संदेश है कि नया भारत अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम है। भारत अब केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और आधुनिक तकनीकी युद्ध की तैयारियों में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्वदेशी रक्षा उत्पादन इस दिशा में भारत की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरा है।

प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं की सबसे बड़ी सफलता यह रही है कि उन्होंने भारत की वैश्विक छवि को अभूतपूर्व ऊंचाई प्रदान की है। आज विश्व के बड़े राष्ट्र भारत को केवल विशाल बाजार के रूप में नहीं, बल्कि विश्वसनीय मित्र, तकनीकी साझेदार, निवेश गंतव्य और सुरक्षा सहयोगी के रूप में देख रहे हैं। जी-20 की सफल अध्यक्षता, क्वाड की सक्रिय भूमिका, इंडो-पैसिफिक सहयोग, वैश्विक दक्षिण की आवाज तथा जलवायु परिवर्तन, डिजिटल अर्थव्यवस्था और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में भारत का नेतृत्व इसकी पुष्टि करता है। भारत की विदेश नीति अब केवल कूटनीतिक दस्तावेज नहीं रही, बल्कि राष्ट्रीय विकास का सशक्त माध्यम बन चुकी है। रक्षा निर्यात बढ़ने से विदेशी मुद्रा अर्जित हो रही है, लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं, अनुसंधान एवं नवाचार को नई गति मिल रही है और भारतीय उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत हो रहे हैं। यह विकसित भारत के निर्माण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

भारत की विदेश नीति का मूल मंत्र सदैव शांति, सह-अस्तित्व और परस्पर सम्मान रहा है। आदर्श स्थिति में किसी भी दो देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी की नींव किसी तीसरे देश के प्रति वैमनस्य या शत्रुता पर नहीं, बल्कि साझा विकास, सुरक्षा और स्थिरता पर आधारित होनी चाहिए। किंतु अंतरराष्ट्रीय राजनीति आदर्शों से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हितों और शक्ति-संतुलन से संचालित होती है। आज चीन और पाकिस्तान अपने सैन्य एवं आर्थिक गठजोड़ को सऊदी अरब तक विस्तार देने के प्रयासों में जुटे हैं। हाल के सप्ताहों में सऊदी नेतृत्व और बीजिंग के बीच बढ़ती सक्रियता इस बदलते भू-राजनीतिक समीकरण का संकेत है। यद्यपि सऊदी अरब की प्राथमिक सुरक्षा चिंताएं पाकिस्तान और चीन से अलग हैं तथा उसका प्रमुख ध्यान खाड़ी क्षेत्र में ईरान के बढ़ते प्रभाव पर केंद्रित है, फिर भी बदलते वैश्विक समीकरण भारत के लिए सतर्क रहने का संदेश देते हैं। पाकिस्तान हर परिस्थिति में भारत के विरुद्ध रणनीतिक लाभ उठाने का अवसर तलाशता है, जबकि चीन अपने विस्तारवादी दृष्टिकोण के माध्यम से क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित करने का प्रयास करता है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी, संतुलित और सक्रिय विदेश नीति भारत के हितों की प्रभावी सुरक्षा करती दिखाई देती है। उनकी कूटनीति केवल मित्र देशों के साथ विश्वास बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि चीन और पाकिस्तान की शरारतों, षड्यंत्रों तथा सामरिक चुनौतियों का संयमित और दृढ़ता से सामना करने की क्षमता भी प्रदर्शित करती है। यही दूरगामी सोच भारत को एक विश्वसनीय, जिम्मेदार और प्रभावशाली वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है। आज विश्व एक ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो शक्ति और शांति, विकास और सुरक्षा, तकनीक और मानवता के बीच संतुलन स्थापित कर सके। भारत इस भूमिका को सफलतापूर्वक निभाने की क्षमता रखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने यह सिद्ध किया है कि सशक्त राष्ट्र वही होता है जो अपनी रक्षा करने में सक्षम होने के साथ-साथ विश्व शांति और मानव कल्याण का भी वाहक बने। निस्संदेह भारत अब विस्तारवाद का नहीं, विकासवाद का प्रतीक है। वह हथियारों का निर्माण युद्ध भड़काने के लिए नहीं, बल्कि शांति की रक्षा और संतुलन स्थापित करने के लिए कर रहा है। यही भारत की सांस्कृतिक चेतना, लोकतांत्रिक मूल्यों और जिम्मेदार वैश्विक नेतृत्व की पहचान है। आने वाले वर्षों में भारत की यही संतुलित विदेश नीति, आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति और विश्वसनीय कूटनीतिक नेतृत्व न केवल विकसित भारत के स्वप्न को साकार करेगा, बल्कि विश्व व्यवस्था को भी अधिक सुरक्षित, संतुलित और न्यायपूर्ण दिशा प्रदान करेगा।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

संपादकीय

गैंगवार पर वार

अमेरिका ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई व गोल्डी बराड़ के खिलाफ कई देशों में कार्रवाई करते हुए दो दर्जन लोगों को गिरफ्तार करने और नशीले पदार्थ व हथियार बरामद करने का दावा किया है। इतना ही नहीं कई अपराधों में वांछित गैंगस्टर गोल्डी बराड़ पर भी एफबीआई ने पचास हजार डॉलर का इनाम घोषित किया है। अमेरिकी अभियोजन पक्ष का दावा है कि इन गैंगों के गुर्गों के खिलाफ कार्रवाई में एफबीआई, लॉस एंजिल्स पुलिस, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस तथा अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर अधिकारियों ने हिस्सा लिया। अमेरिका की यह ताबड़-तोड़ कार्रवाई कनाडा सरकार की उस घोषणा के तुरंत बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि कनाडा के निज्जर हत्याकांड में भारत की कोई भूमिका नहीं थी। उल्लेखनीय है कि बहुचर्चित निज्जर हत्याकांड को लेकर पिछली जस्टिन ट्रूडो सरकार ने भारत सरकार के एक अधिकारी पर संलिप्तता के आरोप लगाए थे। जिसके चलते भारत व कनाडा के रिश्ते सबसे निचले स्तर तक जा पहुंचे थे। लेकिन नई सरकार ने ट्रूडो की थ्योरी को नकार दिया था। जिसके बाद ही अमेरिका की यह तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। कनाडा पुलिस के सूत्रों के अनुसार अमेरिका लारेंस बिश्नोई के प्रत्यारोपण की मांग करेगा। फिलहाल बिश्नोई गुजरात की एक जेल में 2015 से बंद है। बहरहाल, अमेरिकी एजेंसियों द्वारा चलाए गए ह्यहॉर्ड बॉल ऑपरेशनह्ण में जिन 24 लोगों की गिरफ्तारियां हुई हैं, उन पर भारत से जुड़े संगठित अपराधी गुटों से संबंध होने का आरोप लगाया है। लॉरेंस और गोल्डी बराड को कई मामलों में आरोपी बनाया गया है, जिसमें साल 2023 में खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की साजिश में शामिल होना भी है। बाकायदा अमेरिका ने बिश्नोई को निज्जर हत्याकांड में आरोपी बनाया है। उधर लॉस एंजिल्स के संघीय अभियोजकों का दावा है कि ये गिरफ्तारियां कई साल तक चली जांच का नतीजा हैं, जो भारतीय अपराधी गिरोहों पर केंद्रित रही हैं। अमेरिकी अधिकारियों द्वारा सार्वजनिक किए गए दस्तावेजों में 37 अभियुक्तों पर आरोप लगाए गये हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि अमेरिका की नीतियां अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर ही खत्म हो जाती हैं। ऐसे में भारतीय गैंगस्टरों पर की जा रही ताबड़-तोड़ कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठाये जा रहे हैं। निस्संदेह, गैंगवार पर अंकुश लगना चाहिए, लेकिन सवाल इस कार्रवाई की टाइमिंग को लेकर है। इससे ठीक पहले कनाडा सरकार ने निज्जर हत्याकांड में भारत की किसी भूमिका को खारिज किया था। अमेरिका का आकलन है कि राष्ट्रवाद के नाम पर

चिंतन-मनन

प्रार्थना की पुकार

यदि प्रार्थना सच्ची हो तो परमपिता परमेश्वर उस प्रार्थना को जरूर ही सुनते हैं। परमपिता परमेश्वर अत्यंत कृपालु और दयालु हैं, परंतु प्रार्थना के लिए भी हृदय का पवित्र और निर्मल होना अत्यंत आवश्यक है। मन का पवित्र होना, अहंकार और अभिमान से रहित होना नितांत आवश्यक है। ऐसे पवित्र-हृदय-अंतः करण से उत्पन्न हुए भाव ही प्रार्थना हैं। हृदय की पवित्रता का अर्थ है अपने आपको सांसारिक तुच्छ विषय-वासनाओं की आसक्तियों से मुक्त कर लेना। सब तरह की आसक्ति से रहित होना ही हृदय की पवित्रता है। किसी तपस्वी ने ठीक ही कहा है- सच्चे-वास्तविक जीवन को पाने की आकांक्षा उत्पन्न होना ही प्रार्थना है। हमारे भीतर हृदय में जिसकी खोज होगी, भीतर जिस चीज को पाने की प्यास होगी- तो, ही हम उस दिशा में जा सकेंगे। प्रार्थना होती है आत्म बोध से। आत्मबोध में ही परमार्थ की प्यास जगती है और तुच्छ स्वार्थी का परित्याग होता है।

प्रार्थना है- परिपूर्ण समर्पण, अपने अहंकार के बोझ को अपने सिर से उतार फेंकना और उसके पावन चरणों में अपना सिर झुका देना। जो प्रभु की कृपाएं और उनका अनुग्रह चाहता है उसे चाहिए कि वह किसी से भी किसी तरह का वैर-विरोध न करे। वह सत्य बोले, वह असत्य, छल-कपट, निंदा-चोरी आदि से हमेशा दूर रहे। अपनी इंद्रियों पर हमेशा संयम रखे, किसी भी प्रकार का लोलुप-लालची न हो। वह कभी अहंकार अभिमान न करे, शत्रु-द्वेष को छोडकर मन को शुद्ध पवित्र रखें। प्रार्थना की शक्ति बहुत ही अद्भूत है। वह भगवान को भक्त का उद्धार करने के लिए अवश्य ही बाध्य कर देती है, परंतु प्रार्थना सच्ची हो, हृदय से हो। भगवान ने प्रार्थना मीरा की सुनी, बुद्ध की सुनी, उन सबकी सुनी जिन्होंने परहित के लिए उन्हें याद किया। वह हर मानव मन में चल रहे भाव-कुभाव को अच्छी तरह से जानते हैं। अतः उसके समक्ष जब भी जाएं, शुद्ध भाव रखें।

मुफ्त दवा योजना पर संकट नहीं समाधान की जरूरत

कांतिलाल मांडोत

जीवनरक्षक दवाओं की कमी गरीब मरीजों के लिए गंभीर चुनौती लेकिन समय रहते व्यवस्था सुधारकर सरकार भरोसा फिर मजबूत कर सकती है...

राजस्थान की राजधानी जयपुर स्थित सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल केवल एक चिकित्सा संस्थान नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के लाखों मरीजों की उम्मीद का सबसे बड़ा केंद्र है। हर दिन हजारों मरीज दूर-दराज के गांवों और कस्बों से यहां इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि उन्हें बेहतर इलाज के साथ सरकार की निशुल्क दवा योजना का लाभ मिलेगा। लेकिन जब इलाज के बाद डॉक्टर की लिखी दवाएं अस्पताल के काउंटर पर उपलब्ध नहीं होतीं तो मरीज और उसके परिजनों की चिंता कई गुना बढ़ जाती है। हाल के दिनों में जीवनरक्षक दवाओं सहित बड़ी संख्या में दवाओं की अनुपलब्धता की खबरें सामने आई हैं। यह स्थिति निश्चित रूप से चिंता का विषय है और इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

गरीब और मध्यम वर्ग का बड़ा हिस्सा सरकारी अस्पतालों पर निर्भर रहता है। निजी अस्पतालों और मेडिकल स्टोर से दवाएं खरीदना हर परिवार के लिए आसान नहीं होता। विशेष रूप से कैंसर, हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य गंभीर बीमारियों के मरीजों के लिए नियमित दवाएं जीवन का आधार होती हैं। यदि ऐसी दवाएं समय पर नहीं मिलें तो बीमारी बढ़ सकती है और आर्थिक बोझ भी कई गुना बढ़ जाता है। यही कारण है कि निशुल्क दवा योजना को राजस्थान की सबसे महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं में गिना जाता है। जयपुर के एसएमएस अस्पताल में जिन मरीजों को एक काउंटर से दूसरे काउंटर तक भेजा गया, कई दिनों बाद आने के लिए कहा गया या फिर बाहर से दवा खरीदने की सलाह दी गई, उनकी परेशानी को सहज रूप से समझा जा सकता है। जो मरीज सैकड़ों किलोमीटर दूर से किराया खर्च करके अस्पताल पहुंचता है, उसके लिए केवल दवा ही नहीं बल्कि दोबारा आने-जाने का खर्च भी बड़ी चुनौती बन जाता है। ऐसे मरीजों के सामने यह प्रश्न खड़ा हो जाता है कि वह इलाज कराए या परिवार का खर्च चलाए।

यह भी सच है कि यह समस्या केवल जयपुर तक सीमित नहीं दिखाई देती। प्रदेश के कई सरकारी अस्पतालों में समय-समय पर कुछ दवाओं की कमी की शिकायतें सामने आती रही हैं। कहीं सप्लाई में देरी होती है तो कहीं खरीद प्रक्रिया पूरी होने तक मरीजों को इंतजार करना पड़ता है। इससे सरकार की अच्छी योजनाओं की छवि प्रभावित होती है। जनता यह नहीं देखती कि कमी किस स्तर पर हुई है। उसके लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह होती है कि अस्पताल पहुंचने पर दवा मिलनी चाहिए।

हालांकि इस पूरे विषय को केवल आलोचना के दृष्टिकोण से देखना भी उचित नहीं होगा। राजस्थान सरकार ने पिछले कई वर्षों में चिकित्सा सुविधाओं का उल्लेखनीय विस्तार किया है। नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, जिला अस्पतालों का सुदृढ़ीकरण, मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना और निशुल्क जांच योजना जैसी पहल ने लाखों गरीब परिवारों को राहत दी है। यदि ये योजनाएं नहीं होतीं तो गरीब मरीजों का इलाज और भी कठिन हो जाता। इसलिए यह कहना उचित होगा कि योजना में कमी नहीं है बल्कि उसके क्रियान्वयन के कुछ हिस्सों में सुधार की आवश्यकता है।

अस्पताल प्रशासन का यह कहना भी महत्वपूर्ण है कि कुछ दवाएं राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड से उपलब्ध नहीं हो पातीं तो स्थानीय स्तर पर खरीद की जाती है। कई बार आपूर्ति करने वाली कंपनियों की ओर से विलंब होने के कारण अस्थायी समस्या उत्पन्न हो जाती है। यदि वास्तव में ऐसा है तो इसका समाधान भी प्रशासनिक स्तर पर संभव है। दवाओं की उपलब्धता का नियमित आकलन, समय रहते नई खरीद प्रक्रिया और वैकल्पिक व्यवस्था से इस प्रकार की कठिनाइयों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। स्वास्थ्य व्यवस्था जितनी बड़ी होती है, चुनौतियां भी उतनी ही अधिक होती हैं। राजस्थान जैसे विशाल राज्य में करोड़ों लोगों को निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना आसान कार्य नहीं है। दवाओं की मांग लगातार बढ़ रही है और कई बार अनुमान से अधिक मरीज आने के कारण स्टॉक जल्दी समाप्त हो जाता है। इसलिए इस समस्या को केवल लापरवाही कह देना भी पूरी तस्वीर नहीं दर्शाता। आवश्यकता इस बात की है कि स्वास्थ्य विभाग, अस्पताल प्रशासन और दवा आपूर्ति एजेंसियां मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करें जिससे आवश्यक दवाओं का भंडार हमेशा सुरक्षित रहे। तकनीक का बेहतर उपयोग भी इस दिशा में बड़ा समाधान बन सकता है। यदि सभी सरकारी अस्पतालों में दवाओं का ऑनलाइन स्टॉक रियल टाइम अपडेट हो तो यह पहले ही पता चल जाएगा कि कौन सी दवा कितनी मात्रा में बची है और कब नई खेप की आवश्यकता होगी। इससे आपूर्ति में होने वाली देरी को काफी हद तक रोका जा सकता है। मरीजों को भी मोबाइल या हेल्पलाइन के माध्यम से यह जानकारी मिल सके कि संबंधित दवा किस अस्पताल में उपलब्ध है। इससे उन्हें अनावश्यक चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

साथ ही अस्पतालों में मरीजों के साथ संवाद की व्यवस्था भी बेहतर होनी चाहिए। यदि किसी दवा की अस्थायी कमी है तो मरीज को स्पष्ट रूप से बताया जाए कि दवा कब तक उपलब्ध होगी या उसका सुरक्षित विकल्प क्या है। कई बार जानकारी के अभाव में मरीज अधिक परेशान हो जाता है। संवेदनशील व्यवहार और स्पष्ट सूचना भी आधी समस्या का समाधान कर देती है। इस विषय में जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों की भी भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्हें केवल आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित रहने के बजाय स्थानीय स्तर पर समस्याओं की जानकारी सरकार तक पहुंचानी चाहिए। जहां भी दवा की कमी हो, वहां तत्काल समाधान के लिए प्रयास होने चाहिए। स्वास्थ्य सेवा राजनीति का नहीं बल्कि मानवता का विषय है। इसलिए सभी पक्षों को मिलकर काम करना चाहिए।

सरकार के सामने यह अवसर भी है कि वह इस घटना को एक चेतावनी के रूप में लेकर पूरे प्रदेश में दवा आपूर्ति व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करे। जिन अस्पतालों में जीवनरक्षक दवाओं की कमी है वहां तत्काल अतिरिक्त स्टॉक भेजा जाए। खरीद प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी तथा तेज बनाया जाए। जिन अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होती है, वहां जवाबदेही भी सुनिश्चित की जाए। इससे जनता का विश्वास और मजबूत होगा।

पेट्रोल में एथनाल : आखिर ये माजरा क्या है?

निर्मल रानी

भारत में इन दिनों पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल का मिश्रण किये जाने यानी ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से होने वाले नुक़्सान को लेकर बहस छिड़ गयी है। इसके प्रयोग से देश भर से वाहनों के इंजन खराब होने की खबरें मीडिया में आने लगी हैं। ई20 उपभोक्ता अब न केवल इसकी शिकायतें करने लगे हैं बल्कि जगह जगह इसे लेकर धरना प्रदर्शन भी होने लगे हैं। गत दिनों तो दिल्ली के जंतर मंतर पर भी ई20 मिश्रित पेट्रोल के विरोध में प्रदर्शन किया गया।और इससे वाहनों को होने वाले नुक़्सान को लेकर सरकार को अवगत कराया गया। भारत में हो रहे इसके विरोध व इसके इस्तेमाल से आ रही परेशानियों व वाहनों को हो रहे कथित नुक़्सान की खबरों के बीच पड़ोसी देश भूटान ने भी भारतीय तेल कंपनियों से एथनाल मिश्रित ई 20 पेट्रोल वहां न भेजने व केवल पूर्व में भेजा जा रहा केवल शुद्ध XP100 जैसे पेट्रोल की आपूर्ति करने को कहा है। भूटान द्वारा इसका कारण यह बताया गया है कि पेट्रोल पंपों पर भण्डारण के पुराने भूमिगत फ़्यूल टैंक में ई 20 पेट्रोल के भण्डारण की वजह से पानी के रिसाव का जोखिम है जिससे एथनाल मिश्रित ईंधन खराब हो सकता है। क्योंकि इथेनॉल की प्रवृति नमी को आकर्षित करने वाली होती है और वातावरण से नमी लेने पर ईंधन की गुणवत्ता घट सकती है और इंजन में अनेक प्रकार की समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा पहाड़ी इलाके में स्टोरेज और सप्लाई श्रृंखला को आधुनिक करना भी आवश्यक होगा, जिसमें तत्काल परिवर्तन करना जोखिमपूर्ण माना गया। भूटान द्वारा अपनी आपत्ति में पहाड़ी रास्तों में वाहन के परफामेंस पर भी फर्क पड़ने का संदेह व्यक्त किया गया है।

भारत में भी देश भर से गाड़ियों के खराब होने,गाड़ियों की पेट्रोल टंकी के गलने व जंग लगने,माइलेज कम होने व इंजन के खराब होने तक की शिकायतें आने लगी हैं। और उधर इसी ई 20 पेट्रोल की आपूर्ति व खपत की आड़ में शुद्ध पेट्रोल यानी एक्सपी100 का मूल्य 167 रुपए प्रति लीटर तक हो गया है। एथनाल के उपयोग से केवल गाड़ियां ही खराब नहीं हो रही हैं बल्कि इसके उत्पादन में भी पानी का भी बेतहशा दुरूपयोग किया जा रहा है जिससे भविष्य में यह जलसंकट का कारण भी बन सकता है। गौरतलब है कि एथनॉल का उत्पादन चावल ,मक्का और गन्ना आदि की फसलों से होता है। और इन सभी फसलों की पैदावार में बेतहाशा पानी का इस्तेमाल होता है। इसके बाद जब इसी फसल से एथनॉल बनाया जाता है तो इसमें और भी ज्यादा पानी खर्च होता है। मिसाल के तौर पर चावल से 1 लीटर एथनॉल बनाने में लगभग 10790 लीटर पानी खर्च होता है जबकि मक्का से 1 लीटर एथनॉल बनाने में करीब 4670 लीटर पानी की खपत होती है इसी तरह गन्ने से मात्र 1 लीटर एथनाल बनाने में तकरीबन 3630 लीटर पानी लगता है। गोया पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण की नीति देश के जल बचाने के अभियान के ठीक विरुद्ध जलसंकट खड़ा करने में भी सहायक हो सकती है। जरा सोचिये कि जब ई20 पेट्रोल की आपूर्ति में जल का इतना इस्तेमाल होता है तो यदि भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की इच्छानुसार पेट्रोल में 85 प्रतिशत मिश्रण कर ई85 की आपूर्ति की योजना पर अमल किया गया तो भारत जैसे उस देश में पानी के अकाल को कैसे टाला जा सकेगा जहां के कई इलाकों में पहले ही पीने का पानी लोगों को मयस्सर नहीं है? हालांकि अब खबर यह भी आ रही है कि भारी विरोध के बीच केंद्र सरकार अब ई25 पेट्रोल को लागू करने की योजना को फिलहाल टाल सकती है। सरकारी सूत्रों के अनुसार सरकार अब इस ई25 बदलाव को जल्दबाजी में लागू करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने पर विचार कर रही है।

देश में पेट्रोल में एथनाल के मिश्रण को लेकर कुछ जिम्मेदार लोगों के विरोधाभासी बयान भी सुनाई दे रहे हैं। इसकी वजह से आम लोगों में एथनाल के मिश्रण के प्रति अविश्वास व भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। मिसाल के तौर पर टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के कंट्री हेड और एग्जीक्युटिव वाईस प्रेसिडेंट विक्रम गुलाटी ने अपने एक इंटरव्यू में पहले तो यह स्वीकार किया था कि ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से बेशक फ़्यूल एफि शिएंसी में कुछ कमी आती है। परन्तु बाद में उन्होंने ही प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसे परफॉर्मेंस के मामले में बेहतरीन ईंधन भी बता डाला। इसी तरह भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के बायोफ़्यूलस के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनुराग सरावगी ने भी स्वीकार किया था कि एथनॉल मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल करने से गाड़ियों की माइलेज में 30 प्रतिशत तक कमी आ सकती है। इतना ही नहीं बल्कि भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने गत 30 जून को सर्वोच्च न्यायलय में एक सुनवाई के दौरान अदालत को यह भी बताया कि ई-20 पेट्रोल का इस्तेमाल फिलहाल एक प्रयोग के तौर पर किया जा रहा है। इस बात के सार्वजनिक होने के बाद तो लोगों में और भी आक्रोश फैल गया कि आखिर प्रयोग के तौर पर उन्हें गिनी पिग अर्थात प्रयोग किये जाने वाला जीव क्यों बनाया जा रहा है। उसके बाद सरकार की तरफ से यह स्पष्टीकरण जारी किया गया कि अटॉर्नी जनरल के हवाले से कही जा रही बातें गलत हैं।

कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने भी एक तरह से अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी की बातों का समर्थन करते हुए इस बात पर नाराजगी जताई कि 3.6 करोड़ भारतीय कार मालिकों पर इसतरह के प्रयोग क्यों किए जा रहे हैं ? उन्होंने कहा कि अभी भारत में 10 में से 9 गाड़ियां ई20 के अनुकूल नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह नीति आम सहमति के बिना और इसके होने वाले परिणामों को समझे बगैर लागू कर दी गई है। खड़गे ने यह भी कहा, हमारी गाड़ियों में इसे जबरदस्ती डालने के बाद आप राष्ट्रीय स्तर पर ईंधन बदलने की इस प्रक्रिया को प्रयोग नहीं कह सकते। उन्होंने कहा कि जब सरकार का अपना डेटा ही अभी तक तैयार नहीं है, तो नागरिकों को नुक़्सान साबित करने की चुनौती नहीं दी जा सकती। आम लोग गिनी पिग नहीं हैं न ही हमारी सड़कें टेस्ट ट्रैक हैं और देश के उपभोक्ताओं की जेबें सरकार के ट्रायल का बजट नहीं हैं। खड़गे ने ई20 को वापस लेने मांग करते हुये कहा कि सरकार पहले इसे प्रयोग के योग्य,स्वीकार्य व प्रमाणित ईंधन साबित करे, फिर इसे प्रयोग करने की नीति लागू करें। निश्चित रूप से पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल मिश्रण देश के वाहन धारकों के लिये फिलहाल एक समस्या बन गया है और सरकार द्वारा इसके पक्ष में दिए जा रहे तर्कों व विशेषज्ञों व इस नीति के आलोचकों द्वारा उठाये जा रहे बिंदुओं के बीच देश समझ ही नहीं पा रहा है की आखिर ये माजरा क्या है?

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण चीन में बाढ़ का कहर : छह की मौत, 11 लापता, लाखों लोग प्रभावित

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिण चीन के गुआंग्शी ज़ुआंग स्वायत्त क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ में मंगलवार शाम तक छह लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 11 लोग अब भी लापता हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, टाइफून मेसाक की वजह से हुई भारी बारिश से गुआंग्शी में करीब 3.75 लाख लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि 1.30 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। गुआंग्शी में राहत और बचाव का काम तेजी से जारी है। खोज और बचाव अभियान के लिए 8,000 से ज्यादा कर्मियों, 1,700 से अधिक वाहनों और 5,700 नावों को लगाया गया है। इसके साथ ही खतरनाक जगहों को सुरक्षित बनाने का काम भी चल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, इलाके के कई हिस्सों में अगले तीन दिनों तक भारी बारिश होने की संभावना है। फिलहाल क्षेत्र के 341 जलाशयों में पानी खतरे के निशान से ऊपर है। वहीं, 41 नदियों के 56 निगरानी केंद्रों पर भी पानी का स्तर चेतावनी सीमा से ऊपर दर्ज किया गया है। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि वह लोगों को समय रहते चेतावनी देने, जरूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और बाढ़ के बाद राहत व पुनर्वास के काम को और मजबूत करेगा।

अच्छी इंसान होकर भी मेलोनी ने गलती की, खराब हो गए रिश्ते : डोनाल्ड ट्रंप

अंकारा, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने ईरान से जुड़े सैन्य अभियान में अमेरिका का साथ न देकर 'गलती' की। इस फैसले की वजह से दोनों देशों के रिश्तों में खटास आ गई। ?उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) शिखर सम्मेलन से पहले अंकारा में तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के साथ बैठक से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट और ईरान से जुड़े मामले में इटली के सहयोग से इनकार करने के बाद मेलोनी के साथ उनके रिश्ते 'थोड़े खराब हो गए।' जब ट्रंप से सोशल मीडिया पर मेलोनी को लेकर की गई एक हालिया पोस्ट के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि वह अच्छी इंसान हैं।' उन्होंने कहा, 'पहले हमारे रिश्ते अच्छे थे, लेकिन फिर थोड़े खराब हो गए क्योंकि उन्होंने हमारी मदद करने से मना कर दिया। मैंने उन पर ज्यादा दबाव नहीं डाला था, लेकिन उन्होंने होर्मुज स्?ट्रेट के मामले में या कहें कि ईरान के मुद्दे पर, शामिल होने से इनकार कर दिया।' ट्रंप ने कहा कि इटली के इस फैसले का असर उनके रिश्तों पर पड़ा, हालांकि उन्होंने मेलोनी की तारीफ भी की। उन्होंने कहा, 'इससे मेरे और उनके रिश्ते में थोड़ी खटास आ गई। लेकिन, मैं उन्हें पसंद करता हूं। मुझे लगता है कि वह अच्छी इंसान हैं, लेकिन उन्होंने गलती की।' राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यूरोपीय देशों का होर्मुज स्ट्रेट में स्थिरता बनाए रखने में सीधा हित है क्योंकि वे मध्य पूर्व से आने वाले तेल पर काफी हद तक निर्भर हैं। उन्होंने कहा, 'उन्हें अपना बहुत सारा तेल वहीं से मिलता है। हमें वहां से तेल की जरूरत नहीं है। अमेरिका के पास बहुत ज्यादा तेल है, बल्कि दुनिया में सबसे ज्यादा तेल हमारे पास है।

ईरानी संसद के स्पीकर की दो-टूक, अब धौंस जमाने और जबरन वसूली का दौर नहीं; अमेरिका पर क्या आरोप लगाए?

तेहरान, एजेंसी। क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के बीच, ईरान के शीर्ष वार्ताकार और संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने वाशिंगटन पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से द्विपक्षीय समझौतों के कई उल्लंघनों का विस्तृत विवरण दिया है। एक्स पोस्ट में, वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने अमेरिकी प्रशासन की ओर से किए गए समझौता ज्ञापन के कई प्रमुख उल्लंघनों को गिनाया, जो दोनों देशों के बीच राजनयिक प्रतिबद्धताओं में गंभीर दरार का संकेत देता है। संसद अध्यक्ष के अनुसार, इन अमेरिकी कार्रवाइयों में 'जलडमरूमध्य में ईरानी समायोजन का उल्लंघन', 'आगे और हमलों की लगातार धमकियां', 'तेल प्रतिबंधों को फिर से लागू करना', 'दक्षिण ईरान पर हमले' और लेबनान में 'जायोनी आक्रामकता का जारी रहना' शामिल हैं। गालिबाफ ने आगे कहा 'धमकी और जबरन वसूली का युग समाप्त हो गया है। इससे कुछ हासिल नहीं होता।' 'हम झुकेंगे नहीं।' तेहरान की यह तीखी बयानबाजी वाली जवाबी प्रतिक्रिया, समुद्री क्षेत्र में हुई ताजा घटनाओं के बाद अमेरिका द्वारा ईरानी ठिकानों के खिलाफ व्यापक सैन्य अभियान शुरू करने के साथ, शत्रुता में नाटकीय वृद्धि की सीधी प्रतिक्रिया है। भारी बमबारी के परिचालन संबंधी विवरण प्रदान करते हुए, अमेरिकी केंद्रीय कमान ने पुष्टि की कि उसने 7 जुलाई को जवाबी हमलों की एक श्रृंखला को अंजाम दिया, जिसमें ईरान के अंदर 80 से अधिक सैन्य ठिकानों पर सटीक निर्देशित गोला-बारूद से हमला किया गया। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, इन लक्षित अभियानों का मुख्य उद्देश्य तेहरान की समुद्री आक्रमण क्षमताओं को नष्ट करना था। कई घंटों तक चले इस अभियान के दौरान जिन लक्ष्यों को नष्ट किया गया उनमें कमान और नियंत्रण नेटवर्क, वायु रक्षा तंत्र, तटीय रडार प्रतिष्ठान, जहाज-रोधी मिसाइल स्थल और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर की 60 से अधिक छोटी नौकाएं शामिल थीं।

अमेरिका ने सीजफायर के बीच ईरान पर एयरस्ट्राइक की

80 से ज्यादा ठिकानों को निशाना बनाया ; ईरान ने बहरीन और कुवैत में जवाबी हमले किए

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका ने सीजफायर के बीच बुधवार तड़के ईरान पर एयरस्ट्राइक की है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों को सटीक हथियारों से निशाना बनाया गया। अमेरिका का कहना है कि यह कार्रवाई होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे तीन जहाजों पर हुए हमलों के जवाब में की गई। वॉशिंगटन ने इन हमलों के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया है

एयरस्ट्राइक में एयर डिफेंस सिस्टम, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, तटीय रडार, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, एंटी-शिप मिसाइल सिस्टम, ड्रोन लॉन्च साइट्स और ढ्रुवनष्ट की 60 से ज्यादा मिलिट्री बोट्स को निशाना बनाया गया। ईरानी मीडिया के मुताबिक, सीरिक, केश्म द्वीप और बंदर अब्बास में कई धमाके हुए और कुछ जगहों पर आग लग गई। इसके जवाब में ईरानी सेना ने बहरीन और कुवैत में अमेरिका सैन्य ठिकानों पर 85 से ज्यादा टारगेट्स हिट करने का दावा किया है।

कतर ने होर्मुज में ईरानी हमलों की निंदा की: कतर ने होर्मुज में उसके जहाज पर हमले की निंदा करते हुए ईरान को कानूनी रूप से पूरी तरह जिम्मेदार ठहराया। साथ ही कहा कि ईरानी हमले अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा के लिए खतरा हैं।

ईरान बोला- धमकियों के बीच अमेरिका से बातचीत नहीं: ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि धमकियों के माहौल में कोई समझौता नहीं होगा। पहले अमेरिका को अपने पुराने समझौतों का सम्मान करना होगा।

कोम में खामेनेई के जनाजे में लाखों की भीड़ उमड़ी : तेहरान में अंतिम यात्रा के बाद लगातार दूसरे दिन कोम में भी खामेनेई के जनाजे में लाखों की भीड़ उमड़ी। कई लोगों ने ताबूत पर लाल कपड़ा भी चढ़ाया, जो बदले का प्रतीक है।

खामेनेई का पार्थिव शरीर इराक के नजफ पहुंचा: ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई का पार्थिव शरीर मंगलवार रात इराक के नजफ शहर पहुंचा। ईरान में कई दिनों तक चली अंतिम यात्रा और धार्मिक रस्मों के बाद ताबूत को विशेष विमान से नजफ लाया गया।

अमेरिकी अधिकारी का दावा- पहले से 4-5 गुना बड़ा हमला : एक अमेरिकी अधिकारी ने एक्सियोस से कहा कि इस बार ईरान पर किया गया हमला दस दिन पहले हुए हमलों की तुलना में 'चार से पांच गुना अधिक बड़ा और ज्यादा शक्तिशाली' है। अधिकारी ने यह भी कहा कि यह सैन्य अभियान कई घंटे और जारी रह सकता है तथा अप्रैल में हुए युद्धविराम के बाद यह अमेरिका की सबसे बड़ी सैन्य कार्रवाई है। एक अन्य अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि यह अभियान 'सिर्फ जवाबी कार्रवाई नहीं बल्कि सजा देने के उद्देश्य से' चलाया जा रहा है। अधिकारी ने कहा, 'यह सजा है और यह अभी खत्म नहीं होने वाला।अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने 21 जून को पूर्व प्रतिबंधों में ढील देते हुए 21 अगस्त तक ईरानी कच्चे तेल, पेट्रोकेमिकल और पेट्रोलियम उत्पादों के उत्पादन, आपूर्ति और बिक्री की अनुमति दी थी। यह फैसला अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन के बाद लिया गया था। वहीं, ईरान के सरकारी प्रसारक आईआपआईबी ने मंगलवार को सूत्रों के हवाले से दावा किया कि कतर के तेल टैंकर Al-Raqayat को इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वह अमेरिकी नौसेना के समर्थन के साथ ओमानी मार्ग से होर्मुज जलडमरूमध्य पार करने की कोशिश कर रहा था और उसने ईरान की कई चेतावनियों को नजरअंदाज किया। IRIB ने ईरान के पुराने रुख को दोहराते हुए कहा कि अमेरिका के हमले के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति पहले जैसी नहीं रहेगी। जलडमरूमध्य से गुजरने वाले सभी जहाजों को केवल उन्हीं मार्गों का इस्तेमाल करना होगा जिन्हें ईरान ने निर्धारित किया है, अन्यथा उनकी सुरक्षा की गारंटी नहीं दी जा सकती। अमेरिकी फैसले से पहले तीन तेल टैंकरों के होर्मुज जलडमरूमध्य और उसके आसपास अज्ञात प्रोजेक्टाइल से प्रभावित होने की सूचना मिली थी। यह जानकारी ब्रिटेन की यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स ने दी। हालांकि, इन हमलों की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली और तेहरान की ओर से भी तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई।

बलूचिस्तान में मांगी डैम सुरक्षा चौकी पर आतंकी हमला : 9 पुलिसकर्मियों की मौत

क्वेटा/इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत दक्षिण-पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान से एक बार फिर बड़े आतंकी हमले की खबर सामने आई है। जियारत ज़िले में निर्माणाधीन 'मांगी डैम' की सुरक्षा में तैनात पुलिस बल पर अज्ञात बंदूकधारियों ने घात लगाकर आत्मघाती हमला किया। इस बर्बर हमले में दो वरिष्ठ अधिकारियों सहित कम से कम 9 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि कई जवानों के लापता होने की खबर है। जियारत के डिप्टी कमिश्नर अब्दुल कुद्दूस अचकजई ने बीबीसी उर्दू को बताया कि हमलावर आधुनिक हथियारों से लैस थे और उन्होंने अचानक सुरक्षा चौकी को निशाना बनाते हुए अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

क्यों अहम है यह बांधः प्रभावित पुलिसकर्मी अरबों रुपये की लागत से बन रहे मांगी डैम के निर्माण स्थल की सुरक्षा के लिए तैनात थे। यह बांध बलूचिस्तान की प्रांतीय राजधानी क्वेटा में पीने के पानी के गंभीर संकट को दूर करने के उद्देश्य से बनाया जा रहा है।

लापता जवानों के लिए सर्च ऑपरेशनः हमले के बाद से लापता पुलिसकर्मियों की सुरक्षित वापसी के लिए इलाके में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। घटना के विरोध में स्थानीय लोगों और परिजनों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर उग्र प्रदर्शन भी किया।

हालांकि, अभी तक किसी भी बड़े उग्रवादी संगठन ने इस हमले की आधिकारिक जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने इलाके में तुरंत मोर्चा संभाल लिया है। बलूचिस्तान प्रशासन के दावों के मुताबिक, हमले के तुरंत बाद जियारत और आसपास के पहाड़ी इलाकों में एक बड़ा 'क्लियरेंस ऑपरेशन' चलाया गया। इस जवाबी कार्रवाई के दौरान सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के 15 उग्रवादियों को मार गिराने का दावा किया है। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने इस कायरतापूर्ण हमले की कड़ी निंदा करते हुए जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों को देश का गौरव बताया। अफगानिस्तान और ईरान की सीमाओं से सटा बलूचिस्तान प्रांत पिछले लंबे समय से हिंसक उग्रवाद की आग में झुलस रहा है।

स्थानीय बनाम सीमा पार का संकटः यहाँ बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी) जैसे स्थानीय अलगाववादी गुट प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण और अधिक स्वायत्तता की मांग को लेकर पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाते रहे हैं। हाल ही में मई महीने में भी बीएलए ने एक सैन्य ट्रेन पर हमला किया था जिसमें 20 जवानों की मौत हुई थी।

ड्रोन और सीमा विवादः इसके साथ ही इस क्षेत्र में सीमा पार (अफगान बॉर्डर) से होने वाले हवाई और जमीनी हमले भी बढ़े हैं। पिछले हफ्ते ही पाकिस्तान सेना ने सीमा पर चार संदिग्ध ड्रोन मार गिराने का दावा किया था, जिसके बाद से दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव चरम पर है।

फ्रांसीसी अदालत से मरीन ले पेन को राहत, जानें कोर्ट ने क्या रखी शर्त; राष्ट्रपति चुनाव लड़ने पर संशय

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की दक्षिणपंथी नेता मरीन ले पेन को 2027 के राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की दिशा में बड़ी राहत मिली है। हालांकि, अपील अदालत ने साफ किया है कि उन्हें अपनी सजा के तहत घर पर रहते हुए इलेक्ट्रॉनिक निगरानी ब्रेसलेट पहनना होगा। जबकि ले पेन पहले ही कह चुकी हैं कि इस शर्त के साथ चुनाव प्रचार करना उनके लिए स्वीकार्य नहीं होगा। पेरिस की अपील अदालत ने मंगलवार को ले पेन को यूरोपीय संसद के धन के गबन (गबन/दुरुपयोग) के मामले में दोषी माना, लेकिन उनकी सजा में कुछ राहत दी। अदालत ने सार्वजनिक पद संभालने पर लगी रोक को पांच साल से घटाकर 45 महीने कर दिया। इनमें से दो-तिहाई अवधि निलंबित रहेगी। इसके अलावा, उनकी जेल की सजा भी चार साल से घटाकर तीन साल कर दी गई। इनमें से दो साल की सजा निलंबित रहेगी, जबकि एक साल की सजा उन्हें घर पर इलेक्ट्रॉनिक निगरानी ब्रेसलेट पहनकर पूरी करनी होगी। यह मामला 2004 से 2016 के बीच का है। आरोप है कि ले पेन और उनकी पार्टी नेशनल रैली के अन्य नेताओं ने यूरोपीय संसद के उन फंड

का गलत इस्तेमाल किया, जो संसदीय सहायकों के वेतन के लिए दिए गए थे। आरोप के अनुसार, इस धन से पार्टी के कर्मचारियों को भुगतान किया गया। मार्च 2025 में निचली अदालत ने ले पेन को इस मामले में दोषी ठहराते हुए चार साल की जेल और पांच साल तक कोई निर्वाचित पद नहीं संभालने की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ उन्होंने अपील की थी। 57 वर्षीय मरीन ले पेन लगातार सभी आरोपों से इनकार करती रही हैं। उनका कहना है कि उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया। वह 2027 में फ्रांस के राष्ट्रपति पद के लिए चौथी बार चुनाव लड़ना चाहती हैं।

लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ को अमेरिका-कनाडा ने निज्जर हत्याकांड का आरोपी बनाया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने भारत में जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके साथी सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ पर नवंबर 2023 में कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आदेश देने का आरोप लगाया है.

लॉस एंजिल्स में मंगलवार को जारी एक संघीय आरोप पत्र के अनुसार बिश्नोई ने तीन साल पहले 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक सिख मंदिर के बाहर निज्जर की हत्या का आदेश दिया था. ऑपरेशन हार्डबॉल' नाम के एक कोऑर्डिनेटेड एक्शन में अमेरिका, कनाडा और यूरोप की लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों ने 24 लोगों को गिरफ्तार किया. इनमें से 11 कैलिफ़ोर्निया में थे जो भारत के तीन ट्रांसनेशनल ऑर्गनाइज्ड क्राइम ग्रुप से जुड़े थे. उन पर निज्जर की हत्या समेत कई क्रिमिनल कामों का

आरोप था. अमेरिकी फर्स्ट असिस्टेंट अटॉर्नी बिल एसेली ने लॉस एंजिल्स में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'एक साथ काम करते हुए अमेरिका, कनाडा, यूरोप और एशिया में लॉ एनफोर्समेंट इन क्रिमिनल ऑर्गनाइजेशन को टारगेट करने और खत्म करने के लिए पक्का इरादा कर चुकी है, चाहे वे कहीं भी काम करते हों. इन गुंडों के लिए कोई सेफ जगह नहीं है.' निज्जर की हत्या से भारत और कनाडा के बीच आपसी रिश्ते खराब हो गए थे, क्योंकि उस समय के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने नई दिल्ली सरकार को इस हत्या से जोड़ने की कोशिश की थी. भारत ने इन दावों को 'बेतुका और जानबूझकर किया गया' बताकर खारिज कर दिया था. मौजूदा कार्रवाई भारतीय क्राइम सिंडिकेट की सालों से चल रही फेडरल जांच का नतीजा है, जो रैकेटियरिंग, टारगेटेड किलिंग, शूटिंग, जबरन वसूली, इंटरनेशनल बॉर्डर के पार भारी मात्रा में नशीले पदार्थों की तस्करी और दुनिया भर में दूसरे ऐसे अपराधों में शामिल हैं, जिनका असर खासकर भारतीय प्रवासियों पर महसूस किया जाता है. कुल मिलाकर, 37 आरोपियों पर जिनमें दो ऐसे आरोपी भी शामिल हैं जो भारत में जेल में रहते हुए अपने ग्लोबल क्रिमिनल सिंडिकेट चलाते थे मंगलवार को खोले गए तीन चार्जशीट में आरोप लगाए गए. अमेरिका में गिरफ्तार किए गए लोग कैलिफ़ोर्निया में 11 के अलावा, एक को इंडियाना में और एक को जॉर्जिया में पकड़ा गया - आज फेडरल कोर्ट में अपनी पहली पेशी पर आ सकते हैं. कनाडा में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, एक को स्पेन में गिरफ्तार किया गया, और सात आरोपी पहले से ही कस्टडी में थे. एजेंसियां ??10 भगोड़ों की तलाश कर रही हैं. सात अमेरिका में दो भारत में और एक यूरोप में. बिश्नोई पहले से ही भारत की जेल में है, जबकि उसका साथी गोल्डी बरार अभी भी फरार है. एफबीआई के लॉस एंजिल्स फील्ड ऑफिस के असिस्टेंट डायरेक्टर इन चार्ज पैट्रिक ग्रैंडी ने कहा, 'आज (मंगलवार) का कोऑर्डिनेटेड ऑपरेशन तीन क्रूर ट्रांसनेशनल संगठनों के केंद्र पर हमला करता है, जिन्होंने अमेरिका और विदेशों में हिंसा के क्रूर कामों के ज़रिए परिवारों को आतंकित किया है, समुदायों का शोषण किया है।

होर्मुज स्ट्रेट में तीन टैंकरों पर हमले, सऊदी और कतर के जहाजों को नुकसान

लंदन, एजेंसी। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने मंगलवार को बताया कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले तेल टैंकरों पर तीन अलग-अलग हमले हुए हैं। इन तीनों घटनाओं में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। पहली घटना की जानकारी यूकेएमटीओ को सोमवार रात 2119 यूटीसी पर मिली। इसमें बताया गया कि ओमान के लिमाह से करीब आठ समुद्री मील पूर्व में दक्षिण की ओर जा रहे एक टैंकर के बाईं तरफ एक अज्ञात वस्तु टकराई, जिससे उसमें आग लग गई। दूसरी घटना की जानकारी मंगलवार को दी गई। इसमें एक टैंकर को किसी अज्ञात वस्तु से नुकसान पहुंचने की बात कही गई और माना जा रहा है कि उसके ढांचे को नुकसान हुआ है। तीसरी और सबसे नई घटना की जानकारी यूकेएमटीओ को मंगलवार को 1305 यूटीसी पर मिली। इसमें बताया गया कि एक और टैंकर को ड्रोन से हमला किया

गया, जिससे उसे हल्का ढांचागत नुकसान हुआ। यह जहाज अभी भी अपने अगले बंदरगाह की ओर जा रहा था। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों के अनुसार, तीन में से दो जहाजों की पहचान हो चुकी है। इनमें से एक सऊदी अरब के झंडे वाला कच्चे तेल का टैंकर है, जबकि दूसरा कतर का तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) टैंकर है। इससे पहले मंगलवार को ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने दो ऐसे टैंकरों को निशाना बनाया था, जो अमेरिका समर्थित ओमानी रास्ते से होर्मुज स्ट्रेट पार करने की कोशिश कर रहे थे। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी फार्स ने बताया कि इन जहाजों ने चेतावनी नहीं मानी थी। फार्स न्यूज एजेंसी ने स्वतंत्र सैन्य पर्यवेक्षक मेन्चोसिंट के 'एक्स' अकाउंट पर साझा की गई सैटेलाइट तस्वीरों का हवाला देते हुए कहा कि समुद्री यातायात की जानकारी से पता चला कि इन दो टैंकरों पर हमले के बाद जापान, भारत और पश्चिमी देशों के कई अन्य जहाजों ने अपना रास्ता बदल लिया और जलडमरूमध्य पार करने के लिए ईरान की ओर से बताए गए रास्ते का इस्तेमाल किया। मंगलवार को मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि कतर का एक एलएनजी टैंकर और सऊदी अरब का एक कच्चे तेल का टैंकर होर्मुज स्ट्रेट के पास आईआरजीसी की ओर से किए गए कथित मिसाइल हमलों में क्षतिग्रस्त हुए। कतर के जहाज की पहचान अल रेकय्यात के रूप में की गई है। रिपोर्टों के अनुसार, हमला होने के बाद इस जहाज ने मदद के लिए आपातकालीन संकेत भेजे। कतर ने मंगलवार को अल-रेकय्यात पर हुए हमले की निंदा की। कतर ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन और समुद्री यातायात तथा दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरा बताया। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल अंसारी ने 'एक्स' पर जारी बयान में कहा कि कतर इस हमले और इससे होने वाले किसी भी नुकसान या परिणाम के लिए ईरान को पूरी तरह कानूनी रूप से जिम्मेदार मानता है।

पाकिस्तान के शारजाह से कराची जा रहा कार्गो विमान लापता, क्या समुद्र में गिरा बोइंग 737?

शारजाह , एजेंसी। पाकिस्तान में मंगलवार रात को शारजाह से कराजी जा रहे बोइंग 737 मालवाहक विमान का हवाई यातायात नियंत्रण से संपर्क टूट गया। विमान के पायलट ने पहले नेविगेशन सिस्टम में खराबी की जानकारी दी थी। इसके बाद पाकिस्तानी अधिकारियों ने तुरंत खोज और बचाव अभियान शुरू कर दिया। विमान में पांच चालक दल के सदस्य सवार थे।

पाकिस्तान एयरपोर्ट अथॉरिटी ने क्या बताया : पाकिस्तान एयरपोर्ट अथॉरिटी ने बताया कि के2 एयरवेज द्वारा संचालित 27 साल पुराने परिवर्तित मालवाहक विमान ने कराची की ओर उड़ान भरते समय पाकिस्तानी मानक समय के अनुसार रात 9:18 बजे नेविगेशन सिस्टम में खराबी की सूचना दी।

रडार सिस्टम में क्या दिखा : अधिकारियों के अनुसार, समस्या की सूचना मिलने के बाद स्थानीय हवाई यातायात नियंत्रकों ने विमान को निर्देशित करने का प्रयास किया। हालांकि, रडार सिस्टम ने लगभग तीन मिनट बाद विमान को तेजी से नीचे उतरते हुए दिखाया और विमान से संपर्क टूट गया। अधिकारियों ने बताया कि उस समय विमान कराची से लगभग 155 समुद्री मील (287 किमी) पश्चिम में था।

फ्लाइटराडार24 ने क्या बताया : पाकिस्तान एयरपोर्ट अथॉरिटी ने कहा है कि लापता विमान का पता लगाने के लिए उसने अलग-्अलग एजेंसियों के माध्यम से समुद्र में एक समन्वित खोज और बचाव अभियान शुरू किया है। फ्लाइट ट्रैकिंग सेवा फ्लाइटराडार24 के अनुसार, प्रारंभिक उड़ान डेटा से संकेत मिलता है कि विमान कराची के दक्षिण-पश्चिम में समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया होगा। संभवत ऊंचाई में कई तीव्र परिवर्तनों के बाद और फिर अंतिम तेज अवरोहण के कारण।

विमान समुद्र तल से कितना ऊपर था : स्थानीय प्रसारक जियो न्यूज के अनुसार, विमान पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में ओरमारा के पास अरब सागर के ऊपर उड़ान भरते समय लापता हो गया। फ्लाइटराडार24 ने बताया कि उड़ान डेटा से पता चलता है कि विमान ने पहले ऊंचाई खोई, फिर थोड़ी देर के लिए ऊपर चढ़ा और उसके बाद अचानक और तेजी से नीचे गिरने लगा। सेवा ने आगे बताया कि आखिरी डेटा के अनुसार विमान समुद्र तल से 1,100 फीट ऊपर था। उसकी ऊर्ध्वाधर गिरावट की दर माइनस 22,400 फीट प्रति मिनट थी, जो कि एक अत्यंत तीव्र और असामान्य गिरावट दर है।

क्या है बोइंग 737 : लापता विमान बोइंग 737-400 था। यह निजी मालवाहक एयरलाइन के2 एयरवेज का एकमात्र विमान था। एयरलाइन ने इस विमान को 2024 में सेवा में शामिल किया था। फ्लाइटराडार24 के अनुसार, यह विमान मूल रूप से 1999 में रूस की एयरोफ्लोट के साथ एक यात्री जेट के रूप में सेवा में आया था, जिसे 2012 में एक मालवाहक विमान में परिवर्तित कर दिया गया था।

श्रीलंका की जेल में ड्रग माफिया का खूनी खेल, दो गुटों के संघर्ष में 26 लोगों की दर्दनाक मौत

कोलंबो , एजेंसी। कोलंबो के पास स्थित जेल में हुई यह घातक झड़प श्रीलंका की जेल व्यवस्था में व्याप्त गहरी समस्याओं, जैसे क्षमता से अधिक कैदी और सुरक्षा चूक, को उजागर करती है। 26 मौतों के बाद, अब सरकार पर जेलों में अवैध गतिविधियों को रोकने और सुरक्षा सुधारों को लागू करने का दबाव बढ़ गया है।

श्रीलंका की राजधानी कोलंबो के करीब स्थित नेगोम्बो जेल में हुई हिंसक झड़प ने पूरे देश को झकझोर दिया हैं। जेल के भीतर दो गुटों के बीच शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते बड़े संघर्ष में बदल गया, जिसमें कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई, जबकि 100 से अधिक लोग घायल हुए हैं। मृतकों में जेल के कर्मचारी और कैदी दोनों शामिल हैं। मौजद जानकारी के अनसार यह हिंसा रविवार को शुरू हुई थी और सोमवार तक जारी रही। हालात बिगड़ने के बाद सुरक्षा बलों को जेल परिसर में अतिरिक्त तैनाती करनी पड़ी। कई घंटों की कोशिशों के बाद स्थिति पर काबू पाया गया और अब जेल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई।

श्रीलंका के न्याय मंत्री हर्षणा नानायक्कारा ने इस घटना की जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए कहा कि जेल विभाग उनके मंत्रालय के अधीन आता है, इसलिए वह इस घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हैं। उन्होंने बताया कि इस हिंसा में सात जेल अधिकारियों और 19 कैदियों की मौत हुई हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और आगे ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। बता

दें कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जेल के भीतर कथित तौर पर नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े एक समूह और उसका विरोध करने वाले दूसरे समूह के बीच विवाद हुआ था। इसी विवाद ने बाद में हिंसक रूप ले लिया। हालांकि जांच एजेंसियां अभी सभी पहलुओं की विस्तार से जांच कर रही हैं और अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना के वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेंगे। गौरतलब है कि श्रीलंका की कई जेलों में पिछले कुछ वर्षों से क्षमता से अधिक कैदियों की मौजूदगी, सुरक्षा व्यवस्था की चुनौतियां और जेल के भीतर अवैध गतिविधियों को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। मानवाधिकार संगठनों ने भी कई बार जेलों में सुधार और निगरानी व्यवस्था मजबूत करने की मांग की हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जेल के भीतर संगठित अवैध गतिविधियां सक्रिय रहती हैं, तो इस तरह के टकराव की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे मामलों में सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ जेल प्रशासन की निगरानी और खुफिया तंत्र को भी अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत मानी जाती है। घटना में घायल हुए 100 से अधिक लोगों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. जहां उनका इलाज चल रहा हैं। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। श्रीलंका सरकार ने पूरे मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी जांच की जाएगी कि जेल के भीतर कथित अवैध गतिविधियां किस प्रकार संचालित हो रही थीं और सुरक्षा व्यवस्था में कहां चूक हुई है। इस घटना के बाद श्रीलंका की जेल व्यवस्था एक बार फिर चर्चा में आ गई है। सरकार पर अब सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, जेलों में भीड़ कम करने और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने का दबाव बढ गया है।

जानकारी

बुजुर्गों में ज्यादा होनी चाहिए विटामिन 'K' की मात्रा

जब आप विटामिन के बारे में सोचते हैं तो आप आपको पता होना चाहिए की आपके शरीर को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन कितने जरूरी होते हैं। वैसे तो विटामिन सभी उम्र के लोगों के लिए जरूरी होते हैं क्योंकि वो हमारे शरीर को कई तरह से स्वस्थ रखने का काम करते है। विटिमिन K उन लोगों के लिए ज्यादा जरूरी हो जाते हैं जो वृद्ध उम्र में होते हैं। बोस्टन की टफ्ट यूनिवर्सिटी में विटामिन K लैब के डायरेक्टर सरह बूथ के मुताबिक, जो लोग वृद्ध उम्र में होते हैं उनमें काफी कम मात्रा में विटामिन पाया जाता है। जो कि उनको स्वस्थ रहने के लिए काफी जरूरी है। उस उम्र के लोगों को विटामिन च की पूर्ति करनी चाहिए जिससे की उनका शरीर स्वस्थ रहे।

एक अध्ययन के मुताबिक, जिसमें सरह और उनके साथी मौजूद थे उसमें जो वृद्ध लोगों में कम ब्लड लेवल था उनमें विटामिन की कमी थी जिसके कारण वह फिजिकल एक्टिविटी में भी एक्टिव नहीं थे। जबकि जिनका ब्लड लेवल ज्यादा था उनमें ऐसा नहीं था।

2015 के एक अध्ययन में 65 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोग जो ज्यादा विटामिन K की पूर्ति करते थे उनकी सेहत काफी अच्छी थी। लेकिन जिन लोगों में विटामिन K की कमी थी वो उतने स्वस्थ नहीं थे जो कि जर्नल न्यूट्रीएंट्स में प्रकाशित हुई थी।

विटामिन 'के' क्यों है जरूरी

विटामिन K हमारी हड्डियों की मजबूती के लिए बहुत जरूरी है। अगर आपके शरीर में विटामिन 'के' की कमी है, तो चोट लगने या कटने पर बहुत ज्यादा ब्लीडिंग होती है। क्योंकि विटामिन 'के' ब्लड क्लॉटिंग में मदद करता है। अगर इस विटामिन की शरीर में ज्यादा कमी हो जाए, तो कई बार आपके शरीर के अंगों में अंदरूनी ब्लीडिंग हो सकती है, जो बहुत खतरनाक है। शरीर की हड्डियों में कैल्शियम की मात्रा को पहुँचाने में सहायक होता है। जो रक्त के स्त्राव के समय रक्त को थक्का बनाकर रोकने के लिए आवश्यक होता है। विटामिन के शरीर में रक्त के संचार को नियंत्रित रखता है। इससे ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है। गर्भवती महिलाओं में विटामिन 'के' भ्रूण के विकास के लिए जरूरी होता है। इसके अलावा भी ये शरीर की कई समस्याओं से बचाव के लिए जरूरी होते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि विटामिन 'के' आपको किन आहारों से मिलता है। आइए हम आपको बताते हैं ऐसी 5 सब्जियां, जिनसे आपको मिलता है भरपूर विटामिन 'के'।

विटामिन 'के' का मुख्य स्त्रोत हरी सब्जियां होती है, जैसे – सरसों का साग,बन्दागोभी, मूली, चुकंदर की पत्तियों में, पालक, गेहूं और फल।

महिलाओं में होने वाली दूसरी सबसे बड़ी बीमारी है सर्वाइकल कैंसर

भारत में स्तन कैंसर के बाद महिलाओं में होने वाली दूसरी बड़ी बीमारी है सर्वाइकल कैंसर। एचजीसी कैंसर सेंटर की सितंबर 2019 की रिपोर्ट के अनुसार, 53 में से 1 भारतीय महिला को जीवनकाल में यह बीमारी होती है। गर्भाशय में कोशिकाओं (सेल्स) की अनियमित वृद्धि के कारण यह कैंसर होता है। समय रहते इसका उपचार किया जाए तो बचा जा सकता है, लेकिन सबसे बड़ी समस्या है जागरुकता का अभाव।

भारत ही नहीं कई देशों में यही स्थिति है। जैसे- ऑस्ट्रेलियन इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ एंड वेलफेयर की रिपोर्ट के अनुसार, वहां 45 फीसदी महिलाओं को इस बीमारी की मूलभूत जानकारी नहीं है। बहरहाल, सबसे अच्छी बात यह है कि अन्य प्रकार के कैंसर को नहीं रोका जा सकता, लेकिन सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम संभव है। ताजा खबर यह है कि अक्टूबर 2019 में ऑस्ट्रेलिया की क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने इस कैंसर के इलाज का दावा किया है। जिन एडिटिंग टेक्नोलॉजी का चूहों पर सफल परीक्षण किया है।

सर्वाइकल कैंसर के लक्षण

- नेशनल सेंटर ऑफ बायोटेक्नोलॉजी इंफोर्मेशन (एनसीबीआई) के अनुसार, स्त्री रोग संबंधी लक्षण ही सर्वाइकल कैंसर की शुरुआत होते हैं। इसलिए इन्हें हल्के में न लेते हुए डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।
- अगर व्हाइट डिस्चार्ज की शिकायत है तो इसे हल्के में न लें। वेजाइना से बदबूदार पानी का रिसाव होना सर्वाइकल कैंसर का एक लक्षण है। तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।
- पेट के निचले भाग में दर्द हो और इसके साथ ही पीरियड्स के बीच में स्पॉटिंग या संबंध बनाते समय ब्लीडिंग हो तो चिंता का विषय है।
- पेशाब करते समय दर्द होने का मतलब है कि कैंसर यूरिन थैली तक पहुंच गया है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से जांच करवाना चाहिए।

बरतें ये तीन बड़ी सावधानियां

- शरीर की साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। थोड़ी-सी सावधानी आपको इस कैंसर से बचा सकती है। सर्वाइकल कैंसर बच्चेदानी के भीतरी व बाहरी किसी भी सतह पर हो सकता है।
- यह कैंसर असुरक्षित यौन संबंध बनाने से भी फैलता है। इसलिए पार्टनर से संबंध बनाते समय सेफ्टी का ध्यान रखें।
- अगर महिलाएं नियमित रूप से अपना पैप टेस्ट करवाती हैं तो आप पूरी तरह से इस बीमारी से बच सकती हैं।

संभव है सर्वाइकल कैंसर का इलाज

सर्वाइकल कैंसर से निजात पाने के लिए वेक्सीनेशन, सर्जरी और कीमोथेरेपी का सहारा लेना पड़ता है। इस बीमारी से बचने के लिए 30 साल से कम उम्र की महिलाओं को वैक्सीन दी जाती लेकिन इससे भी केवल 70 फीसदी ही बचाव किया जा सकता है।

आसान है सर्वाइकल कैंसर की जांच

स्त्रीरोग संबंधी आम बीमारियां दवा लेने से भी दूर नहीं हो रही है तो सर्वाइकल कैंसर की जांच जरूरी हो जाती है। यह जांच है पैप स्मीयर टेस्ट। नेशनल इंस्टिट्यूट बायो-टेक्नोलॉजी इन्फोर्मेशन की रिपोर्ट के अनुसार, इस कैंसर का पता लगाने के लिए पैप स्मीयर टेस्ट या पैप टेस्ट की सलाह दी जाती है। महज 10 से 20 मिनट में होने वाले इस टेस्ट की रिपोर्ट सामान्य, अस्पष्ट या असामान्य आ सकती है।

सामान्य : यदि पैप टेस्ट का परिणाम सामान्य आता है तो रिपोर्ट को 'निगेटिव' बताया जाता है। इसका मतलब है कि टेस्ट में कैंसर के कोई लक्षण नहीं है।

अस्पष्ट: टेस्ट रिजल्ट अस्पष्ट भी आ सकते हैं। रिजल्ट अस्पष्ट आने का मतलब है कि आपकी ग्रीवा कोशिकाएं ऐसी दिखती हैं जैसे वे असामान्य हो सकती हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि यह एचपीवी से संबंधित है या नहीं। यह गर्भावस्था, रजोनिवृत्ति या संक्रमण जैसे बदलावों से संबंधित हो सकता है। एचपीवी टेस्ट यह पता लगाने में मदद कर सकता है कि क्या आपके सेल में परिवर्तन एचपीवी से संबंधित हैं।

असामान्य : यदि पैप टेस्ट असामान्य है तो 'पॉजिटिव रिजल्ट' कहा जाता है। रिजल्ट पॉजिटिव आने का यह मतलब नहीं है कि आपको कैंसर ही है। इसका मतलब यह है कि गर्भ में कुछ असामान्य कोशिकाएं है जो आगे चलकर कैंसर के रूप में विकसित हो सकती है। गर्भाशय ग्रीवा पर असामान्य परिवर्तन एचपीवी द्वारा हो सकता है। परिवर्तन मामूली (कम-ग्रेड) या गंभीर (उच्च-ग्रेड) हो सकते हैं। लेकिन यदि उन कोशिकाओं को हटाया नहीं जाता है तो ये गंभीर बदलाव कैंसर में बदल सकती हैं।

पैप टेस्ट की रिपोर्ट के बाद कुछ मामलों में डॉक्टर अन्य जांचें भी करवाते हैं। कोल्पोस्कोपी के जरिए योनिमार्ग और बच्चेदानी के मुख में होने वाले परिवर्तन या बदलाव की जांच एक यंत्र द्वारा की जाती है। बायोप्सी में बच्चेदानी के मुख से छोटा-सा टुकड़ा लिया जाता है और लैब में कैंसर के परिवर्तन देखे जाते है। यह प्रक्रिया बाह्य रोगी विभाग में ही सम्पन्न की जाती है।

सेहत

कैंसर, कब्ज, गठिया में फायदा देते हैं काली सरसों के बीज

काली सरसों एक पौधा है, जिसके फूल पीले रंग के होते हैं। सरसों के पौधे की लगभग 40 विभिन्न प्रजातियां हैं। सरसों के बीज से तेल निकाला जाता है, जिसका उपयोग भोजन बनाने, औषधि के रूप में और दवा बनाने के लिए किया जाता है। काली सरसों के बीज को भोजन में एक सामग्री के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। काली सरसों को आमतौर पर सब्जी या दाल में तड़का देने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साउथ इंडियन फूड में काले सरसो का इस्तेमाल बहुतायत किया जाता है। सरसों के बीज से तेल बाकी कुकिंग ऑयल से ज्यादा फायदेमंद होता है। इसमें अच्छे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो छोटी-छोटी परेशानियों से आपको दूर रखते हैं।

खाद्य पदार्थों में भी, काली सरसों के बीज का उपयोग मसाले के रूप में और सरसों के मसाला स्वाद के लिए किया जाता है। सरसों का मसाला बनाने के लिए आमतौर पर तीन अलग-अलग प्रकारों का उपयोग किया जाता है। काली सरसों (ब्रैसिका निग्रा) सबसे तीखी होती है। सफेद सरसों (ब्रैसिका अल्बा) सबसे सौम्य है और पारंपरिक अमेरिकी पीली सरसों बनाने के लिए उपयोग की जाती है। ब्राउन सरसों (ब्रैसिका जंकिया) गहरे पीले रंग की होती है, इसमें तीखा स्वाद होता है, और इसे डिजोन सरसों बनाने के लिए उपयोग किया जाता है।

बीमारियों को दूर भगाते हैं काली सरसों के बीज

काली सरसों का तेल आम सर्दी, जोड़ों और मांसपेशियों (गठिया) के दर्द, और गठिया के लिए उपयोग किया जाता है। इसके अलावा काली सरसों के बीज का उपयोग उल्टी पैदा करने, मूत्र उत्पादन में वृद्धि और भूख बढ़ाने के लिए पानी की अवधारण (एडिमा) से राहत के लिए किया जाता है।

कुछ लोग पिसी हुई काली सरसों को गर्म पानी में मिलाकर पेस्ट बनाते हैं। वे पेस्ट को कपड़े में पैक करते हैं और कपड़े को सीधे त्वचा पर सरसों के प्लास्टर के रूप में लगाते हैं। इस तैयारी का उपयोग फेफड़े (फुफ्फुसीय), गठिया, पीठ के निचले हिस्से के दर्द के निमोनिया, दर्द और सूजन के इलाज के लिए किया जाता है।

काली सरसों के बीज के लाभ

कैंसर में है लाभकारी: सरसों के बीज ग्लूकोसाइनोलेट्स और मायरोसिनस जैसे यौगिकों से भरे होते हैं, जो शरीर में कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाओं की वृद्धि को रोकते हैं। जर्नल ह्यूमन एंड एक्सपेरिमेंटल टॉक्सिकोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, छोटे बीजों में कीमोप्रेंटिव क्षमता हो सकती है और कार्सिनोजेन्स के प्रभाव से बचाव हो सकता है।

पाचन को सुदृढ़ करता है: सरसों के बीज आपके पाचन तंत्र के लिए भी उत्कृष्ट हैं। अगर आप अपच की समस्या से पीड़ित हैं तो सरसों के बीज इससे छुटकारा पाने में मदद कर सकते हैं। बीज फाइबर से भरे होते हैं, जो आसान मल त्याग में मदद करता है और शरीर की पाचन शक्ति को बढ़ाता है।

हृदय रोगों से बचाता है: सरसों का तेल आमतौर पर हर भारतीय घर में इस्तेमाल किया जाता है और यह हृदय संबंधी समस्याओं से पीड़ित लोगों के लिए काफी फायदेमंद है। यह आपके कोलेस्ट्रॉल के स्तर को प्रबंधित करने में मदद करता है और रक्त में खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है, जो आपके हृदय स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाते हैं: सरसों के बीज आपकी हड्डियों के लिए भी अच्छे होते हैं क्योंकि वे सेलेनियम नामक खनिज से भरे होते हैं, जो आपकी हड्डियों को मजबूत बनाता है। वे आपके नाखूनों, बालों और दांतों को मजबूत बनाने में भी मदद करते हैं। सरसों के बीज में एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो मसूड़ों, हड्डियों और दांतों में दर्द से राहत दिलाने में मदद करते हैं।

त्वचा की समस्या का है समाधान: हर मौसम में त्वचा को हाइड्रेट रखना महत्वपूर्ण है और सरसों के बीज आपकी इस में मदद कर सकते हैं। बीज आपकी त्वचा को हाइड्रेट करते हैं, सभी अशुद्धियों को दूर करते हैं और आपकी त्वचा को मुंहासों से बचाते हैं। बीज एंटी इंफ्लामेट्री गुणों के साथ पैक किए जाते हैं जो शरीर में सूजन को कम कर सकते हैं। आप सरसों के तेल को त्वचा पर मालिश कर इसके फायदे ले सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करे। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-3-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 5006

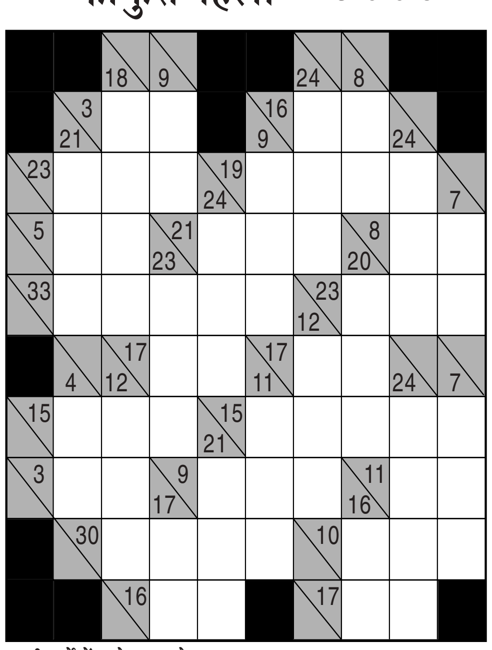

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

11 → 1 2 3 5; 7 ↓ 1 2 4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 1771 का हल

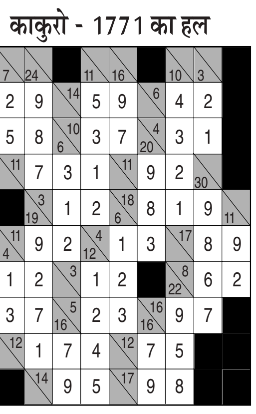

लॉफिंग ज़ोन

कई युवतियों को तंग कर चुका एक युवा अपने कॉलेज के लाइब्रेरियन के पास पहुँचा और बोला- क्या आप मुझे आत्महत्या पर कोई किताब दे सकते हैं। मैं शीघ्र ही आपको वापस कर दूँगा।

लाइब्रेरियन- नहीं दे सकता, आप लौटाएँगे नहीं।

एक व्यापारी को दूसरे व्यापारी से पैसे लेने थे, लेकिन पहले व्यापारी के बार-बार माँगने के बावजूद उसे पैसे नहीं मिल रहे थे। हार कर उसने दूसरे व्यापारी को एक पत्र भेजा। साथ में अपनी बेटी का फोटो भी भेजा।

पत्र में लिखा था- मुझे इस बच्ची की खातिर पैसे चाहिए।

एक खूबसूरत युवती डॉक्टर के पास गई और बोली- डॉक्टर साहब! मेरी स्कीन बहुत ही सेनसेटिव है। मेरी स्कीन हमेशा गोरी-गोरी रहे इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

डॉक्टर साहब- अपने दरवाजे की कुंडी हमेशा लगाकर रखनी चाहिए।

फिल्म वर्ग पहेली- 5006

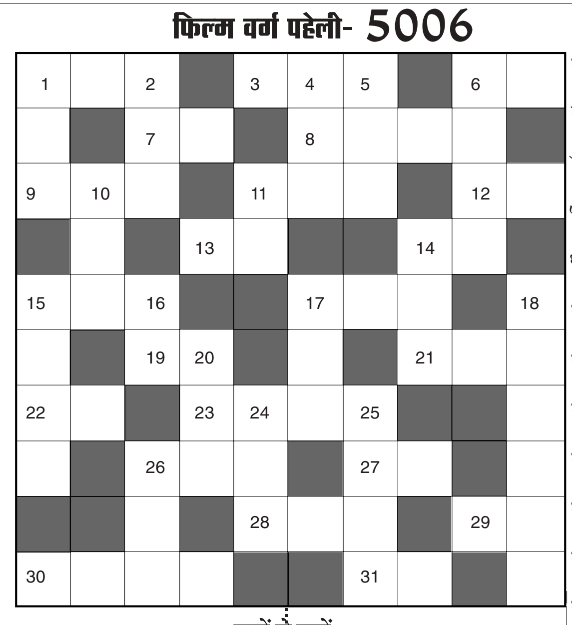

बायें से दायें:-

१. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-३
६. आमिर, फैजल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-२
७. अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
८. 'तसवीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-४
९. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
११. राजकुमार, प्रिया की 'ये पर्वतों के दायरे ये शाम' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
१३. विकास भल्ला, सुमीत, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
१५. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
१७. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-३
१९. जैकी श्रॉफ, रति की फिल्म-२
२१. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'ना सतरा से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
२३. 'दुपट्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-४
२६. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका ?-३
२७. अभिषेक, अंतरा माली की 'इश्क दा तड़का' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'मेरे दिल में रहो या जिगर' गीत वाली अष्मित, मीरा की फिल्म-३
२९. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कही' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'देर है अंधेर नही' गीत वाली शत्रुघ्न, राजकपूर, योगिता की फिल्म-२,२
३१. फिल्म 'सलाखें' में नायक ?-२

ऊपर से नीचे:-

१.'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-३
२. मिथुन, जुगल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-१,२
४. 'सीली हवा छू गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-३
५. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१०. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'राजा ना जा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं लैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१६. संजय कपूर, माधूरी की 'फूल मांगू ना बहार माँगूं' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-३
१८. अमिताभ, अक्षय, जॉन, रिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-३,३
२०. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-३
२४. 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२५. नसीर, अष्मित, उर्मिला की फिल्म-४
२६. 'शहर शहर डगर डगर' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-२,१

फिल्म वर्ग पहेली- 5005

य	हू	दी	■	अ	नु	रो	ध	■	क्रो
ह	■	वा	स्त	व	■	हि	■	आँ	धी
दे	व	र	■	ता	क	त	■	च	■
श	र्त	■	पा	र	स	■	स	ल	मा
■	मा	■	पी	■	क	स	म	■	ला
जा	न	म	■	अ	■	गा	य	ब	■
ने	■	शा	र	दा	■	ई	■	ना	च
म	ह	ल	■	ल	की	■	जो	र	■
न	■	■	अं	त	■	जं	■	स	त्या
■	बा	रि	श	■	जु	ग	नू	■	ग

सूडोकु 5006

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 5005 हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 5006

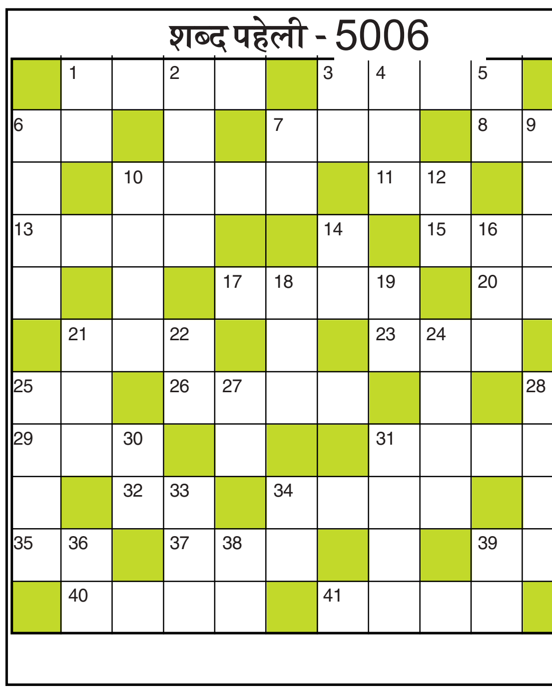

बाएँ से दाएँ

1.बलवान,ताकतवर-4
3.गाल,कपोल(ऊर्दू)-4
6.अनाज, धान-2
7.अवनति-3
8.जीवन तत्व-2
10.पुलिसकर्मी-4
11.भीगा हुआ-2
13.घमंडी,अभिमानी-4
15.दर्शन-3
17.अजदहा,शयालु-4
20.वायु रोग-2
21.दोस्त,सखा-3
23.ख्वाब,स्वप्न-3
25.अपशिष्ट पदार्थ-2
26.जंगल की आग-4
29.पुत्र,लड़का-3
31.पैगंबर,महापुरुष-4
32.राय,वोट-2
34.आफिस,दफ्तर-4
35.वीज,वीर्य-2
37.घर,भवन-3
39.सप्तम-2
40.आक्रमण,हमला-4
41.बलवान,सबल-4

ऊपर से नीचे

1.एक छोटी डबलरोटी-2
2.धर्मेंद्र,जीनत की एक फिल्म जो हीरे की चोरी पर बनी थी-4
3.मौसम,ऋतु-2
4.खोदना-3
5.छुट्टी,अवकाश-2
6.उदास,दुखी-4
7.पंख,पराया-2
9.जहीनता-4
10.आवश्यकता-4
12.अभिमान,गरुर-2
14.अग्नि,अनल-2
16.विदा होना-3
18.कुशल-3
19.फलों का रस-2
21.संगम,मिलना-3
22.वायदा-2
24.हार,मात-4
25.स्वार्थी-4
27.दीवार (अंग्रेजी-2)
28.आदत-4
30.यमराज-2
31.उथल-पुथल-4
33.पदक-3
34.श्रवणेंद्रिय-2
36.जीत,विजय-2
38.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.पत्नी की बहन-2

शब्द पहेली - 5005 हल

अ	ना	द	र	णी	य		प्र	क्षे	प	क
सं	ग		वे		कृ	पा	ण		र	म
वै		अ	दा	व	त		य	हां		जो
धा	रा	दा	र			अ		का	त	र
नि		व		प्र	क्षा	ल	न		म	
क	म	त	र	ता		सा	ग	र	गा	मी
	लि		स	र	मा	या		द		न
बे	का	बू		णा			व	न	वा	सी
क		आ	स		अ	द	र	क		लै
द	म		ब	हा	र		दा		ता	व
र	सा	त	ल		ज	ही	न	कु	श	ल

मप्र का इंडस्ट्रियल ग्रोथ इंजन है पीथमपुर, हम यहां बना रहे मेक इन एमपी का इको-सिस्टम : मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 'मेक इन इंडिया' स्कीम मध्य प्रदेश के लिए एक लक्ष्य की तरह है। हमारी सरकार ने देश में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए प्रोत्साहन के सभी द्वार खोल दिए हैं। पीथमपुर प्रदेश की औद्योगिक अर्थव्यवस्था का 'ग्रोथ इंजन' है। मेक इन इंडिया-मेक इन एमपी अन्तर्गत इन्वेस्टर्स को दिए जा रहे इंसेंटिव्स को धरातल पर उतारने में पीथमपुर का बड़ा योगदान है। भौगोलिकसंदर्भ मुख्यमंत्री डॉ. यादव धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में लिग्रोंग इंडिया कंपनी के नए मैन्युफैक्चरिंग प्लांट उद्घाटन समारोह में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अधिक से अधिक निवेश आयें, इसके लिए हम भरपूर प्रयास कर रहे हैं। हम पीथमपुर में मेक इन इंडिया-मेक इन एमपी के लिए एक पूरा सपोर्टिंग इकोसिस्टम तैयार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार पीथमपुर को भावी आवश्यकताओं के अनुरूप ग्रीन इंडस्ट्री, इलेक्ट्रिक व्हीकल, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग तथा वैश्विक निर्यात के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित कर रही है। हम यहां ऑटोमोबाइल्स, इलेक्ट्रानिक्स, इंजीनियरिंग, फार्मास्युटिल्स और टेक्सटाइल से लेकर टेक्नोलॉजी तक की पूरी चेन तैयार कर रहे हैं।

सेवा समर्पण और राष्ट्र निर्माण के 90 वर्षो की गौरवपूर्ण यात्रा

नई दिल्ली। राष्ट्र सेविका समिति, दिल्ली प्रांत के प्रबुध वर्ग मेधाविनी सिंधु सृजन द्वारा समिति की संस्थापक एवं आद्य संचालिका वंदनीया लक्ष्मीबाई केलकर (मौसीजी) के अवतरण दिवस पर संकल्प दिवस का गरिमामय आयोजन सर शंकर लाल कॉन्सर्ट हॉल, विश्वविद्यालय मार्ग, में संपन्न हुआ। इस वर्ष का संकल्प दिवस, राष्ट्र सेविका समिति की सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की 90 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा को समर्पित था। इस अवसर पर वंदनीया मौसीजी के राष्ट्रजीवन, नारी जागरण और समाजसेवा के आदर्शों का स्मरण करते हुए उपस्थित जनों ने स्वयं को समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु पुनः संकल्पित किया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता अखिल भारतीय सह कार्यवाहिका अलका इनामदार रहीं। मेधाविनी प्रान्त संयोजिका प्रो. निशा राणा ने विषय की प्रस्ताना दी। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर मुख्य अतिथि तथा नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज कार्यक्रम की अध्यक्षा के रूप में उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथियों के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रचार टोली के सदस्य मुकुल कानिटकर एवं डूटा के अध्यक्ष प्रो. वी. एस. नेगी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए राष्ट्र निर्माण में संगठित नारी-शक्ति की भूमिका को रेखांकित किया। प्रो. चारु कालरा तथा अंजू आहूजा ने मंच साझा किया।

बस्तर संभाग के जगदलपुर में स्थित बोधघाट छत्तीसगढ़ राज्य का सर्वश्रेष्ठ पुलिस थाना घोषित

रायपुर/जगदलपुर। केंद्रीय गृह मंत्रालय की वार्षिक पुलिस थाना रैंकिंग में बस्तर संभाग के जगदलपुर स्थित बोधघाट थाना को छत्तीसगढ़ राज्य का सर्वश्रेष्ठ (नंबर-1) पुलिस थाना घोषित किया गया। यह बस्तर क्षेत्र के इतिहास में पहली बार है जब किसी पुलिस थाने को यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुआ है। बोधघाट थाने को छत्तीसगढ़ के सर्वश्रेष्ठ पुलिस थाने के राष्ट्रीय सम्मान से 8 जुलाई 2026 को पुरस्कृत किया गया है। बस्तर संभाग के तत्कालीन पुलिस महानिरीक्षक पी. सुंदरराज तथा वर्तमान आईजी बद्रीनारायण मीना ने संयुक्त रूप से यह सम्मान प्रदान किया। यह सम्मान समारोह बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर में आयोजित हुआ, जहां बोधघाट थाना स्थित है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नाम से जारी यह विशिष्ट राष्ट्रीय प्रशस्ति-पत्र और सम्मान तत्कालीन थाना प्रभारी और उनकी पुलिस टीम को सीधे जगदलपुर में ही सुपुर्द किया गया। अपराध नियंत्रण, एनडीपीएस मामलों में प्रभावी कार्रवाई, कम्युनिटी पुलिसिंग, पुलिस स्टेशन मैनेजमेंट, इनोवेशन इन पुलिसिंग और एक्सीलेंस इन पुलिसिंग जैसे अहम मानकों पर शानदार प्रदर्शन के आधार पर यह प्रतिष्ठित सम्मान मिला है।भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा देश के सर्वश्रेष्ठ थानों की रैंकिंग के तहत बोधघाट थाने को वर्ष 2025 की सर्वश्रेष्ठ पुलिस थाना रैंकिंग सूची में शामिल कर दिसंबर 2025 में आधिकारिक तौर पर छत्तीसगढ़ का नंबर-1 थाना घोषित किया गया था।

देश का औद्योगिक विकास, झारखंड के औद्योगिक विकास के बिना संभव नहीं : मुख्यमंत्री सोरेन

दिल्ली/रांची। झारखंड सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी, उद्योग एवं पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय 'नेशनल स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन' के पहले सत्र में आईटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल गवर्नेंस तथा भविष्य की तकनीकों पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की उपस्थिति में देश-विदेश के उद्योग जगत, आईटी कंपनियों, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों एवं तकनीकी विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आगाज करते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि आज हम सभी झारखंड सरकार की ओर से आयोजित इस दो दिवसीय नेशनल स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन में एक साझा उद्देश्य के साथ एकत्र हुए हैं। आईटी गवर्नेंस, उद्योग, पर्यटन, शिक्षा, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल सहित विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि झारखंड भविष्य की अर्थव्यवस्था में अपनी मजबूत पहचान बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य झारखंड की औद्योगिक और तकनीकी प्रगति को नई गति देना है। देश का औद्योगिक विकास, झारखंड के औद्योगिक विकास के बिना संभव नहीं है। झारखंड ने देश को केवल खनिज संपदा ही नहीं, बल्कि बौद्धिक पूंजी भी दी है।

सीएम मान ने मतदाताओं से एसआईआर प्रक्रिया पूरी करने की अपील की

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने योग्य मतदाताओं से 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' (एसआईआर) प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वोट देने के संवैधानिक अधिकार की रक्षा करने और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लगातार मिलता रहे, इसके लिए इसमें भागीदारी जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर फॉर्म जमा करने के बाद जिनका नाम नई मतदाता सूची में शामिल होगा, वे ही अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे और सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे।

लोगों को पूर्ण समर्थन का आश्वासन देते हुए उन्होंने कहा कि जिस किसी को भी एसआईआर फॉर्म भरने में कठिनाई हो रही हो, उसे स्थानीय आम

आदमी पार्टी के स्वयंसेवकों से सहायता लेनी चाहिए। लोगों को दिए संदेश में मान ने कहा कि प्रत्येक पात्र मतदाता के लिए एसआईआर फॉर्म भरना बहुत जरूरी है ताकि उनका नाम नई मतदाता सूची में शामिल हो सके। उन्होंने कहा कि यदि मतदाता सूची में नाम नहीं होगा, तो वे वोट देने के अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग नहीं कर पाएंगे। उन्होंने प्रत्येक पंजाबी से इस प्रक्रिया को समय पर पूरा करने और इस अमूल्य अधिकार की रक्षा करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर का उद्देश्य जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करना है और उन्होंने राज्य भर के लोगों से उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की। उन्होंने इस प्रक्रिया के दौरान प्रत्येक नागरिक को पूर्ण समर्थन और सहयोग का आश्वासन दिया। मावन ध्यान सत्कार योजना की शुरुआत पर पंजाब की महिलाओं को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने लोगों से किया एक और बड़ा वादा पूरा किया है। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिला लाभार्थियों को वित्तीय सहायता सीधे उनके बैंक खातों में जमा होने के बारे में उनके मोबाइल फोन पर सूचनाएं मिलनी शुरू हो गई हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब की प्रत्येक महिला को 1,000 रुपए प्रति माह मिल रहे हैं, जबकि अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं को 1,500 रुपए प्रति माह मिल रहे हैं। इस ऐतिहासिक पहल से पंजाब की लगभग 97 प्रतिशत महिलाओं को लाभ होने की उम्मीद है, जिसके लिए राज्य सरकार ने 9,300 करोड़ रुपए का बजटीय प्रावधान किया है।

छत्तीसगढ़ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने उद्योगपतियों और निवेशकों को राहत देने के लिए छत्तीसगढ़ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (विनियमन-मुक्ति एवं सुविधा) विधेयक के प्रारूप को मंजूरी दी है, जिसके तहत ऐसा कानून लागू करने वाला छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बन गया है। छत्तीसगढ़ में निवेश और उद्योगों को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ कैबिनेट ने आज (बुधवार) छत्तीसगढ़ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (विनियमन-मुक्ति एवं सुविधा) विधेयक 2026 के प्रारूप को मंजूरी दे दी है। इस विधेयक का उद्देश्य व्यापार और उद्योग स्थापित करने की प्रक्रियाओं को अधिक सरल, पारदर्शी, डिजिटल और समयबद्ध बनाना है। नए कानून के लागू होने से निवेशकों को सरकारी प्रक्रियाओं में होने वाली अनावश्यक देरी और जटिलताओं से राहत मिलेगी। विधेयक में डीम्ड परमिशन, स्व-प्रमाणीकरण, तृतीय-पक्ष सत्यापन, जोखिम-आधारित निरीक्षण तथा दोहरे लाइसेंसिंग दायित्वों को समाप्त करने जैसे महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल किए गए हैं। सरकार का मानना है कि इन सुधारों से निवेशकों के लिए कारोबारी माहौल अधिक अनुकूल बनेगा, औद्योगिक विकास को गति मिलेगी और राज्य में बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। राज्य के नगर निकायों में फल, सब्जी और डेयरी सहित 43 प्रकार के व्यवसायों को ट्रेड लाइसेंस की अनिवार्यता से पूरी तरह मुक्त कर दिया गया है। इस कदम से उद्योगों को स्थापित करने की प्रक्रिया अत्यधिक पारदर्शी और आसान हो जाएगी।

पूर्वोत्तर के हेल्थकेयर हब के तौर पर उभर रहा असम, कैंसर केयर नेटवर्क में शामिल मिजोरमः सीएम सरमा

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि मिजोरम ने असम कैंसर केयर फाउंडेशन (एसीसीएफ) के साथ साझेदारी की है। इसके तहत मिजोरम के कैंसर मरीज अब मिजोरम यूनिवर्सल हेल्थकेयर स्कीम के अंतर्गत असम में एसीसीएफ के कैंसर अस्पतालों में कैशलेस इलाज करा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस जानकारी को साझा करते हुए कहा कि यह समझौता असम के क्षेत्रीय स्वास्थ्य केंद्र (हेल्थकेयर हब) के रूप में उभरने की दिशा में एक और बड़ा कदम है। हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड के साथ इसी तरह की व्यवस्था के बाद मिजोरम के साथ हुई यह साझेदारी पूर्वोत्तर के लोगों को बेहतर और सस्ती कैंसर चिकित्सा उपलब्ध कराने में मदद करेगी। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मिजोरम ने केयर असम के साथ साझेदारी की है, जिससे वहां के कैंसर मरीज असम के हमारे कैंसर केंद्रों में मिजोरम यूनिवर्सल हेल्थकेयर स्कीम के तहत पूरी तरह कैशलेस इलाज प्राप्त कर सकेंगे। ' मुख्यमंत्री ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड के बाद

यह नया सहयोग असम के देश के नए स्वास्थ्य सेवा केंद्र के रूप में उभरने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री के अनुसार, मिजोरम के कैंसर मरीज अब मिजोरम यूनिवर्सल हेल्थकेयर स्कीम के तहत असम कैंसर केयर फाउंडेशन द्वारा संचालित अस्पतालों में कैशलेस इलाज का लाभ उठा सकेंगे। वहीं, अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड के लाभार्थियों को क्रमशः मुख्यमंत्री आरोग्य अरुणाचल योजना और मुख्यमंत्री हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम के तहत उपचार मिलता रहेगा।असम कैंसर केयर फाउंडेशन असम सरकार और टाटा ट्रस्ट्स की संयुक्त पहल है। यह संस्था राज्यभर में विशेष कैंसर अस्पतालों के नेटवर्क के माध्यम से कैंसर उपचार सेवाओं का विस्तार कर रही है। इस पहल का उद्देश्य उन मरीजों की परेशानी कम करना है, जिन्हें पहले उन्नत कैंसर उपचार के लिए पूर्वोत्तर से बाहर बड़े महानगरों का रुख करना पड़ता था।

अमित शाह ने प्रमुख हवाई अड्डों पर यात्री सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था एवं आप्रवासन प्रणाली की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु ने प्रमुख हवाई अड्डों पर यात्री सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था एवं आप्रवासन प्रणाली की समीक्षा की। बैठक में केंद्रीय गृह सचिव, निदेशक, आसूचना ब्यूरो, सचिव, नागरिक उड्डयन मंत्रालय, महानिदेशक, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल और अध्यक्ष, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण सहित गृह मंत्रालय और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनेक वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मानव संसाधन लागत को कम करने के उद्देश्य से देश के सभी एयरपोर्टों पर चरणबद्ध तरीके से स्वचालित एक्स-रे ट्रे प्रणाली स्थापित करने का निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नए हवाईअड्डों में स्वचालित एक्स-रे ट्रे प्रणाली ही स्थापित करने के उचित मापदंड तय किए जाएं। उन्होंने एयरपोर्ट में प्रवेश के लिए एंट्री लेन, चेक-इन काउंटर, सुरक्षा जांच लेन और आप्रवासन काउंटर के मध्य आपसी पारस्परिक निर्भरता को ध्यान में रखते हुए एक समीकरण तैयार किया जाने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी टचपॉइंट पर पैसेंजर प्रवाह में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि यात्रियों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए एयरपोर्ट के प्रत्येक टचपॉइंट पर समन्वित योजना तैयार की गई है। गृह मंत्री अमित शाह ने निर्देश दिया कि नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) के सुरक्षा मापदंड अनुसार यात्री-सुविधा बढ़ाने और वाणिज्यिक क्षेत्र को निर्धारित मानक में ही रखने के लिए 21 प्रक्रियाधीन तथा शेष 41 एयरपोर्ट को विकसित करने के लिए पैसेंजर्स ट्रैफिक के अनुसार प्राथमिकता निर्धारित की जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि इन 62 एयरपोर्ट पर अगले दो वर्ष में कार्य पूर्ण किया जाए। अमित शाह ने यह भी निर्देश दिया कि नागरिक विमानन मंत्रालय पैसेंजर ट्रैफिक और एयर ट्रैफिक के आधार पर सभी एयरपोर्ट्स के लिए एरोब्रिज की संख्या संबंधी मानदंड निर्धारित करे। बैगेज ड्रॉप की सुविधा प्रमुख 16 हवाई अड्डों के अतिरिक्त अन्य उच्च पैसेंजर आवागमन वाले अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर भी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि एक्स-रे स्क्रीनिंग के लिए प्रायोजित केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) स्टाफ की शैक्षणिक योग्यता में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। साथ ही उपयुक्त शैक्षणिक योग्यता रखने वाले उपलब्ध अधिकारी और कर्मचारियों को एक्स-रे स्क्रीनिंग कार्य में नियोजित किया जाए। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 2027 तक सभी राज्य मुख्यालयों पर अनिवार्य रूप से क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) कार्यालय प्रारंभ किए जाएं। अगरतला और जेवर एयरपोर्ट पर अधिकृत आप्रवासन चौकी शीघ्रता से प्रारंभ की जाए।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने इस्कॉन के मिड-डे मील प्रस्ताव पर बंगाल सरकार से मांगा हलफनामा

एजेंसी

कोलकाता। कलकत्ता हाई कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश दिया कि वह कोलकाता नगर निगम (केएमसी) क्षेत्र के सरकारी स्कूलों में मिड-डे मील (मध्याह्न भोजन) उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कांशसनेस (इस्कॉन) को सौंपने के प्रस्ताव की वर्तमान स्थिति पर एक हलफनामा (एफिडेविट) दाखिल करे। इस मामले में दायर जनहित याचिका (पीआईएल) पर कलकत्ता हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश तपब्रता चक्रबर्ती और न्यायमूर्ति पार्थ सारथी चटर्जी की खंडपीठ ने सुनवाई की। सुनवाई के दौरान अदालत ने सरकार से पूछा कि इस प्रस्ताव की वर्तमान स्थिति क्या है। इसके जवाब में राज्य के महाधिवक्ता सूरजित नाथ मित्रा ने अदालत को बताया कि मामला अभी केवल प्रस्ताव के स्तर पर है और इस संबंध में अब तक कोई औपचारिक अधिसूचना (नोटिफिकेशन) जारी

नहीं की गई है। इसके बाद खंडपीठ ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह अगले चार सप्ताह के भीतर इस मामले में विस्तृत हलफनामा दाखिल करे। अदालत ने याचिकाकर्ता को भी निर्देश दिया कि सरकार का हलफनामा दाखिल होने के दो सप्ताह के भीतर वह अपना जवाबी हलफनामा प्रस्तुत करे। साथ ही, अदालत ने टिप्पणी की कि इस प्रस्ताव के खिलाफ दायर याचिका फिलहाल समय से पहले दायर की गई प्रतीत होती है, क्योंकि राज्य सरकार ने अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक अधिसूचना जारी नहीं की है। खंडपीठ ने यह भी कहा कि यदि भविष्य में सरकार इस संबंध में औपचारिक अधिसूचना जारी करती है तो याचिकाकर्ता दोबारा अदालत का दरवाजा खटखटा सकता है। जनहित याचिका में तर्क दिया गया है कि यदि कोलकाता के सरकारी स्कूलों में मिड-डे मील तैयार करने की जिम्मेदारी इस्कॉन को दी जाती है तो भोजन में अंडे नहीं परोसे जाएंगे।

इससे छात्रों को प्रोटीन युक्त आहार से वंचित होना पड़ सकता है। याचिका में यह भी कहा गया है कि वर्तमान में मिड-डे मील बनाने का काम करने वाली कई महिलाओं की नौकरी चली जाएगी, यदि पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों में यह जिम्मेदारी इस्कॉन को सौंप दी जाती है।

असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, बलिदान और संघर्ष का परिणाम है भारत का लोकतंत्र : नरेन्द्र सिंह तोमर

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। प्रत्येक भारतीय के लिए यह गर्व का विषय है। लोकतंत्र केवल संविधान, राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रगान, भौगोलिक सीमाओं अथवा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, बलिदान और संघर्ष का परिणाम है, जिन्होंने राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। विधानसभा अध्यक्ष तोमर विधानसभा के मानसरोवर सभागार में यंग इंडियंस पार्लियामेंट 2026 कार्यक्रम के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में युवा प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास का गंभीर अध्ययन करें, ताकि लोकतंत्र के मूल्यों को समझते हुए उसका सही उपयोग कर सकें। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्त करना जितना महत्वपूर्ण था, उससे कहीं अधिक आवश्यक आज लोकतंत्र को सशक्त, स्थायी एवं आदर्श बनाना है, जिससे भारत विश्व के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों का अनुकरणीय उदाहरण बन सके। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी तोमर ने अधिकार और कर्तव्य को लोकतंत्र के दो समान रूप से महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए कहा कि संविधान नागरिकों को अधिकार प्रदान करता है, वहीं उनके कर्तव्यों का भी बोध कराता है। अधिकार और कर्तव्य दोनों के संतुलित निर्वहन से ही लोकतंत्र मजबूत होता है, जबकि किसी एक पक्ष की उपेक्षा लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर सकती है।

सीएम खेमचंद ने नागा-बहुल सेनापति में विकास परियोजनाओं की समीक्षा की

एजेंसी

इम्फाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने सेनापति जिले में कई जगहों का दौरा किया। उन्होंने वहां चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया और नागा-बहुल पहाड़ी जिले के निवासियों और नागरिक समाज संगठनों के साथ बातचीत की। इंफाल घाटी और पहाड़ी इलाकों में संतुलित विकास सुनिश्चित करने और साथ ही राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने की सरकारी कोशिशों के तहत, मुख्यमंत्री पिछले कुछ महीनों से मैतेई, कुकी-जो और नागा आबादी वाले जिलों का बड़े पैमाने पर दौरा कर रहे हैं। बुधवार के दौरे के दौरान, खेमचंद सिंह ने कई सरकारी प्रोजेक्ट्स और कल्याणकारी योजनाओं के लागू होने की समीक्षा की और नागा सिविल सोसाइटी संगठनों (सीएसओ) के सदस्यों और आम जनता से बातचीत करके उनकी चिंताओं और विकास से जुड़ी प्राथमिकताओं को समझा। माओ में एक सरकारी आलू फार्म पर पहुंचने पर, मुख्यमंत्री को बागवानी आयुक्त टी.एन. पानमेई ने जानकारी दी कि विभाग को पिछले दो सालों से पर्याप्त फंड नहीं मिला है। नतीजतन, फार्म अपने पहले के उत्पादन स्तर को बनाए रखने में असमर्थ रहा है। माओ

के अनुकूल मौसम का जिक्र करते हुए, खेमचंद सिंह ने कहा कि यह इलाका न सिर्फ आलू की खेती के लिए, बल्कि फूलों की खेती और कई तरह की बागवानी फसलों के लिए भी बहुत उपयुक्त है। उन्होंने स्थानीय लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार माओ इलाके के निवासियों की समस्याओं और शिकायतों को दूर करने के लिए सभी संबंधित पक्षों से बातचीत करेगी। मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नागा नेता लोसी डिखो, कई विधायकों और सेनापति के डिप्टी कमिश्नर के साथ, बाद में सेनापति शहर में मिनी सचिवालय परिसर के कॉन्फ्रेंस हॉल में यूनाइटेड नागा काउंसिल (यूएनसी) के प्रतिनिधियों से मिले और जिले से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की। बाद में, पुनानामी गांव में एसीआई ऑडिटोरियम में माओ काउंसिल, माओ स्टूडेंट्स यूनियन और सरकारी आलू फार्म के जमीन मालिकों के प्रतिनिधियों ने खेमचंद सिंह का गर्मजोशी से स्वागत किया। लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि सरकार ने औपचारिक रूप से रिखरुरी मल्टीपर्पस डैम के निर्माण को मंजूरी दे दी है। यह बड़ा प्रोजेक्ट आस-पास के 27 गांवों को पीने का पानी उपलब्ध कराएगा और इलाके में पानी की उपलब्धता में काफी सुधार करेगा।

स्वागत समारोह के दौरान, माओ काउंसिल और पोउमाई नागा यूनियन (पीएनयू) ने मुख्यमंत्री को अलग-अलग ज्ञापन सौंपे, जिनमें विकास से जुड़ी कई मांगें और जनता की चिंताएं बताई गई थीं। माओ स्टूडेंट्स यूनियन ने माओ में एक मल्टीपर्पस स्किल ट्रेनिंग, ट्रेड और यूथ एक्टिविटी सेंटर बनाने की मांग करते हुए एक ज्ञापन सौंपा था।

विपक्ष ने महिला डॉक्टरों पर शिवसेना पार्षद के हमले की कड़ी निंदा की, बताया गुंडागर्दी

एजेंसी

मुंबई। कल्याण-डोंबिवली नगर निगम क्षेत्र में शिवसेना के एक नगरसेवक द्वारा महिला डॉक्टरों और अस्पताल कर्मचारियों के साथ कथित मारपीट की घटना को लेकर महाराष्ट्र में राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। विपक्षी दलों ने सत्तारूढ़ गठबंधन पर सत्ता के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, राज्य सरकार के मंत्रियों ने भी इस घटना की निंदा करते हुए इसे अस्वीकार्य बताया और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी भी हो चुकी है। आदित्य ठाकरे ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'मैंने सरकार और मुख्यमंत्री से मांग की है कि नगरसेवक रमेश म्हात्रे को सिर्फ गिरफ्तार ही नहीं किया जाए, बल्कि उन्हें नगरसेवक पद से भी अयोग्य घोषित किया जाए। उन्हें कल्याण और डोंबिवली में घुमाया जाए, ताकि लोगों को संदेश मिले कि किसी पर भी हमला नहीं किया जा सकता, खासकर डॉक्टरों और नर्सों पर, चाहे वे महिला हों या पुरुष। ' रोहित पवार ने इस घटना को 'गुंडागर्दी' करार देते हुए कहा कि सत्ता में बैठे लोग ही इस

तरह के व्यवहार को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'डॉक्टर के साथ जो हुआ वह पूरी तरह गलत है। डॉक्टर ने स्पष्ट बताया था कि अस्पताल में जगह उपलब्ध नहीं है। गर्भवती महिला और बच्चे दोनों की जान को खतरा हो सकता था, इसलिए डॉक्टर ने परिवार को अस्थायी रूप से किसी निजी अस्पताल में जाने की सलाह दी थी। इसके बाद सत्ताधारी दल का एक नगरसेवक अस्पताल में घुसा और महिला डॉक्टरों तथा कर्मचारियों के साथ मारपीट की। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं और डॉक्टरों के साथ खड़े हैं। ' नाना पटोले ने कहा कि भारी बहुमत मिलने के बाद सत्तारूढ़ गठबंधन में अहंकार आ गया है। उन्होंने कहा, 'उन्हें लगता है कि वे हमेशा सत्ता में रहेंगे और शासकों की तरह व्यवहार करने लगे हैं। यही अहंकार इतना बढ़ गया कि महिला डॉक्टर और नर्सों पर हमला किया गया। यह सावित्रीबाई फुले और छत्रपति शिवाजी महाराज की धरती है, जहां महिलाओं के सम्मान को सर्वोच्च माना जाता है। हम इस मुद्दे को उठाएंगे और सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग करेंगे। ' असलम शेख ने आरोप लगाया कि सरकार सत्ता के नशे में चूर है। उन्होंने कहा, 'यदि सरकारी अस्पताल में सुविधाओं की कमी है तो उसे दूर करना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन सुविधाएं बढ़ाने के बजाय महिला डॉक्टरों और कर्मचारियों को डराने का काम किया जा रहा है। यह बेहद शर्मनाक है। '

सरोज आहिरे ने कहा कि किसी भी शिकायत का समाधान कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं इस घटना की निंदा करती हूं। किसी महिला पर हाथ उठाना बिल्कुल गलत है। यदि किसी को शिकायत है तो वह संबंधित अधिकारियों, उपमुख्यमंत्री या मुख्यमंत्री के पास जा सकता है। 'महाराष्ट्र की मंत्री मेघना बोर्डीकर ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि किसी जनप्रतिनिधि को ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि डॉक्टर, नर्स और स्वास्थ्यकर्मी मरीजों को बेहतर उपचार देने के लिए लगातार काम करते हैं। इस मामले में एफआईआर दर्ज हो चुकी है और भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए कदम उठाए जाएंगे।

उत्तराखंड ने 98.7 प्रतिशत की साक्षरता दर का ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया, पूर्ण साक्षरता का दर्जा किया हासिल

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड ने शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए देश के छठे पूर्ण साक्षर राज्य का दर्जा प्राप्त कर लिया है। राज्यपाल की स्वीकृति के बाद, केंद्र के 'उल्लास' कार्यक्रम के तहत राज्य ने 98.7 प्रतिशत की साक्षरता दर का ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है। भारत सरकार के स्कूल शिक्षा साक्षरता विभाग के बाद निर्धारित मानकों को पूरा करने के बाद राज्यपाल ने आज राज्य को पूर्ण साक्षर घोषित करने की स्वीकृति प्रदान की। इससे पहले मिजोरम, गोवा, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश और सिक्किम पूर्ण साक्षर राज्य घोषित हो चुके हैं। अब उत्तराखंड भी इस सूची में शामिल हो गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसे राज्य के लिए मील का पत्थर बताते हुए कहा कि यह उपलब्धि सरकार के सतत प्रयासों और जनभागीदारी का परिणाम है। कहा कि सरकार डिजिटल साक्षरता, वित्तीय साक्षरता,

सतत शिक्षा और जीवनोपयोगी कौशल प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने कहा कि देश का छठा पूर्ण साक्षर राज्य बनना प्रत्येक उत्तराखंडवासी के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण एवं आजीवन शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। विद्यालयी शिक्षा विभाग के सचिव रविनाथ रमन ने कहा कि पूर्ण साक्षरता सामाजिक और आर्थिक विकास की आधारशिला है। उन्होंने बताया कि उल्लास कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षा की पहुंच समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित की गई, जिसके परिणामस्वरूप राज्य यह लक्ष्य हासिल कर सका। महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा आकांक्षा कोंडे और प्रारंभिक शिक्षा निदेशक कुंवर सिंह रावत ने भी इसे सभी जिलों, शिक्षकों, स्वयंसेवकों और समुदाय के संयुक्त प्रयासों का परिणाम बताया। सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार उल्लास कार्यक्रम का उद्देश्य केवल निरक्षर वयस्कों को साक्षर बनाना ही नहीं, बल्कि उन्हें डिजिटल साक्षरता, वित्तीय साक्षरता, जीवनोपयोगी कौशल और सतत अधिगम से जोड़ना भी है।

अपनी बायोपिक का पहला पोस्टर लॉन्च होने पर बोले गांगुली

‘यह अब तक का सबसे अच्छा बर्थडे गिफ्ट’

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने बुधवार को अपने 54वें जन्मदिन पर अपनी बायोपिक, ‘दादाः द सौरव गांगुली स्टोरी’ के फर्स्ट-लुक पोस्टर के लॉन्च को ‘अब तक का सबसे अच्छा बर्थडे गिफ्ट’ बताया। नेशनल अवॉर्ड विजेता एक्टर राजकुमार राव स्टारर यह फिल्म अगले साल 14 मई को थिएटर में रिलीज होगी। पोस्टर लॉन्च के बाद अपने पहले रिएक्शन में गांगुली ने कहा कि इस मौके ने उनके जन्मदिन को और भी खास बना दिया। उन्होंने कहा, ‘जन्मदिन हमेशा खास होते हैं और आज मेरी बायोपिक ‘दादा - द सौरव गांगुली स्टोरी’ का फर्स्ट लुक रिलीज होने से यह और भी यादगार बन गया है। यह सच में अब तक का सबसे अच्छा बर्थडे गिफ्ट है।’ पूर्व कप्तान ने कहा कि फिल्म का यह पोस्टर उन्हें उनके क्रिकेट करियर के सबसे यादगार और अहम पलों में से एक की याद दिलाता है। उन्होंने राजकुमार राव पर भरोसा जताते हुए कहा कि अभिनेता ने उनके जीवन और संघर्ष को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ पर्दे पर उतारा है। उन्होंने कहा, ‘यह पोस्टर मुझे मेरे क्रिकेट सफर के एक बेहद खास पल में वापस ले जाता है। राजकुमार ने इस किरदार को पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ निभाया है। मुझे भरोसा है कि वह मेरी कहानी को दर्शकों तक बेहतरीन तरीके से पहुंचाएंगे।‘

फिल्म के निर्माताओं को अपनी शुभकामनाएं देते हुए गांगुली ने उम्मीद जताई कि जब यह बायोपिक अगले साल सिनेमाघरों में आएगी, तो दर्शक बड़ी

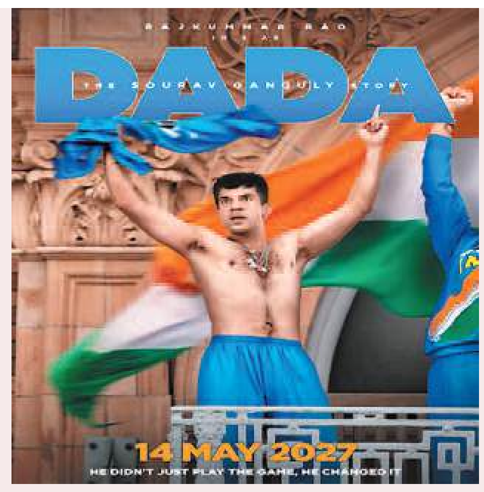

संख्या में इसे देखने आएंगे। उन्होंने कहा, ‘मैं उन्हें और पूरी टीम को शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि फैंस 14 मई 2027 को बड़े पर्दे पर फिल्म का आनंद लेंगे।‘

गांगुली के जन्मदिन के मौके पर जारी किए गए फिल्म के फर्स्ट-लुक पोस्टर में अभिनेता राजकुमार राव भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे यादगार पलों में से एक को दोबारा जीवंत करते नजर आते हैं। पोस्टर में वह लॉर्ड्स की बालकनी में शर्ट उतारकर खड़े हैं, ठीक उसी अंदाज में जैसे सौरव गांगुली ने 2002 नेटवेस्ट ट्रॉफी फाइनल में भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद जश्न मनाया था। पोस्टर की पृष्ठभूमि में लहराता विशाल तिरंगा इस ऐतिहासिक पल को और भी भव्य बना रहा है।

चित्रा के. सोमन

कड़ी मेहनत से बनाई पहचान

कॉमनवेल्थ गेम्स में जीता सिल्वर मेडल

ग्रांड प्रिक्स में भी लहराया परचम

नई दिल्ली । कुछ खिलाड़ियों में टैलेंट कूट-कूटकर भरा होता है, तो कुछ खिलाड़ी कड़ी मेहनत के दम पर अपनी पहचान बनाते हैं। ऐसी ही खिलाड़ी रहीं चित्रा.के.सोमन, जिन्होंने अपनी मेहनत के दम पर 400 मीटर की दौड़ में देश का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन किया। चित्रा का जन्म 10 जुलाई, 1983 को केरल के कोट्टायम में हुआ। चित्रा को शुरुआत से ही दौड़ने का काफी शौक था। वह स्कूल स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती थीं। जल्द ही उनकी काबिलियत को कोच ने पहचाना और चित्रा ने बतौर धावक करियर बनाने का फैसला कर लिया। साधारण परिवार में जन्मीं चित्रा ने अपनी लगन और कड़ी मेहनत के दम पर सफलता की सीढ़ियां चढ़ती चली गईं। साल 2004 में हुए एथेंस ओलंपिक में 4×400 मीटर रिले स्पर्धा में चित्रा ने हिस्सा लिया और वह सातवें स्थान पर रहीं। टीम स्पर्धा में उन्होंने मंजीत कौर, के.एम.बीनामोल और राजविंदर कौर के साथ मिलकर 4×400 मीटर रिले में नेशनल रिकॉर्ड बनाया। टीम की साथी खिलाड़ियों संग मिलकर उन्होंने यह रिले 3:26.89 मिनट में पूरी की। इस प्रदर्शन ने विश्व स्तर पर उनको पहचान दिलाने का काम किया। साल 2006 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में चित्रा का प्रदर्शन लाजवाब रहा और वह सिल्वर मेडल जीतने वाली रिले टीम का हिस्सा रहीं।

इसके बाद, साल 2007 में हुई एशियाई ग्रांड प्रिक्स में भी चित्रा का जलवा देखने को मिला। उन्होंने 400 मीटर की दौड़ में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। 400 मीटर की दौड़ को चित्रा ने 51.30 सेकंड में पूरा किया, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी रहा। साल 2007 में चित्रा को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए भारतीय सरकार द्वारा ‘अर्जुन पुरस्कार’ से सम्मानित किया गया। चित्रा ने उस दौर में इस खेल में अपनी पहचान बनाई, जब काफी सीमित साधन हुआ करते थे। वह उन तमाम महिलाओं के लिए प्रेरणा बनीं, जो छोटे शहर से आकर अपने खेल के दम पर विश्व में पहचान बनाने की इच्छा रखती हैं।

आईसीसीटी-20 रैंकिंग

किशन शीर्ष पर बरकरार

● जैकब बेथेल ने लगाई लंबी छलांग

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा जारी टी20 के बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारतीय टीम के बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाजों ईशान किशन और अभिषेक शर्मा ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। ईशान किशन टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में

पहले स्थान पर हैं, जबकि अभिषेक शर्मा दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान तीसरे और इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट चौथे स्थान पर हैं। श्रीलंका के पाथुम निसांका पांचवें स्थान पर हैं। भारत के तिलक वर्मा छठे, इंग्लैंड के जोस बटलर सातवें स्थान पर हैं। भारत के खिलाफ जारी टी20 सीरीज के दूसरे मैच में नाबाद 76 रनों की पारी खेलने वाले इंग्लैंड के बाएं हाथ के बल्लेबाज जैकब बेथेल को रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है। बेथेल 7 स्थान ऊपर चढ़ते हुए आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के मिशेल मार्श नौवें, जबकि दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस दसवें स्थान पर हैं। टी20 गेंदबाजों की बात करें तो अफगानिस्तान के राशिद खान पहले, पाकिस्तान के अबरार अहमद दूसरे, इंग्लैंड के आदिल रशीद 1 स्थान ऊपर चढ़ते हुए तीसरे, और ऑस्ट्रेलिया के एडम जांपा 1 स्थान ऊपर चढ़ते हुए चौथे स्थान पर हैं। भारत के वरुण चक्रवर्ती को 2 स्थान का घाटा हुआ है, वह पांचवें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के नाथन एलिस और दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बोश क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर हैं। दोनों को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। जसप्रीत बुमराह को दो स्थान का घाटा हुआ है, वह आठवें स्थान पर हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे टीम घोषित

शुम्बा और न्यूमैन न्यामहुरी को मौका

हरारे । बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली 3 टी20 मैचों की घरेलू सीरीज के लिए जिम्बाब्वे क्रिकेट ने बुधवार को 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की । टीम की कमान सिकंदर रजा के हाथ में है । इस टीम में ज्यादातर वही खिलाड़ी हैं जो टी20 विश्व कप 2026 में जिम्बाब्वे को सुपर–8 तक पहुंचाने वाले कैंपेन का हिस्सा रहे थे । हरारे में चल रही वनडे सीरीज समाप्त होने के बाद 15, 17 और 19 जुलाई को बुलावायो में 3 टी20 मैच खेले जाने हैं । टीम में दो

बदलाव हुए हैं । युवा तेज गेंदबाज न्यूमैन न्यामहुरी और बल्लेबाज मिल्टन शुम्बा को शामिल किया गया है । न्यामहुरी ने टी20 फॉर्मेट में अभी तक डेब्यू नहीं किया है । शुम्बा ऑस्ट्रेलिया में 2022 टी20 विश्व कप के बाद पहली बार टी20 टीम में लौटे हैं । बल्लेबाज बेन कुरेन, जिन्हें इस साल की शुरुआत में ब्रेंडन टेलर की चोट के बाद टी20 विश्व कप टीम में शामिल किया गया था, ने अपनी जगह बरकरार रखी है । ग्रेम क्रेमर बाएं हाथ में इंजरी की वजह से चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे ।

चयनकर्ता संयोजक डेविड मुटेंडेरा ने कहा कि टीम का चयन करते समय निरंतरता पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया गया था । उन्होंने कहा, ‘टी20 विश्व कप ने दिखाया कि यह ग्रुप क्या करने में काबिल है, इसलिए निरंतरता हमारे लिए एक जरूरी बात थी । हम सुपर आठ तक पहुंचने वाली टीम के कोर को एक साथ रखना चाहते थे, साथ ही उन खिलाड़ियों के लिए भी जगह बनाना चाहते थे जिन्होंने अपने प्रदर्शन से अपने लिए मौके बनाए हैं । यह सीरीज टीम को आगे बढ़ने का एक और मौका देती है क्योंकि हम आगे के बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की तैयारी कर रहे हैं ।‘

जिम्बाब्वे टीम

सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, बेन कुरेन, ब्रैड इवांस, क्लाइव मडांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमानी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजराबानी, डियोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा, न्यूमैन न्यामहुरी, मिल्टन शुम्बा ।

लॉर्ड्स में महिलाओं का टेस्ट मैच एक शानदार मौका

इसका बेसब्री से इंतजार हैः भारतीय कोच मजूमदार

लंदन। भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच 10 जुलाई से लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर इकलौता टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस खास मौके पर खुशी जाहिर करते हुए भारतीय हेड कोच अमोल मजूमदार ने बुधवार को कहा कि ‘होम ऑफ क्रिकेट’ में टेस्ट मैच खेलना किसी भी भारतीय क्रिकेटर का सबसे बड़ा सपना होता है। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में मजूमदार ने कहा, ‘यह सोचकर ही हैरानी होती है कि लॉर्ड्स में यह पहला टेस्ट मैच (विमेंस) है। इसके बावजूद, मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं। मैं इस आयोजन से जुड़े सभी लोगों को शुभकामनाएं देना चाहता हूं। यह एक शानदार मौका है और हम इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। किसी भी भारतीय क्रिकेटर के लिए टेस्ट मैच खेलना ही एक सपना होता है, फिर लॉर्ड्स में खेलने की बात ही अलग है। मुझे यकीन है कि इस मुकाबले में जो भी खिलाड़ी सफेद जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेंगे, उन्हें लॉर्ड्स में टेस्ट मैच खेलने पर गर्व होगा।’ उन्होंने कहा, ‘हमने ड्रेसिंग रूम में हमेशा यही बात कही है। पारंपरिक रूप से हमने टेस्ट मुकाबलों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले ही हर कोई लॉर्ड्स में होने वाले टेस्ट मैच के बारे में बात कर रहा था। अब वह समय आ गया है, इसलिए खिलाड़ी निश्चित रूप से इसे लेकर उत्साहित होंगे।‘

भारत ने विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन किया। लीग स्टेज से बाहर होने के बाद भारतीय टीम इंग्लैंड के विरुद्ध इस टेस्ट मैच में उतरेगी। मजूमदार ने स्वीकार किया है कि हालांकि प्रदर्शन ‘मिला-जुला’

रहा, लेकिन टीम ने सफलतापूर्वक अपना ध्यान सबसे लंबे फॉर्मेट पर लगा लिया है।

उन्होंने कहा, ‘सच कहूं तो, यह मिला-जुला रहा है। हमें हार से उबरना था। हम निश्चित रूप से निराश थे। हमारा वर्ल्ड कप बहुत अच्छा नहीं रहा, लेकिन इसके बावजूद, टीम का जज्बा सामने आना जरूरी था और हमें उस दौर से बाहर निकलकर जल्द ही टेस्ट मैच की तैयारी में जुटना था। मुझे लगता है कि हम ऐसा करने में कामयाब रहे हैं। हमने वर्म्सले क्रिकेट क्लब में तैयारी के पांच बहुत अच्छे दिन बिताए। यह एक खूबसूरत मैदान है और तैयारी के लिए एकदम सही जगह है और फिर यहां लॉर्ड्स में भी। हमारी तैयारी अच्छी रही है। ‘

टैमी ब्यूमोंट भारत के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लेंगी संन्यास

लंदन । इंग्लैंड की अनुभवी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी । टैमी भारत के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले जाने वाले मुकाबले के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहेंगी । टैमी अपने 17 साल के शानदार करियर का अंत इस मशहूर मैदान पर टेस्ट मैच के साथ करेंगी, जिसकी शुरुआत 10 जुलाई से होगी । नवंबर 2009 में अपने अंतरराष्ट्रीय सफर की शुरुआत करने वालीं टैमी ने इंग्लैंड के लिए सभी फॉर्मेट में कुल 260 मैच खेले, जिसमें 7,325 रन बनाए । टैमी वनडे फॉर्मेट में इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक 12 शतक लगाने वाली महिला खिलाड़ी हैं, जो साल 2017 में घरेलू मैदान पर इंग्लैंड की ऐतिहासिक महिला वनडे वर्ल्ड कप जीत की मुख्य सूत्रधार थीं । उस टूर्नामेंट में टैमी ने सर्वाधिक 410 रन बनाए, जिसके लिए उन्हें ‘प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट’ चुना गया । इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की तरफ से जारी एक बयान में टैमी ने कहा, ‘करीब 17 साल तक इंग्लैंड के लिए खेलना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान रहा है । जब छोटी उम्र में क्रिकेट खेलने का शौक जगा, तब मुझे शायद ही पता था कि इंग्लैंड के

लिए क्रिकेट खेलना भी एक विकल्प हो सकता है । यह सोचकर मुझे बहुत खुशी होती है कि कितनी लड़कियां और लड़के इससे प्रेरित हुए हैं । हम हमेशा अगली पीढ़ी के लिए इस विरासत को आगे बढ़ाना चाहते थे, और अब मेरे लिए यह मौका आ गया है कि मैं इंग्लैंड के खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को यह जिम्मेदारी सौंप दूं । लॉर्ड्स में होने वाला यह टेस्ट मैच, जो लॉर्ड्स में महिलाओं का पहला टेस्ट है, मेरे करियर को अलविदा कहने का सबसे सही मौका है । मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मेरा करियर इतना शानदार होगा ।‘ 35 वर्षीय टैमी इंग्लैंड की उन दो महिला खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्होंने खेल के तीनों फॉर्मेट में शतक लगाया है । टैमी टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाली पहली इंग्लिश महिला खिलाड़ी हैं, जिन्होंने साल 2023 में विमेंस एशेज के दौरान ट्रेंट ब्रिज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 208 रन बनाए थे । टैमी ब्यूमोंट ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि वह घरेलू क्रिकेट में ‘द ब्लेज’ और ‘द हंड्रेड’ में ‘बर्मिंघम फीनिक्स’ के लिए खेलना जारी रखेंगी । उन्होंने कहा, ‘मैं घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखूंगी, लेकिन अपने शानदार सपोर्ट के लिए सभी फैंस का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं ।

फीफा विश्व कपः मोरक्को को झटका

फॉरवर्ड सैबारी फ्रांस के खिलाफ क्वार्टर-फाइनल से हुए बाहर

नई दिल्ली । फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर-फाइनल में फ्रांस जैसी मजबूत टीम के खिलाफ मुकाबले से पहले मोरक्को को बड़ा झटका लगा है। उनके मुख्य फॉरवर्ड इस्माइल सैबारी चोट के कारण इस अहम मैच से बाहर हो गए हैं। मोरक्को के हेड कोच मोहम्मद ओआबी ने गुरुवार को मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में सैबारी के बाहर होने की पुष्टि की। ओआबी के अनुसार, कनाडा के खिलाफ राउंड ऑफ 16 की जीत के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट लगने के बाद यह फॉरवर्ड समय पर ठीक नहीं हो सका। हालांकि, कोच को उम्मीद है कि अगर उनकी टीम सेमीफाइनल में पहुंचती है, तो 25 वर्षीय खिलाड़ी फिट हो जाएगा। मैच से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ओआबी ने कहा, ‘वह तैयार नहीं हैं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह उनके लिए टूर्नामेंट का अंत नहीं है। ‘

सैबारी मौजूदा टूर्नामेंट में अफ्रीकी टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने ग्रुप स्टेज के तीनों मैचों में गोल किए और राउंड ऑफ 32 में नीदरलैंड के खिलाफ निर्णायक

शूटआउट में पेनल्टी को गोल में बदला। उनकी अनुपस्थिति के कारण मोरक्को को 2022 वर्ल्ड कप की उपविजेता टीम के खिलाफ अधिक रक्षात्मक रणनीति अपनानी पड़ सकती है।

फीफा ने फ्रांस और मोरक्को के बीच क्वार्टर-फाइनल मुकाबले के लिए पूरी तरह से अर्जेंटीना के अधिकारियों की टीम नियुक्त करके एक बड़ी बहस छेड़ दी है। 2026 टूर्नामेंट में यह पहली बार है जब किसी मैच का संचालन पूरी तरह से एक ही देश के अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। हालांकि, मोरक्को के कोच ने अधिकारियों के प्रभाव को कम करके आंका है।

मैच से पहले अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में रेफरी के बारे में उन्होंने कहा, ‘हम एक बहुत अनुभवी रेफरी की बात कर रहे हैं। हम यही चाहते हैं। हम इस तरह के मैचों के लिए अनुभवी रेफरी चाहते हैं। इसलिए हम बहुत शांत हैं। नीदरलैंड्स का सामना करने से पहले हमारे मैच में एक डच रेफरी था और उसने बहुत अच्छा काम किया था।

वाइल्डकार्ड एंट्री से लॉकअप 2 में पहुंचीं शिल्पा शिंदे

'लॉकअप सीजन 2' में भरपूर ड्रामा देखने को मिल रहा है। प्रतिभागी अपनी जिंदगी से जुड़े नए-नए और दिलचस्प खुलासे कर रहे हैं। शो के इस ड्रामे में अब और भी तड़का लगने वाला है। शिल्पा शिंदे भी इस रियलिटी शो में पहुंच चुकी हैं। उन्होंने पहली वाइल्डकार्ड प्रतिभागी के रूप में हिस्सा लिया है। अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने आधिकारिक तौर पर इस शो में एंट्री की।

'लॉकअप 2' को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। शो में खूब गरमागरम बहस, इमोशनल खुलासे हो रहे हैं। पहला एविक्शन हो चुका है। शिल्पा शिंदे के घर में पहली वाइल्डकार्ड एंट्री के तौर पर आने से, कॉम्पिटिशन के एक और ड्रामैटिक मोड़ लेने की उम्मीद है। मेकर्स ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक प्रमोशनल वीडियो शेयर करके 'लॉकअप 2' में शिल्पा शिंदे की एंट्री की घोषणा की। क्लिप में वह कॉन्फिडेंस से कहती हैं, 'सुना है सब लोग अंदर अपनी-अपनी गाड़ी जमाए बैठे हैं। लेकिन उन्हें कह दो जब तक कोई बाहर का अंदर कदम नहीं रखता, तब तक ही उनका राज चलता रहेगा'।

सामने आए वीडियो के साथ कैप्शन लिखा है, 'सही पकड़े हैं! अब गेम पटलने वाला है'। बता दें कि भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया के पॉडकास्ट पर आने के बाद हुए विवाद के बाद शिल्पा की एंट्री हुई है। बातचीत के दौरान, उन्होंने टीवी शो 'भाबीजी घर पर हैं' के प्रोड्यूसर्स के साथ अपने झगड़े के बारे में बात की थी। बातचीत में शिल्पा शिंदे ने बताया था कि शो छोड़ने के बाद और बकाया पेमेंट को लेकर हुए झगड़े के बीच उन्होंने प्रोड्यूसर संजय कोहली के खिलाफ उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा कि उस समय उन्हें बहुत फंसा हुआ महसूस हो रहा था और उन्होंने इस कदम को आखिरी रास्ता बताया। शिंदे ने यह भी कहा कि बाद में मामला सुलझ गया और उन्हें उनके बकाया पैसे मिल गए'।

आखिरी सांस तक करूंगी एक्टिंग

सुमोना चक्रवर्ती ने लंबे समय से एंडोमेट्रियोसिस से जूझने के बाद इसकी सर्जरी कराई है। उन्होंने कहा कि इसे संभालने की कोशिशों के बावजूद यह बीमारी बहुत ज्यादा बढ़ गई थी। उन्होंने यह जानकारी सोशल मीडिया पर दी। उनके मुताबिक उन्होंने लगभग दो महीने तक सोशल मीडिया से ब्रेक लिया था।

उन्होंने पिछले कुछ हफ्ते अपनी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने में बिताए। सुमोना चक्रवर्ती ने कहा कि अब वह ठीक हैं। बल्कि, बहुत अच्छी हैं। उनकी पोस्ट सिर्फ उनकी सेहत के अपडेट तक ही सीमित नहीं थी। उन्होंने सोशल मीडिया से दूर रहने के अपने समय के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें वर्षों से ऑनलाइन किस तरह की प्रतिक्रियाएं मिली हैं। उन्होंने कहा कि अब वह डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके एक जैसी सोच वाले लोगों, खासकर महिलाओं का एक समुदाय बनाना चाहती हैं।

सुमोना की हुई सर्जरी

अपनी पोस्ट की शुरुआत हल्के-फुल्के अंदाज में करते हुए चक्रवर्ती ने लिखा 'हेलो! लंबे समय बाद वापस आकर खुशी हो रही है। पिछले दो महीनों से मैं दुनिया-दारी से दूर रही हूं।' उन्होंने कहा उस समय के ज्यादातर हिस्से में वह जान-बूझकर सोशल मीडिया से दूर रही थीं। फिर उन्होंने बताया कि बीमारी के बढ़ जाने की वजह से एंडोमेट्रियोसिस को हटाने के लिए उनकी सर्जरी हुई थी।

सुमोना को मिले नकारात्मक कमेंट्स

चक्रवर्ती ने कहा कि कई नकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिलीं, मगर वह नकारात्मक कमेंट से परेशान नहीं होंगी। वह आखिरी सांस तक काम और एक्टिंग करती रहेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि उन्होंने अपनी ज्यादातर पर्सनल जिंदगी को प्राइवेट रखा है और आगे भी ऐसा ही करना चाहती हैं, लेकिन जब भी उनकी जिंदगी की कोई बात सच में किसी की मदद कर सकती है, तो वह जरूर बोलेंगी।

बॉलीवुड में उम्र संबंधी भेदभाव के खिलाफ ईशा कोप्पिकर ने उठाई आवाज

बॉलीवुड के कई सितारों ने ज्यादा उम्र के पुरुष कलाकारों के छोटी उम्र की अभिनेत्रियों के साथ रोमांस करने के खिलाफ आवाज उठाई है। अब इसमें नया नाम एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर का जुड़ गया है। उन्होंने इंडस्ट्री में उम्र संबंधी भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई। ईशा कोप्पिकर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्होंने कहा 'यह बहुत अजीब है, है ना? एक आदमी की उम्र बढ़ने को अनुभव कहा जाता है, जबकि एक महिला की उम्र बढ़ने को समस्या। फिल्मों में हम हीरो को अपनी आधी उम्र की लड़कियों के साथ रोमांस करते देखते हैं। वे उनके हीरो बन जाते हैं। यह बहुत नॉर्मल है।' उन्होंने आगे कहा 'अगर कोई महिला स्टाइलिश है, अपनी बात खुलकर रखती है और अपनी अलग पहचान को सेलिब्रेट करती है, तो उससे कहा जाता है कि इस उम्र में अपनी उम्र के हिसाब से व्यवहार करो। सच तो यह है कि समय के साथ, एक महिला कम नहीं होती, वह और गहरी होती जाती है। उसका कॉन्फिडेंस शोर नहीं मचाता। वह और मजबूत होता है। उसकी खूबसूरती सिर्फ उसके चेहरे में नहीं होती। यह उसके सफर में दिखती है। झुर्रियां सिर्फ उसकी उम्र नहीं दिखातीं, वे उसके संघर्षों को दिखाती हैं।'

नेटफ्लिक्स की फिल्म 'मुसाफिर कैफे' में नजर आएंगे विक्रांत मैसी

अभिनेता विक्रांत मैसी जल्द ही नेटफ्लिक्स की नई रोमांटिक फिल्म 'मुसाफिर कैफे' में नजर आने वाले हैं। निर्माताओं ने फिल्म का टीजर साझा किया। साथ ही निर्माताओं ने इसकी रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है। इस फिल्म में विक्रांत के साथ वेदिका पिंटो और महिमा मकवाना अहम भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म 'मुसाफिर कैफे' ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इस फिल्म में विक्रांत मैसी के साथ वेदिका पिंटो और महिमा मकवाना भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर इस फिल्म की पहली झलक शेयर की है। यह फिल्म 24 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। 'मुसाफिर कैफे' के अलावा विक्रांत के पास कुछ और बड़े प्रोजेक्ट्स भी हैं। एक फिल्म में विक्रांत मशहूर आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रवि शंकर का रोल निभा रहे हैं। इस फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे उन्होंने कोलंबिया देश में 52 साल से चल रही आपसी लड़ाई को खत्म कराने और शांति लाने में बड़ी भूमिका निभाई थी।

फ्रेंचाइजी फिल्म नहीं स्टैंडअलोन फिल्म होगी 'वाराणसी'

एसएस राजामौली अपनी आगामी फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चाओं में हैं। भले ही यह फिल्म अगले साल रिलीज होनी है, लेकिन घोषणा के बाद से ही फिल्म लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। इस बीच राजामौली शूटिंग से ब्रेक लेकर फ्रांस में हुए एनेसी इंटरनेशनल एनिमेशन फिल्म फेस्टिवल में पहुंचे, जहां उनकी फिल्में 'आरआरआर' और 'ईगा' दिखाई गईं। इसी दौरान राजामौली ने एक मास्टरक्लास में अपनी आने वाली फिल्म 'वाराणसी' को लेकर बात की और कन्फर्म किया कि 'बाहुबली' के उलट, यह फिल्म किसी फ्रेंचाइजी का हिस्सा नहीं, बल्कि एक स्टैंडअलोन फिल्म होगी। बातचीत के दौरान राजामौली ने बताया कि दर्शक 'वाराणसी' से क्या उम्मीद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आप अंटार्कटिका की ठंड और बर्फ का अनुभव करेंगे। रामायण के देवता, प्राकृतिक आपदाएं और शानदार तत्व यही सब अनुभव आपको मिलेगा, लेकिन इन सबके केंद्र में पिता और पुत्र की भावनाएं हैं। यही सब मिलकर आपके लिए 'वाराणसी' बनाते हैं। जब पूछा गया कि यह प्रोजेक्ट एक ही फिल्म होगी या फ्रैंचाइजी तो राजामौली ने जवाब दिया कि यह एक फिल्म है। एसएस राजामौली के निर्देशन और विजयेन्द्र प्रसाद की लिखी 'वाराणसी' में महेश बाबू, पृथ्वीराज और प्रियंका चोपड़ा प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म माइथोलॉजी और भारतीय लोककथाओं को टाइम ट्रैवल जैसे साइंस-फिक्शन एलिमेंट्स के साथ मिलाकर एक ग्लोबल एडवेंचर बनाती है। फिल्म के एक सीक्वेंस में महेश बाबू भगवान राम के किरदार में भी नजर आएंगे। यह पूरा सीक्वंस रामायण पर आधारित होगा। राजामौली ने हाल ही में बताया था कि फिल्म के मुख्य एक्शन सीन पहले ही पूरे हो चुके हैं और अक्तूबर तक शूटिंग पूरी होने की उम्मीद है।

इन फिल्मी हस्तियों के पास है डॉक्टर की डिग्री

आपने कई फिल्मी सितारों को पर्दे पर डॉक्टर का किरदार निभाते देखा होगा। मगर, क्या आपको पता है कि फिल्मी दुनिया में कई ऐसे सितारे हैं, जिनके पास डॉक्टर की डिग्री है। इनमें से कुछ अब भी डॉक्टर के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। चलिए जानते हैं...

अदिति गोवित्रिकर

आपने अदिति गोवित्रिकर को 'बाज', 'पहचान', 'हम कौन हैं?' जैसी फिल्मों में देखा होगा। मॉडलिंग की दुनिया में भी बड़ा नाम रहा। साल 2001 में मिसेज वर्ल्ड बनने वाली पहली भारतीय महिला बनीं, लेकिन इन सबके पहले उनकी पहचान एक डॉक्टर की थी और दिलचस्प बात यह है कि इतने साल बाद भी वह पहचान उनसे कभी दूर नहीं हुई। खास बातचीत में अदिति ने बताया कि जिंदगी उन्हें फिल्मों तक जरूर ले आई, लेकिन लोगों की मदद करने का सपना आज भी वैसा ही है। अदिति आज भी लोगों के मेंटल हेल्थ से जुड़े मामलों पर काम कर रही हैं। उनका कहना है कि डॉक्टर की पढ़ाई आज भी उनके हर दिन के काम का हिस्सा है।

श्रीलीला

आज तेलुगु फिल्मों का चर्चित चेहरा हैं। उन्होंने अभिनय के साथ-साथ एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की और साल 2021 में डॉक्टर बनीं।

मेयांग चांग

मेयांग चांग को लोग गायक और अभिनेता के तौर पर जानते हैं, लेकिन उन्होंने बेंगलुरु के वी. एस. डेंटल कॉलेज से बीडीएस की पढ़ाई की है और वह पेशे से दंत चिकित्सक रह चुके हैं।

मोहन आगाशे

मोहन आगाशे ने एमबीबीएस के बाद मनोचिकित्सा में एमडी किया था। फिल्मों में आने से पहले वह मेडिकल क्षेत्र से जुड़े रहे।

मानुषी छिल्लर

मानुषी छिल्लर फिल्मों में आने से पहले एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही थीं। लेकिन साल 2017 में मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद उनकी जिंदगी ने नया मोड़ लिया और मेडिकल की पढ़ाई बीच में ही छूट गई।

पलाश सेन

पलाश सेन को लोग बैंड यूफोरिया की वजह से जानते हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि उन्होंने एमबीबीएस किया है और वह हड्डी रोग विशेषज्ञ भी हैं।

श्रीराम लागू

दिग्गज अभिनेता श्रीराम लागू ने पुणे के बी. जे. मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस और एमएस किया था। पढ़ाई पूरी करने के बाद कुछ साल तक ईएनटी सर्जन के तौर पर काम किया, फिर अभिनय की दुनिया चुन ली।

साई पल्लवी

साउथ सिनेमा का बड़ा नाम हैं। प्रेमम से पहचान बनाने वाली साई ने जॉर्जिया की त्बिलिसी स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस किया है, हालांकि उन्होंने डॉक्टर के तौर पर प्रैक्टिस नहीं की।

रोज नहीं खाएं अण्डे

अगर आप रोजाना अंडे खा रहे हैं तो इनको खाना छोड़ दीजिए। नए शोध में पता चला है कि जो रोज अंडे खाते हैं वह बीमार जल्द पड़ते हैं। अंडे का सेवन डॉक्टर की सलाह से ही करना चाहिए।

क्या यह सच है कि अगर सेहत बनानी हो तो रोज अंडे पेट में उतार लिया करो। जबकि सच्चाई यह है कि ऐसा करना आ बैल मुझे मार जैसी बात कहना है, क्योंकि बिना डॉक्टर से पूछे किसी को भी अंडे खाने ही नहीं चाहिए। खासकर, शुगर, हाई बीपी, कोलेस्ट्रॉल, हार्ट के पेशेंट्स और मोटापे वालों को तो अंडों से दूर ही रहना चाहिए, क्योंकि अंडे उनके रोग को और बढ़ा सकते हैं।

सेहत के लिए ठीक नहीं

डॉक्टरों का कहना है कि इस बारे में 1999 में जर्नल ऑफ मेडिकल एसोसिएशन में बॉस्टन के हावर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हैल्थ के न्यूट्रीशन विभाग के डॉ. हू. एफ बी एंड ग्रुप की रिपोर्ट में कहा गया था कि बीपी, हार्ट, शुगर और कोलेस्ट्रॉल के मरीजों के लिए अंडा खाना ठीक नहीं है, जबकि अभी तक इस बारे में एक भी भारतीय रिपोर्ट सामने नहीं आई कि रोज अंडे खाने से सेहत बनती है या आप स्वस्थ रहोगे। जबकि सबसे ज्यादा शुगर, बीपी आदि के मरीज भारत में ही हैं। इसलिए रोज अंडे खाना किसी भी तरह से ठीक नहीं है।

ज्यादा प्रोटीन खतरनाक

हृदय रोग विशेषज्ञों का कहना है कि एक अंडे में 213 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है यानी आठ से नौ चम्मच मक्खन के बराबर, क्योंकि एक चम्मच मक्खन में 25 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है। इसलिए सिर्फ शुगर, हाई बीपी और हार्ट पेशेंट्स को ही इन्हें दूर से सलाम नहीं करना चाहिए, बल्कि सामान्य सेहत वाले लोगों को भी अगर डॉक्टर प्रोटीन की जरूरत बताये, तभी खाना चाहिए।

विज्ञापनों में प्रचार गलत

प्रिवेंटिव हेल्थ कनसल्टेंट का कहना है कि रोज अंडे खाने की बात भ्रामक है। ऐसे विज्ञापनों से लगता है सेहत के लिए अंडा ही सब कुछ है बाकी चीजें नहीं। अंडे से बहुत ज्यादा फैट व चिकनाई मिलती है, जो कोलेस्ट्रॉल, दिल के दौरे, हाई बीपी और शुगर की तरफ धकेल सकता है। आजकल हर आदमी पूरी तरह स्वस्थ नहीं है, इसलिए डॉक्टर से पूछ कर ही अंडे लें।

ज्यादा कैलोरीज की जरूरत नहीं

अंडे में जितनी हाई कैलोरीज व कार्बोहाइड्रेट होती है, उतनी शरीर को जरूरत नहीं होती। अंडे को दवाई भी नहीं माना जा सकता। जितनी एनर्जी यह देता है, इससे तो शरीर को नुकसान ही होगा। अंडे से शरीर का अननेचरल विकास होने से शरीर अधिक बेडौल हो सकता है। किडनी व हार्ट के लिए तो नुकसानदायक है ही। अंडे से कार्य करने की क्षमता सिर्फ क्षणिक तौर पर बढ़ी हुई लगती है, पर स्टॅमिना

एक अंडे में प्रोटीन

कैलोरीज - 78 एमजी

कोल- 78 एमजी

सोडियम - 62 एमजी

(इससे बीपी व हार्टबीट बढ़ सकती है)

फैट- 5.3 ग्राम

प्रोटीन- 6 ग्राम

फ्राइड किए जाने पर अंडे में कैलोरीज-100 और बढ़ जाती है।

नहीं बढ़ता। फार्मिंग से आए अंडे तो केमिकल की वजह से ज्यादा दूषित या जहरीले हो जाते हैं। गर्मियों में पाचन वीक होता है। ऐसे में सामान्य तौर पर ज्यादा कैलोरी व गरिष्ठ होने के कारण अंडे और ज्यादा नुकसानदायक हैं।

दालों में भरपूर प्रोटीन

विशेषज्ञ कहते हैं कि प्रोटीन के लिए तो सभी तरह की दालें, पनीर व दूध से बनी चीजें अंडे का विकल्प होती हैं। अंडों की जगह उनका इस्तेमाल करें। दूध या स्किम्ड मिल्क, मूंगफली, ड्राई फ्रूट में अखरोट, बादाम, काजू व हरी सब्जियां, दही, सलाद और फल भी ले सकते हैं। जीव-जंतुओं से प्राप्त भोजन से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है, जबकि पेड़-पौधों से मिलने वाले भोजन से नहीं बढ़ता।

कौन खा सकता है अंडे

डॉक्टरों का कहना है कि बिना जरूरत के अंडे खाना लकवे, नपुंसकता, पैरों में दर्द, कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना, मोटापे और हार्ट की आर्टरीज में ब्लॉकेज को न्यौतना है। नॉर्मल लोग भी खाएं तो हर छह महीने पर कोलेस्ट्रॉल की जांच कराते रहें। हां,

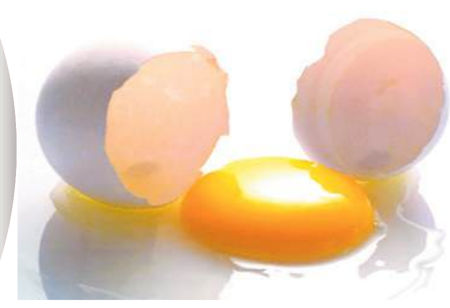

जिसको हाई प्रोटीन डाइट की जरूरत हो वे अंडा ले सकते हैं, पर वह भी तब, जब वे पहले से अंडा खाते आ रहे हों। कम वजन वालों, बीमारी के बाद बहुत कमजोर हो गए और टीबी के मरीजों को प्रोटीन की जरूरत होती है, उन्हें खाने के लिए बताया जा सकता है। आम स्वस्थ व्यक्ति के लिए भी डॉक्टर की राय से ही एक अंडा रोज खा सकते हैं।

आम आदमी रोज अंडा नहीं खाएं

वैसे, आम आदमी को अंडा नहीं खाना चाहिए, क्योंकि एक प्रतिशत कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से दो प्रतिशत हार्ट अटैक की आशंका बढ़ जाती है। शुगर या मधुमेह, हाई बीपी, हार्ट पेशेंट्स, मोटापे से पीड़ित और कोलेस्ट्रॉल के रोगियों को डॉक्टर ही जांच के बाद बता सकता है कि उनके शरीर को अंडों की जरूरत है या नहीं।

अंडे में अमीनो एसिड अधिक

अंडे में सेलीनियम, बीटा केरोटीन और लेसिथिन जैसे अमीनो एसिड होते हैं, जो एंटी ऑक्सीडेंट का काम करते हैं। हार्ट को प्रोटेक्ट करने के लिए अच्छे हैं, परन्तु एक तो अंडे से मिलने वाले कोलेस्ट्रॉल के मुकाबले में ये एसिड इतने कम होते है कि हार्ट को ज्यादा सुरक्षा दे नहीं पाते, दूसरे ये तभी काम कर पाते हैं, जबकि व्यक्ति में कोलेस्ट्रॉल और बाकी लेवल नॉर्मल हों।

बढ़ जाता है यूरिक एसिड

पालक, पनीर, मीट, मटर व दालों आदि प्रोटीन के सभी स्रोतों में यूरिक एसिड ज्यादा होता है। अगर डॉक्टर कोलेस्ट्रॉल और यूरिक एसिड लेवल सही घोषित करके बताये कि आपको प्रोटीन की जरूरत है, तभी अंडे लें वरना कोलेस्ट्रॉल और यूरिक एसिड के अंदर ही अंदर बढ़ने का पता भी नहीं चलेगा। ऐसा तो नहीं है कि एक व्यक्ति दिन में सिर्फ एक अंडा ही खाएगा। उसके भोजन में और चीजें भी शामिल होंगी, उनसे भी कैलोरीज व कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ेगा।

सफेद भाग खाना अच्छा

अंडे का सफेद भाग ही खाना ठीक है, क्योंकि उसमें प्रोटीन होता है। एक अंडे में 80 कैलोरीज होती हैं, 50 पीले हिस्से में और 30 सफेद में। 40 से ज्यादा उम्र के लोग अंडे का पीला हिस्सा या योक न खाएं, क्योंकि उसी में कैलोरीज, फैट व कोलेस्ट्रॉल ज्यादा होने के कारण सेहत की समस्याएं हो सकती हैं, जबकि सफेद हिस्से में प्रोटीन ही होता है।

फ्रेंचबीन से फटाफट सेहत

बीन्स एक ऐसी सब्ज़ी है जो कि अमेरिकन, मेक्सिकन, चाईनीज़, जापानी, उत्तरी व दक्षिणी भारतीय, यूरोपियन आदि तरह के भोजन में सामान्यतः मिलती है। आप सलाद लें या स्टारटर्स, सूप से लेकर बर्गर टिक्की तक हर जगह बीन्स (फलियां) किसी न किसी रूप में आपको नजर आ जाएंगी।

सूखी व हरी दोनों ही प्रकार की बीन्स भोजन का एक आवश्यक व पौष्टिक हिस्सा हैं। बीन्स बीमारी को ठीक करने के बहुत काम आती है। बीन्स की हरी पौध सब्जी के रूप में खाई जाती है तथा सुखाकर इसे राजमा, लोबिया इत्यादि के रूप में खाया जाता है। अमेरिका तथा अफ्रीका के कुछ भाग में तो बीन्स को प्रोटीन का मुख्य स्रोत माना जाता है। हरी बीन्स या सामान्य भाषा में फ्रेंच बीन्स में मुख्यतः पानी, प्रोटीन, कुछ मात्रा में वसा तथा कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन, कैरोटीन, थायमीन, राइबोफ्लेविन, नियासीन, विटामिन-सी आदि तरह के मिनरल और विटामिन मौजूद होते हैं।

कोशिकाओं के लिए फायदेमंद

राइबोफ्लेविन को विटामिन बी-2 के नाम से यादा जाना जाता है, विटामिन बी-2 शरीर की कोशिकीय प्रक्रियाओं के लिए बहुत ही आवश्यक घटक है। बीन्स विटामिन बी-2 का मुख्य स्रोत होते हैं। प्रति सौ ग्राम फ्रेंच बीन्स से तकरीबन 26 कैलोरी मिलती है। राजमा में यही सब ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। इसलिए प्रति सौ ग्राम राजमा से 347 कैलोरी मिलती है। बीन्स सोल्युबल फाइबर का अच्छा स्रोत होते हैं और इस कारण हृदय रोगियों के लिए बहुत ही फायदेमंद हैं।

ऐसा माना जाता है कि एक कप पका हुआ बीन्स रोज खाने से रक्त में

कोलेस्टेरोल की मात्रा 6 हफ्ते में 10 प्रतिशत कम हो सकती है और इससे हृदयाघात का खतरा भी 40 प्रतिशत तक कम हो सकता है। बीन्स में सोडियम की मात्रा कम तथा पोटेशियम, कैल्सियम व मेग्नीशियम की मात्रा अधिक होती है और लवणों का इस प्रकार का समन्वय सेहत के लिए लाभदायक है। इससे रक्तचाप नहीं बढ़ता तथा हृदयाघात का खतरा टल सकता है।

शकर का स्तर नहीं बढ़ता

बीन्स का ग्लाइसेमिक इन्डेक्स कम होता है इसका अभिप्राय यह है कि जिस तरह से अन्य भोज्य पदार्थों से रक्त में शकर का स्तर बढ़ जाता है, बीन्स खाने के बाद ऐसा नहीं होता। बीन्स में मौजूद फाइबर रक्त में शकर का स्तर बनाए रखने में मदद करते हैं। और बीन्स की इस खासियत की वजह से मधुमेह के रोगियों को बीन्स खाने की सलाह देते हैं।

किडनी में लाभकारी

किडनी में पथरी के लिए 60 ग्राम बीन्स की पौध लेकर इसे चार लीटर पानी में चार घंटे तक उबाल लें। फिर इसके पानी को कपड़े से छान लें और छने हुए पानी को करीब आठ घंटे तक ठंडा होने के लिए रख दें। अब इसे फिर से छान लें। दिन में दो-दो घंटे से पीयें। लाभ होगा।

मौसम करे बीमार रसोई करे उपचार

बीते दिनों मौसम में काफी बदलाव देखने को मिला। आंधी, बारिश और हल्की ठंडक ने हमारी दिनचर्या के साथ सेहत को भी खराब किया। किसी का गला बैठ गया तो किसी को जी मिचलाने की शिकायत होने लगी। क्या आप जानते हैं कि ऐसी छोटी-मोटी मौसमी शिकायतों के समाधान आपकी रसोई में मौजूद हैं। जब भी मौसम बदलने के कारण आपका पाचन तंत्र गड़बड़ाए, आपको जी मिचलाने या उल्टी की शिकायत महसूस हो तो आप दालचीनी और अदरक का सेवन करके राहत पा सकते हैं। अदरक जी मिचलाने की सबसे कारगर दवा मानी जाती है। जबकि दालचीनी उल्टी रोकने के लिए बेहतरीन घरेलू दवा है। अगर आप इन्हें सीधे-सीधे न खा सकें तो एक कप गर्म पानी में उबाल कर इनका सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा सौंफ भी आपको इन बीमारियों से निजात दिला सकती है।

सौंफ से फायदा

एक चम्मच सौंफ को एक कप पानी में उबालें और सुखा कर खाएं। ये गले के लिए भी बेहतर है। अगर गले या सीने में कंजेशन जैसा महसूस हो तो भी सौंफ आराम दिला सकती है। सौंफ के साथ अजवाइन भी आराम पहुंचाती है।

अजवाइन

गर्म अजवाइन को सीने पर लगाने से भी कंजेशन खत्म होता है। मूली में नमक और चीनी मिला कर खाने से भी इस बीमारी में आराम मिलता है।

नमक

अगर जुकाम की वजह से नाक बंद हो गई हो तो गुनगुने पानी में नमक मिला कर इसकी कुछ बूंदें नाक में डालें। नाक की सफाई के लिए ये बढ़िया उपाय है।

शहद

अगर पेट में भारीपन की शिकायत हो तो एक चम्मच शहद में एक चम्मच नींबू का रस मिला कर पीने से आराम मिलेगा। अगर पेट खराब होने का अंदेशा हो तो दूध में हल्दी मिला कर पीने से आराम मिल सकता है। अगर सोते समय ठंड लगने की शिकायत महसूस हो तो लौंग, नींबू का रस गर्म पानी में मिला कर पिएं और सो जाएं। ठंड महसूस नहीं होगी।

ये आहार नहीं बढ़ने देंगे आपका वजन

संतुलित वजन यानी स्वनस्थ शरीर। इसलिए वजन कम रखने की चाहत हर किसी की होती है। कुछ लोग डायटिंग और एक्सइरसाइज की मदद से अपना वजन तो कम करते हैं, लेकिन कुछ दिन बाद उनका वहीं पुराना हाल हो जाता है। कम हुआ वजन दोबारा से न बढ़ें इसके लिए जरूरी है संतुलित आहार और सही जानकारी।

वजन घटाने वाले आहारआपको यह जानकारी होनी चाहिए कि किस प्रकार का आहार आपके कम हुए वजन को बरकरार रखने में मददगार साबित होगा। यदि आप भी वजन को कंट्रोल में रखना चाहते हैं तो सबसे पहले रेस्टोरेंट आदि के खाने से बचना चाहिए। इस लेख के जरिए हम आपको बता रहे हैं अपनी डायट में शामिल करने वाले ऐसे आहारों के बारे में जिनसे शरीर को प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा तो मिलेगी ही और आपका वजन भी नियंत्रित रहेगा।

अंडा

अंडे में भरपूर मात्रा में प्रोटीन होती है। इसका सेवन आपको लंबे समय तक भोजन की जरूरत से दूर रखता है। अंडा खाने से ब्लड शुगर होने का खतरा भी कम रहता है। ब्लड शुगर वाले रोगियों को खाने की तीव्र इच्छा होती है। सामान्य से अधिक वजन वाली 30 महिलाओं पर किए गए अध्ययन से साफ हो चुका है नाश्ते में कोर्नफ्लैक्स खाने वाली महिलाओं के मुकाबले अंडा खाने वाली महिलाओं ने अगले 36 घंटे तक भोजन का कम मात्रा में सेवन किया। अंडे का सेवन आपको लंबे समय तक भूख से राहत देता है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी का सेवन वजन कम करने वाले तरल पदार्थ के रूप में किया जाता है। एंटीऑक्सीडेंट होने के कारण ग्रीन टी वसा को तेजी के साथ कम करने में मदद करती हैं। यह बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) को सही रखने के साथ ही एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को भी कम रखती है। एलडीएल कोलेस्ट्रॉल या बेड कोलेस्ट्रॉल की मौजूदगी से शरीर का वजन बढ़ता है।

सलाद

लंच के साथ सलाद खाने से कैलोरी की मात्रा नियंत्रित रहती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक सलाद के सेवन से आपको भूख कम लगती है। इसके अलावा इसमें विटामिन सी, विटामिन ई, फोलिक एसिड और लाइकोपीन होता है। इन सभी की मौजूदगी शरीर पर चर्बी जमने से रोकती है।

मसूर की दाल

मसूर की दाल के सेवन से भी व्यक्ति मोटापे से बचा रहता है। इसे खाने से शरीर में इन्सुलिन की पर्याप्त मात्रा बनी रहती है। बाजार में मसूर की दाल कई तरह की आती है, लेकिन लाल और पीली दाल 15 से 20 मिनट में तैयार हो जाती है। इसे यदि पास्ता सॉस के साथ पकाया जाएं तो यह हार्ट के लिए भी फायदेमंद होती है।

अनार

अनार का जूस आपको हर तरह से स्वस्थ बनाता है। इसमें कम कैलोरी और फाइबर की अधिक मात्रा होती है। इसके सेवन से शरीर में एनर्जी आती है और भूख का कम अहसास होता है।

सेब

वजन को नियंत्रित करने के लिए सेब का सेवन बहुत ही फायदेमंद है। यदि आप नियमित तौर पर एक सेब खाने की आदत बना लेते हैं तो यह आपके वजन को तो कंट्रोल करेगा ही, साथ ही आपको फिट भी रखेगा।

सूप

एक कप चिकन सूप पीने से चिकन पीस खाने के बराबर एनर्जी मिलती है। चिकन सूप पीने से भूख का अहसास कम होता है और शरीर में एनर्जी बनी रहती है। इसी कारण इसे पीने के बाद व्यक्ति खाने की तरफ कम भागता है।

बीन्स

बीन्स का सेवन वजन कम रखने में बहुत मददगार है। बीन्स में फाइबर पाया जाता है। शरीर में फाइबर की मात्रा बने रहने पर भूख का अहसास कम होता है। फाइबर ज्यादा मात्रा में होने पर कोलेस्ट्रॉल की मात्रा भी कम रहती है।